THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 210 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.4 2080 बुधवार, 18 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

जयपुर में

3300 Per Sq. Ft. की रेट में कोठी

2900 Per Sq. Ft. की रेट में फ्लैट

अगर कहीं नहीं मिले
तो यहाँ आ जाना

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से तीन भारतीय नागरिक धराये

कूचबिहार, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात उत्तर बंगाल फ्रंटियर के जलपाईगुड़ी सेक्टर के अंतर्गत सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 40 वीं बटालियन की बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) सिंधुई के सीमा प्रहरियों ने तीन भारतीय नागरिकों को पकड़ा है। पकड़े गए भारतीय नागरिकों के नाम मोहम्मद काजीबुल (27), नूर इस्लाम (24) और जुयेल इस्लाम (24) हैं। बीएसएफ ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, तीनों को बीएसएफ के सीमा प्रहरियों ने उस समय पकड़ा जब वे बाइक से भारतीय गांव तेलियापारा जा रहे थे। जब तीनों की तलाशी ली गई तो उसके पास से 11 मोबाइल फोन बरामद हुए। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान खुलासा किया कि ये मोबाइल बांग्लादेश निवासी मोहम्मद मोमिनुल को सौंपा जाना था। गिरफ्तार किये गए

वाराणसी की असि और वरुणा नदी के जीर्णोद्धार का मामला

इलाहाबाद एचसी ने सरकार से मांगा जवाब, 22 नवंबर को अगली सुनवाई

22 नवंबर को होगी मामले की अगली सुनवाई

प्रयागराज, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंगलवार को वाराणसी में गंगा नदी की सहायक असि और वरुणा नदियों को अतिक्रमण मुक्त और जीर्णोद्धार की मांग में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया है. कोर्ट ने असी और वरुणा नदियों को अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान का ब्यौरा भी मांगा है. हाईकोर्ट ने वाराणसी विकास प्राधिकरण और नगर निगम वाराणसी को जनहित याचिका में पक्षकार बनाए जाने का भी आदेश दिया है. हाईकोर्ट ने कहा कि वीडीए और नगर निगम को भी आदेश की कॉपी उपलब्ध कराएं.

गौरतलब है कि इसी साल जनवरी माह में असि और वरुणा नदियों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर जनहित याचिका दाखिल हुई थी. जनहित याचिका में नदियों की पुनर्स्थापना और जीर्णोद्धार की मांग की गई है. राज्य सरकार की ओर से अदालत में पेश हुए अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने केस एनजीटी को सौंपने की मांग की. उन्होंने दलील दी कि गंगा प्रदूषण का केस अदालत पहले एनजीटी को भेज चुकी है. इस पर याची अधिवक्ता सौरभ तिवारी ने आपत्ति करते हुए एनजीटी का ऑर्डर कोर्ट में पेश किया. उन्होंने कोर्ट में दलील दी की एनजीटी के आदेश का अनुपालन नहीं हो रहा है. कोर्ट ने कहा स्थानीय मुद्दों पर अदालत सुनवाई कर सकती है. 22 नवंबर को मामले की अगली सुनवाई होगी. चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर और जस्टिस आशुतोष श्रीवास्तव की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई. कोर्ट ने 16 फरवरी को हुई पिछली सुनवाई में महाधिवक्ता से सरकार से निर्देश प्राप्त कर जबाब मांगा था. राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने असि और वरुणा के जीर्णोद्धार व पुनर्स्थापन के लिए विस्तृत आदेश दिया है. जनहित याचिका में एनजीटी के आदेश का भी हवाला दिया गया है. यह जनहित याचिका नदियों का अस्तित्व बचाने के लिए संघर्षरत जयराम कुमार शरण की ओर से दाखिल की गई है.

ट्रक से 32 मवेशी बरामद आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है। इसी कड़ी में वशिष्ठ पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 32 मवेशियों को लेकर जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर थाना इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक ट्रक (एएस-01केसी-1728) को जब्त किया गया। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 32 मशियों की मेघालय के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। सभी पशुओं को बड़े ही क्रूर तरीके से लाया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार तस्कर की पहचान अकीब अली (25 सोनपुर) के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू ने फिर उठाया अवैध रेत खनन का मुद्दा

चंडीगढ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने बिना नाम लिए राज्य की आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। सिद्धू ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि जो अपना पुराना परिचय भूलकर नए अस्तित्व की खोज में निकले, मार्ग उसे अपना ही लेता है, जो लोग हाल के दिनों में अवैध रेत खनन के सरगना थे, वे मुखबिर बनने की कोशिश कर रहे हैं, क्या डकैतों के पास नैतिक अधिकार है? विडंबना यह है कि जो लोग सिस्टम को बदलने आए थे, वे ही अब सिस्टम की निगरानी कर रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू ने आगे कहा कि इन दोनों को वह परिवर्तन लाना होगा, जिसका उन्होंने पंजाब से वादा किया था। लोक कल्याण और पंजाब को बचाने के लिए संकेत देने वाली नई व्यवस्था के बीच लालच खड़ा है। सिद्धू अवैध रेत खनन का मुद्दा पहले भी उठा चुके हैं। सिद्धू की तरफ से कहा गया था कि राज्य सरकार अवैध रेत खनन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर रही है। आप सरकार की ओर से विधानसभा चुनाव में अवैध रेत खनन का मुद्दा उठाया गया था। आप की तरफ से दावा किया था कि पंजाब में रेत माफिया 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करते हैं। बता दें कि अभी कुछ दिन पहले पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित की तरफ से मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर प्रदेश में हो रहे अवैध खनन को लेकर रिपोर्ट मांगी गई थी।

आप नेता राघव चड्ढा को दिल्ली एचसी से बड़ी राहत

नहीं रद्द होगा बंगले का आवंटन

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आप आमदी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा के टाइप 7 सरकारी बंगले के आवंटन वाले आदेश को रद्द कर दिया है। राघव चड्ढा ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान आप नेता राघव चड्ढा ने अपनी सुरक्षा और आतंकी धमकियों का हवाला देते हुए निचली अदालत का आदेश रद्द करने की मांग की थी।

परेशान करने की नीयत से सब किया गया

दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राघव चड्ढा के वकील ने कहा कि पंजाब से उनको लगातार धमकियां मिल रही हैं। इसी वजह से Z प्लस सुरक्षा भी मिली है। राघव के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को पंजाब में सुरक्षा मिली हुई है, तो इसका यह मतलब कतई नहीं है कि दिल्ली में सुरक्षा घटा दी जाए और यहां मेरी हत्या कर दी जाए। राघव चड्ढा ने कहा कि मुझे आशंका है कि मेरी शादी के समय ही जानबूझ कर मुझे परेशान करने की नीयत से यह सब किया गया। आपको बता दें कि दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने राघव चड्ढा के बंगले का आवंटन रद्द करने का आदेश दिया था। इसके बाद आप नेता ने पटियाला हाउस कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

क्या है पूरा मामला?

राघव चड्ढा जब राज्यसभा सदस्य बने तो उन्हें टाइप-6 बंगला आवंटित किया गया। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से टाइप-7 बंगला आवंटित करने की गुहार लगाई। इसके बाद राज्यसभा सचिवालय ने उन्हें टाइप-7 बंगला दे दिया। हालांकि इसी साल राज्यसभा सचिवालय ने राघव के टाइप-7 बंगले का आवंटन रद्द कर दिया। बता दें कि टाइप-7 बंगला अमूमन, पूर्व केंद्रीय मंत्रियों, राज्यपाल या पूर्व मुख्यमंत्री जैसे वरिष्ठ नेताओं को ही मिलता है।

क्यों रद्द हुआ था बंगले का आवंटन?

राज्यसभा सचिवालय के मुताबिक राघव टाइप-7 के लिए पात्रता पूरी नहीं करते थे, इसीलिये आवंटन रद्द करने का नोटिस दिया गया था। इसके बाद राघव कोर्ट गए। पटियाला हाउस कोर्ट ने, राज्यसभा सचिवालय के फैसले को सही ठहराया था। पटियाला हाउस कोर्ट से झटका लगने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।

लाल किले पर रामलीला के दौरान स्टेज पर गिरी लाइट एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में जगह-जगह रामलीला का मंचन हो रहा है। लालकिला स्थित श्री धार्मिक रामलीला के स्टेज पर अचानक लाइट गिर गई। जिसकी वजह से हादसा हो गया। हादसे में तीन घायल हो गए हैं। वहीं एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक, तेज हवा और बारिश से रात 10।30 यह हादसा हुआ। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बीती रात बारिश की वजह से नव श्री धार्मिक रामलीला समिति द्वारा 15 अगस्त पार्क लाल किला में रामलीला के स्टेज पर अचानक लाइट गिर गई। हादसे में 11 साल के एक बच्चे को चोटें आई हैं। जिसके लिए उसे मैदान पर खड़ी एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। बच्चा स्थिर है और खतरे से बाहर है। लेकिन निगरानी में है। दो से तीन लोगों के मामूली रूप से घायल होने की खबर है।

बंगाल के भर्ती घोटाला

सीएम ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर गंभीर आरोप कोर्ट ने ईडी से कहा- मीडिया को न दें जानकारी

कोलकाता, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आज मंगलवार को भर्ती घोटाले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी और इसी तरह के अन्य संदिग्ध आरोपियों पर मीडिया कवरेज के लिए दिशानिर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि मीडिया की रिपोर्टिंग वस्तुनिष्ठ होनी चाहिए और आरोपी व्यक्तियों पर गुमनाम आरोप लगाए बिना, समाचारों को राय से अलग करना चाहिए। हाई कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को यह भी निर्देश दिया कि वह आरोप पत्र दाखिल करने से पहले संदिग्धों के विवरण का खुलासा न करे, या पूछताछ और छापों का विवरण मीडिया को न दे। बता दें कि, ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) दोनों ने सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को समन जारी किया है। बंगाल में हुए कथित घोटालों में मोटी रिश्वत लेकर राज्य संचालित स्कूलों में शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियाँ शामिल थीं। इस मामले में अब तक 126 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। ईडी ने रिश्वत लेकर नौकरी देने के मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी, टीएमसी विधायक और पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य, टीएमसी युवा विंग के नेता कुंतल घोष और शांतनु बनर्जी, अयान सिल को भी अरेस्ट किया है। आपको याद होगा कि, पार्थ चटर्जी की सहयोगी अर्पिता के घर से नकद नोटों का जखीरा मिला था। इसी मामले में ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुल पांच आरोप पत्र दायर किए हैं। ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद टीएमसी को पार्थ चटर्जी को निलंबित करना पड़ा था। एक समन के अनुसरण में, अभिषेक बनर्जी 13 सितंबर को मामले के सिलसिले में कोलकाता में ईडी कार्यालय में उपस्थित हुए। टीएमसी सांसद को यह समन केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा 'लीप्स एंड बाउंड्स प्राइवेट लिमिटेड' के कार्यालय में छापेमारी के कुछ सप्ताह बाद आया है, जिस पर संघीय एजेंसी ने आरोप लगाया था कि इसका इस्तेमाल करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन करने के लिए किया गया था।

बड़ी कार्रवाई, बसपा हाईकमान ने मोहित आनंद को हटाकर जयपाल सिंह को बनाया मेरठ जिलाध्यक्ष

मेरठ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा में कार्यकर्ताओं के बीच चल रही आपसी गुटबाजी के चलते पदाधिकारी में उठापटक का दौर जारी है। जहां एक दिन पहले ही मंडल कोऑर्डिनेटर प्रशांत गौतम सहित तीन लोगों को पार्टी हाई कमान ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। वहीं दूसरे दिन ही बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष मोहित आनंद को भी मेरठ से हटकर बागपत जिले का प्रभारी नियुक्त किया है। इसके साथ-साथ मेरठ -सहारनपुर-मुरादाबाद मंडल के कोऑर्डिनेटर राजकुमार गौतम से भी मेरठ मंडल की जिम्मेदारी छीन ली है। बहुजन समाज पार्टी के नेताओं में लगातार अभद्र व्यवहार और पार्टी के खिलाफ कार्य करने के आरोप प्रत्यारोप लग रहे हैं, जिसके चलते पार्टी के पदाधिकारी बूथ स्तर का संगठन तैयार करना तो भूल गए, अब सभी लोग अपने पदों को बचाने में जुटे हुए हैं।

जज के पिता को पाकिस्तानी नंबर से मिली धमकी

धोखाधड़ी के मामले में बयान न देने का बनाया जा रहा दबाव

कुरुक्षेत्र, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में जज के पिता को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। धोखाधड़ी के दर्ज मामले में बयान न देने को लेकर यह धमकी दी गई है। आरोपी ने पहले शिकायतकर्ता पर अदालत में बयान न देने का दबाव बनाया। फिर बाद में जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने पाकिस्तानी नंबर से व्हाट्सएप कॉल की थी। शिकायत में शहरवासी व्यक्ति ने बताया कि इस साल मई में उनके साथ 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी हुई थी। इस मामले में बिहार पुलिस ने संजीत कुमार निवासी मोतिहारी जिला पूर्वी चंपारण बिहार को गिरफ्तार किया था, जबकि इस मामले की जांच एसटीएफ अंबाला कर रही है। मामले में जमानत को लेकर आरोपी ने 12 अक्तूबर को सेशन कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई 16 अक्टूबर को थी, मगर 13 अक्तूबर सुबह करीब 11 बजे पाकिस्तानी नंबर से व्हाट्सएप पर कॉल आई, जिसमें उन पर संजीत कुमार की जमानत के लिए झूठे बयान देने का दबाव बनाया गया।

एचसी में बोले उदयनिधि स्टालिन, वैचारिक मतभेद के कारण मेरे खिलाफ डाली गई याचिका

चेन्नई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म विवाद पर, तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मद्रास उच्च न्यायालय को बताया कि वैचारिक मतभेदों के कारण उनके खिलाफ एक याचिका दायर की गई थी। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता, एक हिंदू दक्षिणपंथी संगठन से जुड़ाव रखता है। उदयनिधि का प्रतिनिधित्व करते हुए, वरिष्ठ वकील पी विल्सन ने कहा, संविधान का अनुच्छेद 25, जो धर्म का अभ्यास करने और प्रचार करने के अधिकार की गारंटी देता है, लोगों को नास्तिकता का अभ्यास करने और प्रचार करने का अधिकार भी देता है। विल्सन ने न्यायमूर्ति अनीता सुमंत के समक्ष प्रस्तुत किया कि अनुच्छेद 25 को अनुच्छेद 19(1)(ए) (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) के साथ पढ़ा जाना स्पष्ट रूप से मंत्री के भाषण की रक्षा करता है। दक्षिणपंथी संगठन हिंदू मुन्नानी ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ कथित टिप्पणियों के कारण उदयनिधि के सार्वजनिक पद को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी। विल्सन ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ताओं ने मामला दायर किया क्योंकि उनका मानना था कि डीएमके उनकी विचारधारा के विरोध में थी। डीएमके द्रविड़ विचारधारा का प्रतीक है, जो आत्म-सम्मान, समानता, तर्कसंगत विचार और भाईचारे को बढ़ावा देता है। दूसरी ओर, विरोधी संप्रदाय जाति के आधार पर विभाजन की वकालत करता है। न्यायाधीश ने मामले की अगली सुनवाई 31 अक्टूबर को तय की है और याचिकाकर्ताओं से उस कार्यक्रम का निमंत्रण और उपस्थित लोगों की सूची प्रदान करने को कहा है जहां उदयनिधि ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 'सनातन धर्म' पर टिप्पणी के लिए तमिलनाडु सरकार, मंत्री उदयनिधि स्टालिन समेत अन्य को नोटिस जारी किया था। शीर्ष अदालत ने एमपी ए राजा, एमपी थिरुमावलवन, एमपी सु वेंकटेशन, तमिलनाडु के डीजीपी, ग्रेटर चेन्नई पुलिस कमिश्नर, केंद्रीय गृह मंत्रालय, हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पीके शेखर बाबू, तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष को भी नोटिस जारी किया था। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उदयनिधि के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सनातन विरोधी सम्मेलन में उनकी भागीदारी को असंवैधानिक घोषित करने का आदेश देने की मांग की गई थी।

सुप्रसिद्ध रणवीरेश्वर मंदिर के भवन का एक हिस्सा गिरा, जानमाल का कोई नुकसान नहीं

जम्मू, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू में सुप्रसिद्ध 170 साल पुराने रणवीरेश्वर मंदिर के भवन का एक हिस्सा बारिश के दौरान गिर गया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, सीविल डिफेंस, पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है और बिगडे. मौसम के बीच मलबे को हटाया जा रहा है। इस हादसे में किसी प्रकार का जानी नुकसान नहीं हुआ है लेकिन मंदिर के गर्भगृह के आगे के हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा है। जम्मू के मेयर राजेंद्र शर्मा व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया है। माना जा रहा है कि मंदिर की इमारत काफी पुरानी होने के चलते ये नुकसान हुआ है। जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी अजातशत्रु सिंह और रणविजय सिंह भी मौके पर पहुंचे। अजातशत्रु ने कहा कि वे इस हादसे से सदमे में हैं और यह जम्मू शहर के पुराने मंदिरों में से एक है। माना जा रहा है कि आकाशीय बिजली गिरने से मंदिर को नुकसान पहुंचा है। हादसे की जांच के लिए जांच समिति बनाई जाएगी। मलबा हटने के बाद इस मंदिर को फिर जीर्णोद्धार किया जाएगा।

'कांग्रेस एक परिवार से चलने वाली पार्टी है'

शशि थरूर बोले- इंडिया गठबंधन से राहुल गांधी ही बनेंगे पीएम चेहरा

तिरुवनंतपुरम, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गुट आईएनडीआईए। ने कमर कस ली है। इसी बीच कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य शशि थरूर ने कहा कि उन्हें लगता है कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में भारत गठबंधन सत्ता में काबिज होती तो कांग्रेस पार्टी मल्लिकार्जुन खरगे या पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में नामित कर सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कर सकती है आईएनडीआईए। शशि थरूर ने आगे कहा कि ये संभावना है कि आइएनडीआईए। गठबंधन आगामी लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कर सकती है। सोमवार को तिरुवनंतपुरम में मौजूद टेक्नोपार्क में अपने कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद यूएस-आधारित और सिलिकॉन वैली-इनक्यूबेटेड डी2सी (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) मार्केटप्लेस वे।कॉम के पेशेवरों के साथ उन्होंने बातचीत की।

कांग्रेस परिवार से चलने वाली पार्टी: शशि थरूर

उन्होंने चुनाव परिणाम के बाद सभी पार्टियों को एक साथ आना होगा और किसी एक नेता को चुनना होगा। हालांकि, मेरा मानना है कि कांग्रेस पार्टी या तो मल्लिकार्जुन खरगे या राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की पेशकश कर सकते हैं क्योंकि कई मायनों में यह परिवार से चलने वाली पार्टी है। पीएम मोदी की नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को चुनौती देने के लिए विपक्षी दल ने दिल्ली, मुंबई, पटना सहित कई जगहों पर मीटिंग की। इन मीटिंग में चुनाव की तैयारियों को लेकर रोडमैप तैयार किया गया। हालांकि, पीएम मोदी के खिलाफ पीएम उम्मीदवार के लिए विपक्षी गुट आईएनडीआईए। ने अभी तक कोई चेहरा तय नहीं किया है।

आयुष डॉक्टर ने इलाज के बहाने महिला से छेड़छाड़ की, शिकायत के बाद गिरफ्तार

खरगोन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। खरगोन जिले के बड़वाह में इलाज कराने गई युवती के साथ डॉक्टर के द्वारा छेड़खानी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पेट दर्द के चलते आरोपी डॉक्टर से अपना इलाज करने गई युवती के साथ पहले तो डॉक्टर ने छेड़छाड़ की। इतना ही नहीं युवती के निजी अंगों को भी डॉक्टर ने बुरी नीयत के साथ छुआ। जिसके बाद युवती घबराकर घर भाग आई। घटना रविवार की बताई जा रही है, लेकिन इसकी शिकायत युवती ने परिजनों के साथ सोमवार देर शाम थाने पहुंचकर की। मामले में फिलहाल डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

ईडी-सीबीआई के रुख पर बांसुरी स्वराज बोलीं

'आप को आरोपी बनाना बीजेपी का 'सियासी एजेंडा नहीं'

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी की सचिव बांसुरी स्वराज ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय के रुख पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों द्वारा आम आदमी पार्टी को कथित शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाना बीजेपी का सियासी एजेंडा नहीं है। हमारी पार्टी हमेशा से कहती आई है कि आप में ऊपर से नीचे तक के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं। भ्रष्टाचार से प्राप्त धन का इस्तेमाल पार्टी ने अपनी गतिविधियों के लिए किया। बांसुरी स्वराज का यह बयान ईडी द्वारा सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के सामने एक चार्टशीट पेश करने के बाद आया है।

ईडी ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में वो आप को आरोपी बना सकती है। अगर ऐसा होता है तो आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को भी शराब घोटाला मामले में आरोपी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी अपना काम कर रही है। इसका आगामी चुनावों से कोई लेना-देना नहीं है। यह सब आप के 'कर्म' का परिणाम है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली ने एक ऐसी सरकार चुनी जो 'इंडिया अगेंस्ट करप्शन' के नाम पर अस्तित्व में आई थी।

आप के कई नेता शराब घोटाले में शामिल

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी आम आदमी पार्टी पर तंजिया लहजे में कहा है कि ईडी को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में आप को आरोपी बनाने के लिए कहा गया था। हालांकि, मामला कानून के हाथ में है। हम पहले दिन से कह रहे हैं कि आप और उसके प्रमुख इस घोटाले में शामिल हैं। आप के कई प्रमुख नेता इस घोटाले में शामिल हैं। अगर अरविंद केजरीवाल दोषी साबित हो गए, तो वह खुद को कैसे बचाएंगे? वीरेंद्र सचदेवा ने एएनआई से बातचीत में कहा कि आप ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए शराब नीति की संरचना में बदलाव किया। अगर पार्टी 'चोरी' में शामिल नहीं होती, तो जांच एजेंसियां इसका पीछा क्यों कर रही होतीं?

पैसे लेकर लोकसभा में सवाल पूछने के आरोप में क्या महुआ मोइत्रा पर होगी कार्रवाई

एथिक्स कमेटी को भेजी गई शिकायत

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। लोकसभा में पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप में भाजपा द्वारा की गई शिकायत को अध्यक्ष ओम बिरला ने एथिक्स पैनल को भेज दिया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ ने पैसे लेकर लोकसभा में सवाल पूछा है। दुबे ने मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए एक व्यवसायी से 'रिश्वत' लेने का आरोप लगाया था और ओम बिड़ला से उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक 'जांच समिति' गठित करने का आग्रह किया था महुआ मोइत्रा ने आरोपों पर पलटवार भी किया। उन्होंने कहा कि वह लोकसभा अध्यक्ष द्वारा निशिकांत दुबे के खिलाफ डिग्री और अन्य लंबित आरोपों पर कार्रवाई के बाद उनके खिलाफ किसी भी कदम का स्वागत करती हैं।

दुबे ने बिड़ला को संसद में 'क्वेरी फॉर कैश' का गंभीर 'विशेषाधिकार के उल्लंघन' के लिए महुआ मोइत्रा की सीधी संलिप्तता का आरोप लगाया। एक वकील से मिले पत्र का हवाला देते हुए दुबे ने कहा कि वकील ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और एक व्यवसायी के बीच रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा कि कसभा में उनके द्वारा पूछे गए 61 में से 50 प्रश्न अडानी समूह पर केंद्रित थे, जिसे एक खास व्यापारिक समूह के हित के लिए टीएमसी सांसद ने पूछा था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 211 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.4 2080 बुधवार, 18 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर बन रहा : पीएम

सबकी नजर भारत पर, जल्द ही हम दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमिक पॉवर में से एक होंगे

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के तीसरे एडिशन का इनॉगरेशन किया। पीएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम से जुड़े।

इस दौरान पीएम ने कहा, हम इस समिट को लेकर इससे पहले 2021 में मिले थे, तब पूरी दुनिया कोरोना से घिरी हुई थी। तब कोई नहीं जानता था कि कोरोना के बाद की दुनिया कैसी होगी। आज दुनिया में एक नया वर्ल्ड ऑर्डर आकार ले रहा है। उन्होंने कहा, इस बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में पूरा विश्व भारत की ओर नई आकाक्षाओं से देख रहा है। आर्थिक संकट से घिरी हुई दुनिया में भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की टॉप 3 इकोनॉमिक पॉवर में से एक होगा।

पीएम ने कहा, इतिहास साक्षी है कि जब भी भारत की मैरीटाइम क्षमता मजबूत रही है, देश और दुनिया को इससे बहुत फायदा हुआ है। इसी सोच के साथ बीते 9 सालों से हम इस सेक्टर को मजबूत करने के लिए योजना बनाते हुए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हाल ही में भारत की पहल पर एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो 21वीं सदी में दुनिया भर की मैरीटाइम इंडस्ट्री को बदल सकता है। जी-20 समिट के दौरान इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईईसी) पर ऐतिहासिक सहमति बनी है। सैंकड़ों साल पहले सिल्क रूट ने ग्लोबल बिजनेस को बढ़ाया था, ये दुनिया के कई देशों के विकास का आधार बना था। अब ये ऐतिहासिक कॉरिडोर भी लोकल और ग्लोबल बिजनेस की इमेज को बदल देगा।

हमारा मंत्र मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड

पीएम ने कहा, आने वाले दशकों में भारत दुनिया के टॉप पांच जहाज बनाने वाले देशों में से एक बनने वाला है। हमारा मंत्र है 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड' है। आने वाले समय में हम देश में कई जगहों पर जहाज बनाने और मरम्मत करने वाले केंद्रों को डेवलप करने जा रहे हैं।पीएम ने कहा, मैरीटाइम टूरिज्म को बढ़ाने के लिए हमने विश्व की सबसे बड़ी 'रिवर क्रूज सर्विस' की शुरूआत की है। भारत अपने अलग-अलग पोर्ट पर इससे जुड़े कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। भारत का लोथल गोदी एक विश्व धरोहर है, इसके संरक्षण के लिए लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर की स्थापना की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट का सेम-सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से इनकार

सीजेआई ने कहा- कोर्ट कानून नहीं बना सकता, उसे लागू करा सकता है

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। मंगलवार यानी 17 अक्टूबर को 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा कि कोर्ट स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव नहीं कर सकता। कोर्ट सिर्फ कानून की व्याख्या कर उसे लागू करा सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधानों में बदलाव की जरूरत है या नहीं, यह तय करना संसद का काम है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस रविंद्र भट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की संविधान पीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी। जस्टिस हिमा कोहली को छोड़कर फैसला चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस कौल, जस्टिस भट और जस्टिस नरसिम्हा ने बारी-बारी से फैसला सुनाया।

सीजेआई ने सबसे पहले कहा कि इस मामले में 4 जजमेंट हैं। एक जजमेंट मेरी तरफ से है, एक जस्टिस कौल, एक जस्टिस भट और जस्टिस नरसिम्हा की तरफ से है। इसमें से एक डिग्री सहमति की है और एक डिग्री असहमति की है कि हमें किस हद तक जाना होगा।

दरअसल, सेम सेक्स मैरिज का समर्थन कर रहे याचिकाकर्ताओं ने इसे स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत रजिस्टर्ड करने की मांग की थी। वहीं, केंद्र सरकार ने इसे भारतीय समाज के खिलाफ बताया था। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल 21 पिटीशंस में याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बेंच ने समलैंगिकता को अपराध मानने वाली आईपीसी की धारा 377 के एक पार्ट को रद्द कर दिया था।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, हर व्यक्ति को अपने पार्टनर को चुनने का अधिकार

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि ट्रांसजेंडर महिला को एक पुरुष से शादी करने का अधिकार है। उसी तरह ट्रांसजेंडर पुरुष को महिला से शादी करने का अधिकार है। हर व्यक्ति को अपने पार्टनर को चुनने का अधिकार है। वो अपने लिए अच्छा-बुरा समझ सकते हैं।

आर्टिकल 15 सेक्स ओरिएंटेशन के बारे में भी बताता है। हम सभी एक कॉम्प्लेक्स सोसाइटी में रहते हैं। एक-दूसरे के प्रति प्यार और सहयोग ही हमें मनुष्य बनाता है। हमें इसे देखना होगा। इस तरह के रिश्ते अनेक तरह के हो सकते हैं। हमें संविधान के भाग 4 को भी समझना होगा।

अगर मौजूदा याचिकाओं को लेकर कोर्ट तय करता है कि स्पेशल मैरिज एक्ट का सेक्शन 4 असंवैधानिक है, क्योंकि ये सबको अपने साथ लेकर नहीं चलता। इस सेक्शन को हटाना होगा या इसमें नई बातें जोड़नी होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने चंद्रबाबू की याचिका का फैसला सुरक्षित रखा

स्किल डेवलपमेंट घोटाले में हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से इनकार किया था

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीडीपी सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। 371 करोड़ रुपये के स्कील डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन घोटाले में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने नायुडू के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया था। नायुडू ने इसे चुनौती दी थी।

जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट में चंद्रबाबू नायुडू की ओर से एडवोकेट हरीश साल्वे और राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट मुकुल रोहतगी पेश हुए। नायुडू की याचिका को खारिज करते हुए 22 सितंबर को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि क्रिमिनल कार्रवाई को शुरूआती जांच में नहीं रोका जाना चाहिए और एफआईआर को रद्द करना, नियम के बजाय एक अपवाद होना चाहिए।

पूर्व सीएम नायुडू को 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। 73 वर्षीय नायुडू पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने साल 2015 में मुख्यमंत्री रहते हुए स्कील डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के फंड का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया था, जिससे के कारण राज्य के खजाने को 371 करोड़ का नुकसान हुआ था। फिलहाल नायुडू न्यायिक हिरासत में हैं और उन्हें राजा महेंद्र केंद्रीय जेल में रखा गया है।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत से लेकर होसबोले तक

सेम सेक्स मैरिज पर क्या सोचता है संघ, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर क्या था जवाब

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेम सेक्स मैरिज या समलैंगिक विवाह को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच ने इसे कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि समलैंगिक शादी मौलिक अधिकारों की श्रेणी में नहीं आती है। कानून बनाने का हक देश की संसद को है। सेम सेक्स मैरिज पर आए इस फैसले पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। संगठन के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस फैसले का स्वागत किया है।

आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि समान-सेक्स विवाह पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है। हमारी संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था इस मुद्दे के सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर सकती है और उचित निर्णय ले सकती है। संघ ने हाल ही में समान सेक्स संबंधों को अपना समर्थन

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर, आलिया भट्ट कृति सेनन बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला

वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा: द राइज' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। वही आलिया भट्ट को 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।फिल्म 'मिमी' के लिए अभिनेत्री कृति सेनन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के लिए अभिनेत्री पल्लवी जोशी को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फिल्म '777 चार्ली' के लिए अभिनेता-निर्माता रक्षित शेट्टी को सर्वश्रेष्ठ कन्नड़ फिल्म के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। फिल्म 'छेलो शो' के निर्माता धीर मोमाया और निर्देशक पान नलिन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में फिल्म 'सरदार उधम' के लिए निर्माता शील कुमार को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। फिल्म 'आरआरआर' के गाने 'कोमुराम भीमुडो' के लिए काला भैरव को सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वहीदा रहमान को दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु । साथ में पुरस्कृत फिल्मी कलाकार आलिया भट्ट, अल्लू अर्जुन व कृति सेनन ।

इजराइल में तैनाती के लिए 2 हजार अमेरिकी सैनिक तैयार

ईरान की धमकी- गाजा में हमले बंद करें, वरना मुस्लिम सेनाओं को रोकना मुश्किल

तेल अवीव, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के 11वें दिन अमेरिका अपने 11 हजार सैनिक इजराइल में तैनात कर सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ये सैनिक सीधे युद्ध नहीं लड़ेंगे, बल्कि इजराइल की सेनाओं को टेक्निकल और मेडिकल सपोर्ट देंगे। इस बीच अमेरिकी आर्मी के चीफ माइकल एरिक कुरिला मंगलवार को इजराइल पहुंचे। माना जा रहा है कि वे अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की रूपरेखा फाइनल कर सकते हैं।

दूसरी तरफ ईरान ने इजराइल और उसका समर्थन करने वाले देशों को कड़ी चेतावनी दी है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी ने मंगलवार को कहा कि अगर इजराइल ने गाजा में बमबारी बंद नहीं की, तो दुनिया मुस्लिम फोर्सेज को रोक नहीं पाएगी। इधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने इजराइल के पीएम नेतन्याहू से बात की। उन्होंने कहा, रूस जंग को बढ़ने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है।

इजराइल में 7 अक्टूबर को हमाल के हमले के बाद से ही इजराइली सेनाएं गाजा पर लगातार बम बरसा रही हैं। ये हमले दक्षिणी गाजा के खान यूनिस और राफाह में किए गए हैं। जानकारी मिली है कि 24 घंटे में वहां 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। जंग में अब तक इजराइल के 1400 लोग, गाजा के 2808 लोग और वेस्ट बैंक के 57 लोग मारे गए हैं।

हमास की कैद में हैं 250 नागरिक :

हमास मिलिट्री के प्रवक्ता अबु ओबेदा ने कहा है कि उनकी कैद में 200 से 250 नागरिक हैं। इनमें से विदेशी नागरिक हमारे मेहमान हैं। हालात सुधरने पर हम इन्हें रिहा कर देंगे। ओबेदा ने ये भी कहा कि वो गाजा में इजराइल के बड़े जमीनी ऑपरेशन से डरते नही हैं। इजराइली सेना 10 हजार सैनिकों के साथ गाजा में जमीनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

बाइडेन के दौरे से इजराइल के बड़े हमले में देरी :

इजराइली फौज जमीनी कार्रवाई की तैयारी पूरी कर चुकी है और उसे सरकार से हरी झंडी का इंतजार है। इधर, मंगलवार सुबह अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने घोषणा की कि प्रेसिडेंट जो बाइडेन 18 अक्टूबर को इजराइल जाएंगे। यह ऐलान उन्होंने पीएम नेतन्याहू और अधिकारियों के साथ 7 घंटे से ज्यादा चली बातचीत के बाद किया। **(संबंधित खबरें पेज 12 पर)**

सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर को आखिरी मौका

कहा- विधायक अयोग्यता केस की समयसीमा तय करें

एसजी बोले- दशहरे की छुट्टी में पर्सनली देखूंगा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधायकों के अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार 17 अक्टूबर को विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर को अंतिम मौका देने की बात कही। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि विरोधी धड़े (उद्धव ठाकरे) की तरफ से जो याचिकाएं दायर की गई हैं, उस पर फैसला लेने के लिए स्पीकर वास्तविक समयसीमा निर्धारित करें। अयोग्यता की याचिकाओं को जल्द निर्णय लिए जाने की जरूरत है।

महाराष्ट्र में विधायक अयोग्यता मामले की चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में सुनवाई हुई। इसमें सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि दशहरे की छुट्टियों के दौरान मैं व्यक्ति रूप से स्पीकर से एंगेज रहूंगा और रास्ता निकालने में उनकी मदद करूंगा। बेंच ने साफतौर पर कहा, टाइम शेड्यूल से हम संतुष्ट नहीं हैं। सॉलिसिटर जनरल ने भरोसा दिया है कि वे दशहरे की छुट्टियों में व्यक्तिगत रूप से स्पीकर से बात करेंगे और रास्ता निकालेंगे। अब मामले की सुनवाई 30 अक्टूबर को होगी।

वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने 17 अक्टूबर को बागी शिवसेना विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि किस घटनाक्रम को असंवैधानिक माना जाए।

पटाखा फैक्ट्रियों में विस्फोट, 14 की मौत

विरुधुनगर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में शिवकाशी के पास पटाखा बनाने वाली फैक्ट्रियों में मंगलवार को एक के बाद एक दो विस्फोट हुए। इस दौरान कम से कम 14 लोगों की मौत होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, पहला विस्फोट विरुधुनगर जिले में शिवकाशी के पास हुआ। यहां अब तक पांच लोगों की मौत की खबर है। इसके बाद तत्काल अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। दूसरा विस्फोट उसी जिले के कम्मापट्टी गांव में एक अन्य इकाई में हुआ। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि धमाकों से अब तक नौ लोगों की जान जा चुकी है। मौके पर अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौजूद हैं। विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इससे पहले अरियालूर जिले में नौ अक्टूबर को एक पटाखा इकाई में आग लग गई थी। इसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शोक व्यक्त कर पीड़ित परिवारों के लिए नकद राहत की घोषणा की थी। घटना जिले के विरागलुर गांव में एक निजी इकाई में हुई थी। मुख्यमंत्री ने बताया था कि पांच घायल लोगों को तंजावुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, पाकिस्तान-फलस्तीन के समर्थन में युवक ने की नारेबाजी

बरेली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन के बीच एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिये शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का निगरानी का दावा फेल साबित हो रहा है। रविवार को शहर के बारादरी थाना क्षेत्र में राष्ट्रध्वज के ऊपर धार्मिक झंडा लगाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भोजीपुरा, हाफिजगंज और फरीदपुर थाना क्षेत्रों में भी इसी तरह के मामले सामने आए हैं। वहीं पाकिस्तान और फलस्तीन के समर्थन में नारेबाजी करते युवक का वीडियो भी सामने आया है। इस्त्राइल पर आतंकी हमले के बाद हमास और फलस्तीन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बीच सोशल मीडिया पर दो पक्ष आमने-सामने हैं। थाना हाफिजगंज क्षेत्र में एक युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वह पाकिस्तान और फलस्तीन जिंदाबाद कहते हुए समर्थन कर रहा है। इसके अलावा उसने एक पोस्ट भी किया है।

मायावती के वोटबैंक में सेंध लगाने की तैयारी!

बीजेपी के इस कदम से बीएसपी की मुश्किलें बढ़ना तय?

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी यूपी में सभी जातियों को साधने में जुट गई है। साथ ही बीजेपी ने मायावती के वोटबैंक में सेंध लगाने की तैयारी भी कर ली है। पार्टी ने प्रदेश में अनुसूचित जाति व महिलाओं के बीच जनाधार बढ़ाने के लिए अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। इसकी कमान खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभाल रखी है। भारतीय जनता पार्टी बसपा के मूल वोटरों में सेंध लगाने के लिए आज से दलित सम्मेलन शुरू कर रही है। क्षेत्रवार बीजेपी का ये दलित सम्मेलन होगा। भारतीय जनता पार्टी आज हापुड़ जिले में इस सम्मेलन को करेगी। इस सम्मेलन को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी संबोधित करेंगे। इस दौरान सीएम योगी हापुड़ में 136 करोड़ की 102 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। जबकि बुलंदशहर में 632 करोड़ की 256 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया जाएगा। मुख्यमंत्री यहां विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे। इसके बाद सभी छह सांगठनिक क्षेत्रों में दलितों का सम्मेलन होगा और हर विधानसभा क्षेत्र में महिला सम्मेलनों के जरिए इन्हें जोड़ने की मुहिम चलाई जाएगी।

सीएम योगी समेत ये बड़े नेता होंगे शामिल

इस सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और राज्य सरकार के मंत्री व बीजेपी के तमाम स्थानीय पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक इस सम्मेलन में यूपी सरकार में मंत्री बेबी रानी मौर्य, गुलाब देवी, असीम अरुण व अन्य अनुसूचित जाति वर्ग के विधायक और सांसद मौजूद रहेंगे।

सभी 6 संगठनात्मक क्षेत्रों में होगा सम्मेलन

उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के संघटनात्मक रूप से 6 क्षेत्र हैं और भारतीय जनता पार्टी इन सभी 6 क्षेत्र में 6 दिन अलग-अलग दलित सम्मेलन करेगी। इस दलित सम्मेलन में दलितों को साधने की कोशिश भारतीय जनता पार्टी की तरफ से की जाएगी। 2 नवंबर को दलितों का एक बड़ा सम्मेलन भारतीय जनता पार्टी का अवध क्षेत्र में होगा, अवध क्षेत्र का सम्मेलन भाजपा लखनऊ में करेगी।

ये लोग होंगे शामिल

भारतीय जनता पार्टी के दलित सम्मेलन में हर विधानसभा से 2000 दलित प्रतिनिधि शामिल होंगे। सभी संघटनात्मक क्षेत्र में होने वाले सम्मेलन में संबंधित क्षेत्र में आने वाले सभी जिले की सभी विधानसभा सीटों से दो दो हजार दलित प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसमें खास तौर पर दलित वर्ग से आने वाले प्रोफेसर, इंजीनियर, डॉक्टर ,वकील, शिक्षाविद इसके साथ-साथ तमाम प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को इसमें आमंत्रित किया गया है।

बीजेपी अनुसूचित मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष क्या बोले?

भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित मोर्चा के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रामचंद्र कनौजिया ने एबीपी लाइव से बातचीत में कहा कि दलितों को जोड़ने के लिए यह महासम्मेलन हो रहा है और इसमें केंद्र से लेकर के राज्य स्तर के सभी मंत्रियों और पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही लाखों की संख्या में लोग इसमें जुड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज हापुड़ में ये कार्यक्रम हो रहा है। इसके बाद 19 अक्टूबर को अलीगढ़ में होगा, फिर 27 अक्टूबर को काशी में सम्मेलन होगा। 28 अक्टूबर को कानपुर में ये सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि अवध क्षेत्र का सम्मेलन 2 नवंबर को लखनऊ में आयोजित और 3 को गोरखपुर में सम्मेलन होगा।

क्या है बीजेपी की प्लानिंग?

पार्टी की नजर बसपा के वोटर्स पर भी है। बीजेपी का दावा है उनकी ज्यादातर योजनाओं का लाभ इसी वर्ग को हुआ है, इसलिए पिछले चुनाव में दलित वर्ग का रुझान बीजेपी की ओर हुआ है और दलितों ने बीजेपी के पक्ष में वोट दिया है। पार्टी इस वोटबैंक को भी जोड़कर रखना चाहती है ताकि यूपी में मिशन 80 के लक्ष्य तक पहुंचा जा सके।

मेरठ में पटाखा फैक्टरी में बड़ा धमाका, चार की मौत कई घायल

मेरठ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ के लोहिया नगर स्थित एक मकान में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक मकान में संचालित फैक्टरी में हुए जोरदार विस्फोट से पूरा इलाका दहल गया। धमाका इतना तेज था कि जिस मकान में फैक्टरी चल रही थी उसके साथ ही आस पास के दो-तीन मकान और धराशायी हो गए। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है वहीं दस से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें मेडिकल में भर्ती कराया गया है। वहीं डीएम व मजिस्ट्रेट समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। डीएम दीपक मीणा के अनुसार पटाखा फैक्टरी जैसी बात सामने नहीं आई है मौके से काफी मात्रा में साबुन बिखरा मिला है। बताया कि मकान में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। धमाका इतना जबरदस्त था कि 33 केवी की लाइन के खंभे भी टूट गए। सड़क पर जा रहे कई लोग घायल हो गए। करीब 3 से 4 किमी तक आस पास के मकान धमाके से हिल गए। जो मकान धराशायी हुआ है वह किसी संजय गुप्ता का बताया जा रहा है जो गौरव त्यागी नाम के व्यक्ति ने किराए पर ले रखा था। पुलिस मौके पहुंचकर छानबीन कर रही है। जिस मकान में फैक्टरी संचालित थी सत्यकाम स्कूल के पास ही है। विस्फोट स्कूल के समय से पहले हुआ अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। विस्फोट से तीन मकान गिरने के साथ दूरदराज तक के मकान भी हिल गए।

मुख्तार अंसारी को गैंगस्टर मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में किया गया पेश, इस वजह से नहीं हो सकी कोई कार्यवाही

आजमगढ़, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मजदूर हत्याकांड के बाद लगे गैंगस्टर के मुकदमे में बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी को मंगलवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। साथी के निधन के चलते वकीलों ने काम नहीं किया, जिस वजह से कोई कार्यवाही नहीं हो सका। ऐसे में अदालत ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 31 अक्टूबर नियत कर दी। तरवां थाना क्षेत्र के ऐरा कला गांव में छह फरवरी 2014 को हुए मजदूर हत्याकांड से संबंधित मामले में अक्टूबर 2020 में मुख्तार अंसारी व अन्य के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुख्तार अंसारी के पंजाब के रोपड़ जेल में होने के कारण लगभग छह महीने बाद अप्रैल 2021 में जब मुख्तार बांदा जेल में आया तब इस मुकदमे में उसको न्यायिक हिरासत में लिया गया।

मेरठ में बोलीं- गन्ना व खिलाड़ी पश्चिम यूपी की पहचान

नौ महिलाओं को बनाया विवि का कुलपति

मेरठ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि अब समय काफी बदल गया है और उत्तर प्रदेश की बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने आगे कहा कि अब पश्चिम उत्तर प्रदेश की पहचान गन्ना उत्पादन और खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के कारण हो रही है। राज्यपाल ने कहा कि पहले गांव की बेटियों को सिर्फ पढ़ाई तक ही सीमित रखते थे, लेकिन अब वह हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। राज्यपाल ने मंच से पारूल चौधरी और किरण बालियान को भी सम्मानित किया, साथ ही पंडाल में मौजूद सभी महिलाओं और छात्राओं को ऐसे ही आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल आनंदीबेन ने कहा कि मैं भी किसान की बेटी हूं और मैंने भी खेती किसानी का कार्य किया है। लेकिन आज मैं जहां तक पहुंची हूं, मेहनत और ईमानदारी के बल पर पहुंची हूं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में 9 महिलाओं को विश्वविद्यालय की कुलपति बनाया है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ संजीव बालियान ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को लेकर अपनी बात कही। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि पहले के मुकाबले अब स्थिति में काफी सुधार हुआ है और किसने की दशा व दिशा भी सुधारी है। केंद्रीय राज्यमंत्री डा

बीजेपी कार्यकर्ता की हत्या मामले में पत्नी और प्रेमी अरेस्ट

सोते वक्त कुल्हाड़ी से काटा फिर 8 किमी दूर पहाड़ी पर लगाया ठिकाने

सोनभद्र, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के जुगैल थाना क्षेत्र के चौरा गांव निवासी रामसनेही खरवार की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी पत्नी व प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी, मोबाइल व बाइक बरामद किया है। मामले का खुलासा सोनभद्र एसपी डॉ यशवीर सिंह ने पुलीस लाइन में प्रेस कांफ्रेंस कर किया। बता दें कि जुगैल थाना क्षेत्र के चौरा गांव में पांच दिनों से घायब बीजेपी कार्यकर्ता का शव गांव से 8 किमी दूर जंगल में मिला था। उसके शरीर पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या करने का मामला सामने आने के बाद परिजनों में कोहराम मंच गया था। मामले में सोनभद्र एसपी डॉ यशवीर सिंह द्वारा जल्द खुलासा की बात कही गई थी।

इन्वेस्टर्स के 600 करोड़ रुपये हड़पने के अनी बुलियन केस में

आईएफएस निहारिका से ईडी की लंबी पूछताछ

लखनऊ17अक्टूबर (एजेंसियां)।अनी बुलियन कंपनी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही ईडी ने आईएफएस अधिकारी निहारिका सिंह से सात घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की। निहारिका सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय ईडी के लखनऊ स्थिति जोनल ऑफिस पहुंची थीं। वह सुबह 11.30 बजे ईडी दफ्तर पहुंचीं और शाम पौने सात बजे वहां से बाहर निकलीं। ईडी ने उन्हें मंगलवार को भी बुलाया है। निहारिका अली बुलियन कंपनी के मुख्य संचालक अजीत कुमार गुप्ता की पत्नी हैं। वर्तमान में इंडोनेशिया के बाली स्थिति भारतीय दूतावास में तैनात हैं। अनी बुलियन कंपनी पर निवेशकों के 600 करोड़ रुपये से ज्यादा हड़पने का आरोप है। कंपनी के खिलाफ अयोध्या, सुलतानपुर, लखनऊ, बाराबंकी सहित आसपास के जिलों में 35 मुकदमे दर्ज हैं। इन्हीं को आधार बनाते हुए ईडी ने 8 मार्च 2021 को मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। ईडी सूत्रों के मुताबिक, निहारिका से अनी बुलियन के खातों से शेल कंपनियों में ट्रांसफर किए गए पैसों को लेकर लंबी पूछताछ की गई। इस रकम से खरीदी गई संपत्ति बारे में भी सवाल किए गए। शाम तक चली पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें अगले रोज भी अपने दफ्तर में आने को कहा।

चौथे समन पर पहुंचीं अधिकारी

ईडी ने पहले समन के जरिए निहारिका 10 जुलाई 2023 को पूछताछ के लिए अपने दिल्ली दफ्तर तलब किया था, लेकिन वह अपना बयान दर्ज करवाने नहीं आई थीं। जांच एजेंसी ने फिर दूसरी बार एक अगस्त 2023 को समन भेजा। निहारिका दूसरे समन पर भी नहीं पहुंची, लेकिन, ई-मेल के जरिए उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने मेल में कहा कि काम की व्यस्तता के कारण वह अभी पूछताछ के लिए नहीं आ सकतीं। साथ ही उन्होंने जांच में पूरा सहयोग करने और अगली तारीख पर आने का वादा किया था। ईडी ने इसके बाद विदेश मंत्रालय के जरिए निहारिका सिंह को तीसरा समन भेजा, लेकिन वह

महिला टीचर ने 10वीं के छात्र पर संबंध बनाने का डाला दबाव!

पिता ने कहा- बेटे का धर्म बदलना चाहती थीं

कानपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। एक मिशनरी स्कूल की शिक्षिका पर 10वीं क्लास के छात्र से शारीरिक संबंध का दबाव बनाने के आरोप लगे हैं। छात्र के पिता का आरोप है कि शिक्षिका बेटे का ब्रेनवॉश कर धर्मांतरण कराना चाहती थी। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पैदल मार्च कर जोरदार प्रदर्शन किया। मौके की नजाकत को देखते हुए, भारी पुलिस बल को तैनात किया गया था। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने शिक्षिका पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने आरोपी शिक्षिका को सस्पेंड कर दिया है। छात्र कैंट के एक प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ता है। उन्नाव निवासी छात्र के पिता का आरोप है कि शिक्षिका रात के समय मोबाइल पर मैसेज करती है। यौन संबंध बनाने का दबाव डालती है।

शराब पीने से दरभंगा में 3 मौतें; छापेमारी में कारोबारी गिरफ्तार, फिर भी पुलिस कर रही इंकार

दरभंगा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दरभंगा जिला के हायाघाट थाना क्षेत्र के मकसुदपुर गांव में हुई जहरीली शराब से मौत के बाद दरभंगा के एसएसपी अवकाश कुमार ने बीती रात इलाके में भारी छापामारी की। जानकारी के मुताबिक कुछ धंधेबाजों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। लालटून सहनी की बेटी पार्वती देवी ने एक शराब कारोबारी विकलांग विनोद दास का नाम बताया था, जिसे पुलिस ने शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि पुलिस इस गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं कर रही है।

'स्वामी प्रसाद मौर्य को गोली मारने पर 25 करोड़ दूंगा'

जगतगुरु परमहंस आचार्य के विवादित बोल

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की तरह अयोध्या में चर्चा में बने रहने वाले जगतगुरु परमहंस आचार्य ने एक बार फिर बड़ा विवादित बयान दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य के रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम और भारत-पाकिस्तान बंटवारे में जिन्ना के बजाय हिंदू महासभा की भूमिका के संबंध में दिए गए बयान को लेकर परमहंस आचार्य ने कहा कि जो कुछ भी कहा गया उसे कतई सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को जो गोली मारेगा मैं उसको 25 करोड़ रुपये का इनाम दूंगा। ये पैसे उसके घर भिजवा दूंगा और उसकी विधि सहायता करूंगा क्योंकि इसने सभी हदें पार कर दी हैं। अब इसको कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद भी अगर इसको कोई गोली नहीं मारता है तो जरूरत पड़ेगी तो मैं स्वयं इसको गोली मारूंगा।

जगतगुरु परमहंस आचार्य ने क्या कहा?

इस बयान के पहले उन्होंने जिन्ना और स्वामी प्रसाद मौर्य के पोस्टर जलाए। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने कहा कि देश का विभाजन करने वाला राक्षस मोहम्मद अली जिन्ना का हमने पुतला जलाया और जिन्ना पुत्र सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का भी पुतला जलाया। क्योंकि स्वामी प्रसाद मौर्य ने जो कहा वो सही नहीं है। मौर्य ने कहा कि देश के विभाजन का जिम्मेदार जिन्ना नहीं बल्कि हिंदू महासभा और वीर सावरकर हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य की आलोचना की

उन्होंने कहा कि अयोध्या से मैं तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य आज इनाम की घोषणा करता हूं कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को जो गोली मारेगा मैं उसको 25 करोड़ का इनाम दूंगा। स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान को सहन नहीं किया जाएगा। वे इससे पहले भी ऐसे बयान कई बार दे चुके हैं।

चाची से था अफेयर पति ने पत्नी को दे दिया तीन तलाक, थाने में पीड़िता ने बताई आपबीती

आगरा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने अपनी पत्नी को तीन तलाक दे दिया। युवक के अपने ही चाची के साथ अवैध संबंध बन गए थे, जिसके चलते वह अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने लगा। पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसे और उसके बच्चों को पति ने घर से निकाल दिया है। पीड़िता ने ट्रांस यमुना थाने में आरोपी ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शाहगंज के तेलीपाडा की रहने वाली एक युवती का विवाह समीर नाम के युवक से हुआ था। शादी के 3 साल बाद समीर अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ टेडी बगिया में किराए पर रहने लगा। युवती का आरोप है कि उसके पति के संबंध अपनी चाची से भी बन गए। इसके बाद वह उसके साथ मारपीट करने लगा। इसके बाद टेडी बगिया में ही छोड़कर आरोपी अपने घर चला गया। पति के जाने के बाद युवती अकेली रहने लगी, फिर बाद में अपनी ससुराल पहुंच गई। युवती का आरोप है कि इसके बाद उसने इस मामले में पति और अपने ससुरालवालों से बात की। साथ ही पूरे मामले को सुलझाना चाहा, लेकिन उल्टे ही ससुरालवालों ने उसे पीटा। 28 मई को पति समीर, सास मुन्नी, चचिया साथ फरजाना ,चचिया ससुरसाकिर, नंनद फातिमा व नसीम ने मिलकर उसे पीटा। फिर उसे बच्चों सहित घर से निकाल दिया। तब इसकी शिकायत युवती ने थाने में की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। वहीं, अब पीड़िता ने ट्रांस यमुना थाने में आरोपी ससुरालवालों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस के एक अफसर ने बताया है कि पीड़िता की ओर से लगाए गए आरोपों को पुलिस ने संज्ञान में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। युवती के ससुरालवालों से संपर्क साधने की कोशिश की जा रही है। इस मामले में जरूरत पड़ी तो पीड़िता के रिश्तेदारों से भी बात की जाएगी।

सपा के प्रत्याशियों का एलान कांग्रेस को नहीं आ रहा रास! अब अजय राय ने कर दिया बड़ा दावा

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने नौ सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों को एलान कर दिया है, जिससे लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और सपा के बीच रार बढ़ती हुई नजर आ रही है। सपा के इस कदम से कांग्रेस नेताओं में नाराजगी देखी जा रही है। यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने खुलकर एक बार फिर से सपा को बड़ा दिल दिखाने की हिदायत तक दे डाली है। कांग्रेस नेता ने सोमवार को कहा कि सपा को ये देखना चाहिए कि मध्य प्रदेश या दूसरे राज्यों में उनका कितना जनाधार है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मध्य प्रदेश में सपा के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा पर कहा कि सपा के नेताओं को इस मुद्दे पर बड़ा दिल दिखाने की जरूरत है। उन्हें इन राज्यों में अपना आधार देखना चाहिए। अजय राय ने कहा कि पिछले चुनावों में सपा को यहां सिर्फ एक सीट ही मिली थी। पार्टी को अपनी जमीनी स्थिति को भी समझना चाहिए। बागेश्वर उपचुनाव के दौरान भी सपा ने अपना उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस का ही नुकसान किया था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने एक बार फिर घोसी उपचुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने घोसी में न सिर्फ बड़ा दिल दिखाते हुए समर्थन दिया था बल्कि सपा के लिए प्रचार भी किया था। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में सपा जो सीटें मांग रही है, उसे पहले यहां पर अपने आधार को भी देखना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने तो ये तक कह दिया कि जितनी हैसियत हमारी मध्य प्रदेश में है वही हैसियत कांग्रेस के उत्तर प्रदेश में है। कांग्रेस को ये भी समझना चाहिए। 2024 से पहले सपा से बात बिगड़ती देख यूपी कांग्रेस के जिम्मेदारों ने अब ये कहना शुरू कर दिया है कि उनकी पार्टी 80 सीटों पर चुनाव की तैयारी कर रही है। बाकी गठबंधन और सीट बंटवारे का विषय केंद्रीय नेतृत्व का है और वो ही सारी चीजें तय करेगा।

दो मासूम बच्चों को निशाना बना चुकी मादा तेंदुए को पकड़ने के लिए आएंगी जयमाला और चंपाकली

बहराइच, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच जिले के खैरी घाट क्षेत्र में जंगली जानवरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। मादा तेंदुआ ने अब तक दो मासूम बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद से वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लगातार मादा तेंदुआ को पकड़ने के लिए कांबिंग कर रहे हैं। फिर भी अभी तक तेंदुआ पकड़ से बाहर है। बहराइच जिले की खैरी घाट की ग्राम पंचायत चौकसाहार के मजरा उपरिहनपुरवा के रहने वाले रोहित 11 वर्ष और इसी ग्राम पंचायत के राम बेटी पर तेंदुए ने हमला कर दो बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद गांव के लोग दशक में आ गए।

बढ़ सकती हैं एक्ट्रेस जयाप्रदा की मुश्किलें, आचार संहिता उल्लंघन मामले में गैर जमानती वारंट जारी

रामपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेत्री एवं पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले में अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी किए हैं। इस मुकदमे में गवाही पूरी हो चुकी है। उन्हें बयान दर्ज कराने हैं। कई बार तारीखों के बावजूद न आने पर अदालत को सख्ती करनी पड़ी। पूर्व सांसद के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। तब वह रामपुर सीट से भाजपा की प्रत्याशी थीं।आचार संहिता उल्लंघन का मामला इनके खिलाफ स्वार थाने में उड़नदस्ता प्रभारी रहे डॉ। नीरज कुमार पाराशरी की तहरीर पर आचार संहिता उल्लंघन की प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें आरोप है कि पूर्व सांसद ने चुनाव आचार संहिता के बावजूद 19 अप्रैल को नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन किया था। इसका वीडियो भी प्रसारित हुआ था। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिए थे। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। इस मामले में गवाही की प्रक्रिया पूरी होने के बाद धारा 313 के अंतर्गत पूर्व सांसद को अदालत ने बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया था। कई तारीखों पर भी वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुई।

गैर जमानती वारंट जारी

सोमवार को भी उनके अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र दिया, जिसका अभियोजन की ओर से विरोध किया गया। सहायक अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि अदालत ने जयाप्रदा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिए हैं। अदालत अब इस मामले में 21 अक्टूबर को सुनवाई करेगी। मुरादाबाद की एक अदालत ने भी हाजिर न होने पर उनके वारंट जारी कर दिए थे। केमरी मामले में विवेचक ने दी गवाही पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के एक अन्य मामले में सुनवाई हुई। यह मामला भी वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। वह भाजपा के टिकट पर उम्मीदवार थीं। उनके खिलाफ केमरी थाने में ग्राम विकास अधिकारी कुलदीप भटनागर की ओर से चुनाव आचार संहिता उल्लंघन में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें पूर्व सांसद पर पिपलिया मिश्र गांव में आयोजित जनसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। सोमवार को इस मामले में अभियोजन की ओर से गवाही के लिए मुकदमे के विवेचक योगेश गिरी को कोर्ट में पेश किया गया। उनकी गवाही पूरी हो गई है। अदालत अब इस मामले में 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगी।

जिंदगी साइकिल चलाने के जैसा है, बैलेंस बनाए रखने के लिए आपको चलते रहना होता है !

सचिवालय में महिला कर्मचारियों ने बतुकम्मा उत्सव मनाया

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला कर्मचारियों ने मंगलवार को यहां डॉ. बी.आर.अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में बड़े पैमाने पर बतुकम्मा उत्सव मनाया। बतुकम्मा समारोह तेलंगाना सचिवालय कर्मचारी संघ के सहयोग से आयोजित किया गया। राज्य सचिवालय की महिला कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों ने समारोह में भाग लिया है। बतुकम्मा उत्सव के दौरान महिलाओं और बच्चों ने डांडिया और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी खेले। समारोह में बड़ी संख्या में सचिवालय अधिकारी एवं कर्मचारी संघ के नेता शामिल हुए।

नुमाईश मैदान में गरबा डांडिया आज, तैयारियों का जायजा लिया

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन सोसाईटी तथा इकनामिक कमिटी द्वारा आयोजित डांडिया कार्यक्रम दिनांक 18 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक नुमाईश मैदान में जारी है, जिसकी तैयारियों का जायजा प्रधान संयोजक गोविन्द राठी, एक्सिबिशन सोसाईटी के उपाध्यक्ष सत्येन्द्र, मंत्री हनुमंतराव, सहमंत्री चरणजीत सिंह, इक्नामिक कमेटी के मंत्री जीवी रंगारेड्डी, एक्सिबिशन सोसाईटी के कोषाध्यक्ष ई. राजेन्द्र, इक्नामिक कमेटी के कोषाध्यक्ष डॉ. टीएन वेशा तिलक, सुरेन्द्र रेड्डी, अनिल स्वरूप मिश्रा, विनय कुमार, नंदगोपाल भट्टड, कोषाध्यक्ष गिरधारीलाल डागा, मनोज जायसवाल ने लिया।

प्रधान संयोजक ने आगे बताया 18 अक्टूबर को होने वाले डांडिया कार्यक्रम में मुंबई से कुंज गुजरात बिटल किशोर राठोड द्वारा म्युजिक आरकेस्ट्रा होगा तथा साऊन्ड ओके साऊन्ड का रहेगा। गोविन्द राठी ने आगे बताया कि डांडिया में प्रवेश पर तिलक लगाकर ही प्रवेश दिया जाएगा। इसमें किसी प्रकार की छुट नहीं दी जाएगी तथा मात्र रुपये 200 का टिकट लेना अनिवार्य है। बिना टिकट के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। डांडिया प्रांगण में खानपान की वस्तु अन्दर नहीं दिया जाएगा। लोगों से शांति बनाएं रखने के लिए कहा गया है।

प्रवल्लिका आत्महत्या के मामले में न्याय की मांग

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार की रात अशोक नगर के एक छात्रावास में आत्महत्या करके मरने वाली मैरी प्रवल्लिका के परिवार के सदस्यों ने पुलिस से शिवराम राठौड़ के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने की मांग की, जिन्होंने शादी के बहाने उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया।

प्रवल्लिका की मां मैरी विजया ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि राठौड़ ने मेरी बेटी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और उसका जीवन दयनीय बना दिया। उसने इस बारे में किसी को नहीं बताया। अब इसे बर्दाश्त नहीं कर पाने के कारण उसने आत्महत्या कर ली। प्रवल्लिका और उसका भाई प्रणय हैदराबाद में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। विजया ने कहा कि वे पैसा कमाने, शिक्षित करने और अपने बच्चों के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सभी बाधाओं के बावजूद कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता था कि वे किसी कठिनाई से गुजरें और खुशहाल जीवन जिएं। बेवजह मेरी बेटी को किसी विवाद में मत घसीटो और बदनाम करो. हम न्याय की मांग करते हैं और चाहते हैं कि उसकी मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को कड़ी सजा दी जाए।

प्रणय ने अफसोस जताया कि राजनीतिक दल, कांग्रेस और भाजपा, उनकी बहन की मौत से राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया हमें अकेला छोड़ दें। हम दुःख में हैं और नहीं चाहते कि कोई हमें परेशान करे। मेरी बस यही मांग है कि राठौड़ को फांसी दी जानी चाहिए या मुठभेड़ में मार दिया जाना चाहिए क्योंकि वह मेरी बहन को नियमित रूप से परेशान कर रहा था। प्रवल्लिका ने शुक्रवार रात बृंदावन हॉस्टल में फांसी लगाकर जान दे दी। उनकी मृत्यु के तुरंत बाद कई छात्र अशोकनगर में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बाद में, राजनीतिक दल विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया और भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि प्रवल्लिका ने टीएसपीएससी ग्रुप-II परीक्षा बार-बार रद्द होने से कथित तौर पर निराश होकर अपनी जान दे दी, जबकि पुलिस का कहना है कि राठौड़ के साथ उसके रिश्ते में खटास आने के बाद उसने अपनी जान दे दी।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई -निविदा सूचना सं. डीआरएम/ वर्क्स/बीजेडए /27/2023 दि.17/10/2023

PUB/1161

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए, अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित हरेक के प्रति विवरित तिथि नुसार 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं. ई-26-साउथ-बीजेडए-2023 कार्य विवरणः एबीएस योजना(अंब्रेला वर्क प्राजेक्ट, आयडीःवर्ष 2023-24 संबध्द 11.06.53.23.1.55.023) के तहत ओजीएल तथा एसकेएम स्टेशन बिल्डिंग्स के सर्कुलेटिंग एरिया व फैकेड्स का प्रस्तावित सुधार कार्य। पूरा करने की अवधिः 09(नौ) महिने, निविदा मूल्यः रु. 31506349/- पूधराः रु.307500/- बंद करने की तिथिः 31.10.2023

निविदा सं. ई-14-सेंट्रल-बीजेडए-2023 कार्य विवरणः एबीएस योजना(अंब्रेला वर्क प्राजेक्ट, आयडीःवर्ष 2023-24 संबध्द 11.06.53.23.1.55.025) के तहत एलुरू, तेनाली, बापट्ला तथा चिराला स्टेशन बिल्डिंग्स के सर्कुलेटिंग एरिया व फैकेड्स का प्रस्तावित सुधार कार्य। पूरा करने की अवधिः 09(नौ) महिने, निविदा मूल्यः रु. 381166509/- पूधराः रु.555800/- बंद करने की तिथिः 31.10.2023

निविदा सं. ई-20-नार्थ-बीजेडए-2023 कार्य विवरणः एबीएस योजना(अंब्रेला वर्क प्राजेक्ट, आयडीःवर्ष 2023-24 संबध्द 11.06.53.23.1.55.024) के तहत अनकपल्ले,एलामंचली, तुनी, सामलकोट, निडाडवोले, काकीनाडा टाउन तथा अनपर्ती स्टेशन बिल्डिंग्स के सर्कुलेटिंग एरिया व फैकेड्स का प्रस्तावित सुधार कार्य। पूरा करने की अवधिः 09(नौ) महिने, निविदा मूल्यः रु.114479700/- पूधराः रु.722400/- बंद करने की तिथिः 03.11.2023

निविदा सं. ई-47-इस्ट-बीजेडए-2023 कार्य विवरणः एबीएस योजना के तहत भीमवरम टाउन तथा रायनपाडू स्टेशन बिल्डिंग्स के सर्कुलेटिंग एरिया व फैकेड्स का प्रस्तावित सुधार कार्य। पूरा करने की अवधिः 09(नौ) महिने, निविदा मूल्यः रु.27946567.74/- पूधराः रु.289700/- बंद करने की तिथिः 03.11.2023

निविदा सं. ईपीसी-01-ब्रिजेस-बीजेडए-2023 कार्य विवरणः बीजेडए -वीएसकेपी सेक्शन पर जीवीएन-केवीआर स्टेशनों के मध्य आरजेवाय पर बीआर. नं.248 के लिए गोदावरी नदी के बो स्ट्रींग आर्च पीएससी पुल या ब्रिज के पीएससी बाक्स गिर्डर के बो स्ट्रींग आर्च के एक छोर पर एंकर्स तथा दूसरे छोर पर बो स्ट्रींग आर्च पीएससी गिर्डर के पीससी आर्च गिर्डर पर तत्संबंधित एंकर सहित 672 नंबर्स युक्त न्यू हैंगर केबुल्स की स्ट्रेस्सिंग व पेट्रोलियम वैक्स ग्राउटिंग कार्य, मौजूदा हैंगर केबुल्स का विघटन या निराकरण,आपूर्ति, इंस्टाल्लेशन करना। पूरा करने की अवधिः 30(तीस) महिने, निविदा मूल्यः रु.714198034/- पूधराः रु.3721000/- बंद करने की तिथिः 29.12.2023

1)भावी निविदादाताओं को परामर्श दिया जाता है कि, वे तत्संबंधित किसी भी निविदा के परिवर्तन/शुध्दिपत्रों के लिए निविदा बंद होने की तिथि के पहले वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।

मंडल रेलवे प्रबंधक, (कार्य), विजयवाडा

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यूआयआयआय/निविदा सूचना/जीएस/2023-24 दि.16/10/2023

PUB/1162

निविदा विवरण को पहले ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

निविदा सं. टी-202324-जीएस-013,एथारिटीः डिप्युटी सीइ /जीएस/एनइडी डिवीजनः (एमयुइ-पीएमकेटी सेक्शन के एलसी नं. 99,125,121,120,53,82, 52, 69,76,129, 77,7,118 के एके-पीएयु एंड 05 के 102 में, पीआरएलआय-पीबीएन के 17,01 में, एमएमआरएमयुइ) 1%एलसी के एवज में आरवोबी/आरयुबी के निर्माण कार्य के प्रति डीपीआर प्रस्तुति या सबमिशन तथा टोटल स्टेशन/डीजीपीएस, एप्रूवल अलाइनमेंट की मार्किंग, मिट्टी की जांच या साइल इन्वेस्टिगेशन, डिजाइन सहित विस्तृत सर्वे, व्यवहार्यता अध्ययन जांच या (फीजीबिलीटी स्टडी इन्वेस्टिगेशन) करना।

निविदा मूल्यः रु.16055906.70/- पूरा करने की अवधिः छह महिने, पूधराः रु. 230300/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यःरु.शून्य

निविदा सं. टी-202324-जीएस-013

समान प्रकृति का कार्य(50 लाख रुपये की लागत से अधिक)-डी-1 टोही सर्वेक्षण या रिकन्नेनसेन्स सर्वे/प्रारंभिक सर्वे/ रेलवे के अंतिम स्थान का सर्वे/राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं/राज्य राजमार्ग परियोजनाएं/सिंचाई परियोजनाएं।

उपरोक्त निविदा 07/11/2023 के 15.00 बजे बंद होगी।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/ नांदेड

A1598

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने तालाब का दौरा किया

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि शहर भर के तालाबों के सौंदर्यीकरण का काम विभिन्न विभागों के समन्वय से किया जा रहा है। कमिश्नर ने मंगलवार को एलबी नगर जोन कैपरा सर्किल स्थित कैपरा तालाब का दौरा किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने जीएचएमसी, सिंचाई, झील, नगर नियोजन, यूबीडी और स्वच्छता विभागों को तालाबों के विकास और संरक्षण के लिए संयुक्त उपाय करने का आदेश दिया।

स्थानीय लोगों के अनुरोध पर कैपरा तालाब के विकास, अवैध मछली पकड़ने, शराब की खपत जैसी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए तालाबों पर 24 घंटे सुरक्षा और झील संरक्षण समूहों को नियुक्त किया गया है। तालाबों के सौंदर्यीकरण के हिस्से के रूप में, शहरी जैव विविधता के माध्यम से पैदल ट्रैक बाड़ लगाने और वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है। सीसी कैमरे और पुलिस गश्त कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि स्ट्रैटेजिक नाला डेवलपमेंट प्रोग्राम के कार्यों को तालाबों से जोड़ा जा रहा है. उन्होंने कहा कि कैप्रा तालाब को चार खंडों में बांटकर तेजी से पूरा किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि तालाब में स्वच्छता के माध्यम से सफाई करायी गयी. सीएंडडी वेस्ट मटेरियल को पूरी तरह से साफ किया जा रहा है।जोनल कमिश्नर पंकजा, डीसी मुकुंद, सिंचाई ईए नारायण, सीई लेक्स सुरेश, टाउन प्लानिंग सिटी प्लानर प्रसाद शामिल हुए।

कांग्रेस पार्टी के वादों पर विश्वास नहीं कर रहे हैं लोग : सत्यवती

महबूबाबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जनजातीय कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि लोग कांग्रेस पार्टी के वादों पर विश्वास करने की स्थिति में नहीं हैं और पूरे तेलंगाना के लोग के चंद्रशेखर राव को लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाए रखना चाहते हैं। मंगलवार को यहां बीआरएस पार्टी की बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में रोजगार के अवसर बढ़े हैं और बुनियादी सुविधाओं में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है और सबसे युवा राज्य भारत के अन्य राज्यों के लिए विकास के मामले में एक आदर्श बन गया है। मंत्री ने विश्वास जताया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों को आगामी विधानसभा चुनावों में 2014 और 2018 के चुनावों की तरह ही नुकसान होगा और बीआरएस पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेगी।

मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण के लिए शिविर आयोजित

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला, बाल, विकलांग, बुजुर्ग और ट्रांसजेंडर कल्याण विभाग के तत्वावधान में आज सरूरनगर स्थित महिला अधिकारिता केंद्र कार्यालय में मतदाता पहचान पत्र और ट्रांसजेंडर प्रमाण पत्र के पंजीकरण के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक ट्रांसजेंडर लोगों ने भाग लिया और 91 पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरे किये गये। पंजीकरण चाहने वाले ट्रांसजेंडर लोगों की अधिक संख्या के कारण, जिला कल्याण अधिकारी सुश्री बी. पद्मजारमना ने शिविर को कल तक बढ़ाने का फैसला किया और ट्रांसजेंडर लोगों को अगले दिन इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। क्वीर बंडू पेरेंट्स एसोसिएशन की ओर से श्रीमती मुकुंदमाला ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के पंजीकरण के लिए नोटरी शपथ पत्र तैयार करने को प्रायोजित किया। जिला कल्याण अधिकारी ने उपस्थित ट्रांसजेंडरों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया। जिला ग्रामीण विकास विभाग कार्यालय ने ट्रांसजेंडरों के लिए मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की है।

कार्यक्रम में श्रीमती बी. पद्मजारमना, जिला कल्याण अधिकारी, श्रीमती विनीता देवी, सीडीपीओ, हयातनगर, श्रीमती मुकुंदमाला, क्वीर बंडू पेरेंट्स एसोसिएशन, विजया भास्कर जेला, कानूनी सलाहकार, श्रीमती मंजुला, सखी प्रभारी श्रीकांत, किरण, ट्रांसजेंडर हेल्पलाइन राज्य समन्वयक, सुश्री आरती और वासवी ट्रांसजेंडर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपना समर्थन दिया। कविता, केजिया, श्रावंती, राजेश्वरी और अन्य डीडब्ल्यूओ कर्मचारियों ने भाग लिया।

दो अंतरराज्यीय गांजा तस्कर अंदर

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसओटी, एलबी नगर जोन की टीम ने उप्पल पुलिस, रचाकोंडा के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर दो ड्रग तस्करों को पकड़ा है। इनके पास से पुलिस टीम ने 80 किलो गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कुंचला श्रीनू निवासी आंध्र प्रदेश, कल्ला रामू निवासी आंध्र प्रदेश शामिल हैं। जबकि एक आरोपी धनराज निवासी सिलेरु, ए.पी. फरार है। आरोपी कुंचला श्रीनु आंध्र प्रदेश राज्य के तमन्गुटुर (वी) और (एम) प्रकाशम जिले का मूल निवासी है, लगभग 20 साल पहले वह अपने मूल स्थान से हैदराबाद चला गया था और अपने परिवार के साथ नागोले के बंदलागुडा में रहता था। पिछले 20 साल से वह राजमिस्त्री का काम कर रहा है। इससे पहले वह सांगा रेड्डी, राजमंद्री, पिलेरू, हयातनगर, नरसीपट्टनम की सीमा में गांजा के (05) मामलों में शामिल था और जेल गया था। जेल से छूटने के बाद भी उसने अपना रास्ता नहीं बदला और फिर से नशीली दवाओं की तस्करी जारी रखने का फैसला किया। वह कैला रामू के संपर्क में आया। ड्राइवर, निवासी सोमलिंगपालेम, येनमांची, आंध्र प्रदेश राज्य के अनाकापल्ली, जो लगभग 6 महीने पहले उससे परिचित हुआ और उसने उससे कहा कि यदि वह गांजा के परिवहन के लिए वित्तीय सहायता और अपना बोलेरो वाहन प्रदान करता है तो वह उसे कमीशन देगा। तद्नुसार, आरोपी कैला रामू ने उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और दोनों ने एपी के सिलेरू से महाराष्ट्र राज्य तक गांजा का अवैध परिवहन शुरू कर दिया। अपनी योजना के अनुसार वे विशाखापत्तनम के सिलेरू गए और धनराज नाम के व्यक्ति से मिले और 80 किलोग्राम गांजा लेकर आ रहे थे। इसी बीच पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बीआरएस लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेगी : पुव्वाड़ा

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार ने कहा कि बीआरएस पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेगी और के चंद्रशेखर राव के पहले हैट्रिक मुख्यमंत्री बनने के साथ एक इतिहास रचेगी। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि जिले के लोगों को इस बार सोचना चाहिए और वोट करना चाहिए, क्योंकि बीआरएस सरकार के दौरान आदिवासी खम्मम जिले में कई कल्याणकारी योजनाएं और विकास निधियां लाई गई हैं और पोडु भूमि पट्टे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान खम्मम जिले में अभूतपूर्व विकास हुआ है और विश्वास जताया कि बीआरएस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में खम्मम जिले के सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी। पुव्वाड़ा अजय कुमार ने टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों की भी निंदा की, जिन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी ने कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र की नकल की है और कांग्रेस नेता से पूछा कि किस पार्टी ने रैतु बंडू योजना तैयार की है। खम्मम के सांसद नामा नागेश्वर राव ने लोगों से कांग्रेस पार्टी के झूठे वादों पर विश्वास नहीं करने को कहा क्योंकि पार्टी आजादी के बाद से तेलंगाना क्षेत्र के पिछड़ेपन के लिए जिम्मेदार है। सांसद रविचंद्र, एमएलसी टाटा मधु समेत अन्य नेता मौजूद थे।

इटेला को मुख्यमंत्री की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं : गंगुला

करीमनगर, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री ने लोगों को सलाह दी कि वे कांग्रेस और भाजपा को वोट देकर अपना वोट बर्बाद न करें, जो सत्ता में नहीं आएंगे। उन्हें सत्ता में आने वाली राजनीतिक पार्टी को अपना वोट देने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि बीआरएस ही एकमात्र विकल्प है क्योंकि पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के खिलाफ भाजपा नेता और हुजूराबाद विधायक इटेला राजेंदर की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मंत्री ने कहा कि विधायक को मुख्यमंत्री की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है।

जब राजेंद्र के इस आरोप के बारे में पूछा गया कि बीआरएस नेताओं ने 2018 के चुनावों में उन्हें हराने की कोशिश की थी, तो कमलाकर ने कहा कि भाजपा नेता ने केवल चंद्रशेखर राव की तस्वीर पर चुनाव जीते थे। राजेंद्र को भी मंत्री पद दिया गया। हालांकि राजेंद्र ने 2021 के उपचुनावों में जीत हासिल की, लेकिन वह कांग्रेस की मदद से चुने गए, उन्होंने कहा, उन्होंने राजेंद्र को आने वाले चुनावों में भारी बहुमत से सीट जीतकर अपनी ताकत साबित करने की चुनौती दी।

नागारम स्थित देवड़ा परिवार द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर श्री आईमाता के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए वोराराम सीरवी, सांवलराम देवासी। अवसर पर भजनों व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए वोराराम, भंवरलाल, फुआराम, देवेन्द्र, कमलेश देवड़ा, गणेशराम सैंणचा, आलोक सोलंकी, ओमप्रकाश, सोहनलाल, देवाराम सीरवी, व अन्य।

सुप्रीम कोर्ट ने संसदीय सर्वोच्चता बरकरार रखी : औवेसी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संसदीय सर्वोच्चता के सिद्धांत को बरकरार रखा है। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह तय करना अदालतों पर निर्भर नहीं है कि कौन किस कानून के तहत शादी करता है। हैदराबाद के सांसद ने एक बयान में कहा कि मेरा विश्वास और मेरी अंतरात्मा कहती है कि शादी केवल एक पुरुष और एक महिला के बीच होती है। यह 377 के मामले की तरह गैर-अपराधीकरण का सवाल नहीं है, यह विवाह की मान्यता के बारे में है। यह सही है कि राज्य इसे किसी और हर किसी तक विस्तारित नहीं कर सकता है। हालाँकि, ओवैसी पीठ की उस टिप्पणी से चिंतित हैं कि ट्रांसजेंडर लोग विशेष विवाह अधिनियम और व्यक्तिगत कानूनों के तहत शादी कर सकते हैं। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि जहां तक इस्लाम का सवाल है तो यह सही व्याख्या नहीं है क्योंकि इस्लाम दो जैविक पुरुषों या दो जैविक महिलाओं के बीच विवाह को मान्यता नहीं देता है। वह न्यायमूर्ति भट से सहमत हैं कि विशेष विवाह अधिनियम की लिंग-तटस्थ व्याख्या कभी-कभी न्यायसंगत नहीं हो सकती है और इसके परिणामस्वरूप महिलाओं को अनपेक्षित तरीके से कमजोरियों का सामना करना पड़ सकता है।

चेर्लापल्ली चकरीपुरम स्थित श्री गार्डन मे प्रवासी मित्र मंडल भक्तों द्वारा चार धाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ) की यात्रा पूर्णकर नगर पधारने पर पुष्प-माला व राजस्थानी साफे से सम्मान करते हुए प्रवासी समाज बन्धु।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

कन्हैया
माता : स्वरूपा
पिता : मल्लिकार्जुन

सिंघम स्वेता
माता : एस. पद्मावती
पिता : एस. सत्यनारायण

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 18 अक्टूबर - 2023

क्या भाजपा ने रमनसिंह को कमान देने का मन बना लिया है ?

अशोक भाटिया

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता रमन सिंह ने अगले महीने होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को राजनांदगांव में नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है । सिंह के अलावा तीन अन्य भाजपा उम्मीदवारों ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इन चार उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। नामांकन भरने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आगामी चुनाव में भाजपा जीतेगी। उन्होंने कहा कि आज मैंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। हम भाग्यशाली हैं कि अमित शाह हमें आशीर्वाद देने आए। भाजपा इन चुनावों में जीतने जा रही है... लोग उत्साहित हैं। भाजपा ने तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह को उनकी पारंपरिक राजनांदगांव सीट से मैदान में उतारा है। छह बार विधायक रहे सिंह ने 2008, 2013 और 2018 में तीन बार राजनांदगांव सीट से जीत हासिल की। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि आखिर राज्य में भाजपा का चेहरा कौन रहेगा? पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य में 15 सालों तक भाजपा को सत्ता में रखा है। ऐसे में कहीं ना कहीं उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि, जिस तरीके से उनको दरकिनार करने की खबरें चल रही थी, उस पर फिलहाल ब्रेक लगता दिखाई दे रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लगातार भाजपा के बड़े नेताओं की ओर से उनकी खूब तारीफ की जा रही है। इससे साफ तौर पर यह जाहिर होता दिखाई दे रहा है कि कहीं ना कहीं भाजपा छत्तीसगढ़ में रमन सिंह को लेकर एक बार फिर से दांव लगाने की तैयारी में है। पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के दौरे पर आए थे, तब उन्होंने रमन सिंह की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि छत्तीसगढ़ में जब तक रमन सिंह की सरकार (2003 से 2018) थी, तब यहां भी हम तेजी से गरीबों के घर बना रहे थे। हालांकि जैसे ही यहां कांग्रेस की सरकार बनी तो वह उसमें घोटाले तलाशने लगे। वही आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रमन सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ को एक बीमारू राज्य से बाहर निकाला । वह बार-बार रमन सिंह का नाम ले रहे थे। कहीं भी ऐसा नहीं लग रहा कि भाजपा नेताओं की ओर से रमन सिंह के नाम से परहेज किया जा रहा है। यदि पूर्व मुख्यमंत्री रमनसिंह के 15 साल के शासन के बारे में आंकलन करें तो 2000 में अपने गठन के समय, छत्तीसगढ़ का भारत के कुल उत्पादन में केवल 1.4% हिस्सा था और यह कई विकास संकेतकों पर अधिकांश राज्यों से पीछे था हालाँकि, पहले तीन साल के कांग्रेस शासन और फिर 15 साल के रमन सिंह के नेतृत्व वाले भाजपा शासन में राज्य की अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ी है। 2000-01 और 2014-15 के बीच (2004-05 श्रृंखला के डेटा का उपयोग करके) छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था लगभग 8% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी और भारतीय उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर 1.8% हो गई। औद्योगिक विकास और बढ़े हुए निवेश से प्रेरित यह वृद्धि, विकास में सुधार के साथ हुई है। इसे देखने और राज्य सरकार के रिकॉर्ड का मोटे तौर पर आकलन करने का एक तरीका विभिन्न सरकारों के तहत पड़ोसी राज्यों के पड़ोसी जिलों के साथ प्रदर्शन की तुलना करना है। यह विश्लेषण विशेष रूप से भूमि से घिरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रासंगिक है जो छह राज्यों के 25 जिलों से घिरा हुआ है - जिनमें से कई की विशेषताएं समान हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के नवीनतम दौर के आंकड़ों का उपयोग करते हुए, यदि देखा जाय तो छत्तीसगढ़ और इसके आसपास के जिलों में महत्वपूर्ण विकास संकेतकों पर जिले के प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है और पाया जाता है कि पोषण संकेतकों के मामले में 2006 और 2016 के बीच छत्तीसगढ़ के जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुआ और उन्होंने अपने उत्तर के पड़ोसियों से बेहतर प्रदर्शन किया। एक संभावित व्याख्या राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) है। पहली कांग्रेस सरकार और उसके बाद की भाजपा सरकार दोनों ने सुधार लागू किए जिससे राज्य की पीडीएस कवरेज और पहुंच बढ़ गई। 2014 के एक अध्ययन में, प्रसाद कृष्णमूर्ति और अन्य ने दिखाया कि कैसे छत्तीसगढ़ के पीडीएस के माध्यम से अधिक सब्सिडी वाले चावल की पहुंच ने परिवारों को सीमावर्ती जिलों की तुलना में अधिक पौष्टिक भोजन का उपभोग करने की अनुमति दी जा सकती है । एक और सापेक्ष सफलता बिजली का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ बिजली के शुद्ध अधिशेष प्रदाता के रूप में उभरा है जिसके परिणामस्वरूप पूरे राज्य में लगभग सार्वभौमिक बिजली पहुंच हुई है और इसके कई पड़ोसी जिलों में सुधार हुआ है। फिर भी इन सापेक्ष सफलताओं के बावजूद छत्तीसगढ़ भारत से पिछड़ा हुआ है। विकास के समग्र उपाय छत्तीसगढ़ की गरीबी की सीमा को उजागर करते हैं। हाल ही में प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक में, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर सहित गरीबी के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया है कि छत्तीसगढ़ की 36% आबादी बहुआयामी गरीबी में रहती है जो भारत में पांचवीं सबसे अधिक है।छत्तीसगढ़ में काफी असमानताएं हैं। दक्षिण (जैसे बस्तर) और उत्तर (जैसे सरगुजा) के जिलों की स्थिति रायपुर के आसपास के अधिक समृद्ध मध्य क्षेत्रों की तुलना में खराब है। नीति आयोग ने छत्तीसगढ़ के 10 जिलों को 101 आकांक्षी जिलों की सूची में शामिल किया है - यह तत्काल विकास के लिए निर्धारित जिलों की सूची है। छत्तीसगढ़ के लगातार अविकसित रहने का एक कारण यह है कि विकास का आधार व्यापक नहीं रहा है। औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि और छत्तीसगढ़ में निवेश परियोजनाओं की संख्या और आकार में लगातार वृद्धि से अधिक नौकरियां या उच्च वेतन नहीं मिला है जो स्थिर बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ में भारत की कामकाजी आबादी का 2.5% हिस्सा है, लेकिन 2016 में भारत में कारखाने की नौकरियों में इसका हिस्सा 1.2% था। औद्योगिक रोज़गार की कमी का मतलब यह भी है कि अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर बनी हुई है। पिछली जनगणना के अनुसार, राज्य के लगभग 75% श्रमिक अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। चावल प्रमुख फसल है लेकिन पैदावार भारतीय औसत से 16% कम है। इससे पता चलता है कि कृषि आय कमजोर क्यों बनी हुई है।

ओलंपिक में भी क्रिकेट

क्रिकेट और फुटबाल दो ऐसे खेल हैं, जिनके प्रति दुनिया भर में गजब की दीवानगी देखी जाती है। फुटबाल की लोकप्रियता को देखते हुए इसे पहले से ही ओलंपिक में शामिल कर लिया गया था। ऐसे में ओलंपिक में सिर्फ क्रिकेट ही बचा था जिसको शामिल करने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। ये दोनों खेल अब केवल मनोरंजन का साधन और खिलाड़ियों के कौशल की परख के माध्यम नहीं, बल्कि कमाई का भी बड़ा साधन बन गए हैं। इसलिए क्रिकेट का ओलंपिक में शामिल किया जाना स्वाभाविक ही था। क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में शामिल करने की घोषणा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने मतदान के बाद की गई। दो को छोड़ कर सभी देशों ने इसके पक्ष में मतदान किया। इस फैसले से क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह देखते ही बनता है। आखिर कौन नहीं जानता कि क्रिकेट का खेल दुनिया भर में लोकप्रिय हो चुका है। इसलिए इसके ओलंपिक में शामिल न रहने को लेकर लंबे समय से निराशा जताई जा रही थी। विश्वकप का आयोजन तो होता है। इसके बावजूद ओलंपिक की अपनी गरिमा है, इसलिए खेल प्रेमी और खुद क्रिकेट खेलने वाले भी ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में इसे शामिल करने के हिमायती थे। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब क्रिकेट को ओलंपिक खेलों में शुमार किया गया है। इसके पहले सन 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था, जिसमें इंगलैंड ने फ्रांस को हराया था। अब 2028 में लास एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक में फिर से क्रिकेट के बल्ले से रनों की बौछार होगी। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति इसका स्वरूप तय करेगी, पर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि इसमें केवल छह महिला और छह पुरुष टीमें ही हिस्सा लेंगी। बताया जा रहा है कि ओलंपिक प्रतिस्पर्धा में क्रिकेट को शामिल न करने को लेकर सबसे बड़ी अड़चन इसे खेले जाने की अवधि के मद्देनजर रही है। ओलंपिक में खेले जाने वाले सभी खेल थोडे समय के होते हैं, जबकि क्रिकेट में पूरा दिन लग जाता है। अगर कभी मौसम खराब हो गया तो खेल को टालना भी पड़ता है। बता दें कि ओलंपिक खेलों का मकसद पुराने, स्थानीय और पारंपरिक खेलों को संरक्षण प्रदान करना, उनमें नए खिलाड़ियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करना रहा है। इसलिए व्यावसायिक लोकप्रिय खेलों को उसमें शामिल करने से परहेज किया जाता रहा है। शायद इसीलिए क्रिकेट को इसमें शामिल करने को लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखाई गई। मगर ओलंपिक के छोटे स्वरूप वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में क्रिकेट को शामिल कर लिया गया, तो स्वाभाविक रूप से ओलंपिक समिति पर इसके लिए दबाव बना। फिर जब ओलंपिक संघ ने इंटरनेट माध्यमों पर खेले जाने वाले बिल्कुल नए तरह के खेलों की प्रतिस्पर्धा को भी मान्यता दे दी है, तो क्रिकेट जैसे खेल को नजरंदाज करने का कोई औचित्य नहीं रह जाता था। क्रिकेट के साथ चार अन्य नए खेलों को भी ओलंपिक प्रतिस्पर्धाओं में शामिल होने की मान्यता दी गई है। क्रिकेट और फुटबाल दो ऐसे खेल हैं, जिनके प्रति दुनिया भर में दीवानगी देखी जाती है। ये दोनों खेल अब केवल मनोरंजन का साधन और खिलाड़ियों के कौशल की परख के माध्यम नहीं, बल्कि कमाई का बड़ा साधन भी बनते गए हैं। जितने प्रायोजक इन खेलों को मिलते हैं, उतने किसी खेल को नहीं मिलते। इस तरह इनकी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन करने वाली समितियां धनी खेल समितियों में शुमार हैं। ओलंपिक में शामिल होने से वहां भी इनके प्रायोजकों की संख्या बढ़ेगी। मगर अब भी यह प्रश्न अपनी जगह बना हुआ है कि क्रिकेट मैच को किस तरह व्यवस्थित किया जाएगा, जिससे ओलंपिक का अधिक समय खर्च न हो। मगर अब जिस तरह क्रिकेट में बीस ओवर की प्रतिस्पर्धा भी लोकप्रिय होती गई है, इसके समय को व्यवस्थित करना कठिन नहीं होगा।

भाजपा की सूची से वसुंधरा समर्थकों में नाराजगी

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 41 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इस सूची में शामिल 41 सीटों में से 40 सीटों पर भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में हार गई थी। एकमात्र विद्याधर नगर की सीट पर पूर्व मंत्री नरपत सिंह राजवी चुनाव जीते थे मगर उनका भी टिकट काट दिया गया है। विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी, झोटवाड़ा से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, मांडल से पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, नगर से पूर्व विधायक अनिता सिंह, बांदीकुई से पूर्व विधायक अलका सिंह गुर्जर, सुजानगढ़ से पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, वैर से पूर्व विधायक रामस्वरूप कोली का टिकट कटने से वसुंधरा खेमे में नाराजगी व्याप्त हो रही है। टिकट कटने वाले सभी नेता पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं। हालांकि भाजपा आलाकमान का कहना है कि हमने जो 41 सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की घोषणा की है उनमें से 40 प्रत्याशी पिछले चुनाव में हार चुके थे। इनमें भी 11 सीट दातारामगढ़, कोटपूतली, झुंझुनू, सांचैर, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, नवलगढ़, लालसोट, सपोटरा, बागीदौरा और बस्सी ऐसी विधानसभा सीट हैं जहां भाजपा पिछले तीन चुनाव से लगातार हार रही है। इन 41 सीटों में 2018 में भाजपा ने सिर्फ एक सीट ही जीती थी। वहीं 2013 में 25 सीट व 2008 में 5 सीटो पर ही जीत पाई थी। अपने हार के आंकड़ों को सुधारने के लिए ही भाजपा ने इस बार इन 41 सीटों पर बड़ा फेरबदल किया है। इन 41 सीटों में से 29 सीटों पर इस बार भाजपा ने नए उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा है। इनमें से 6 प्रत्याशी तो ऐसे हैं जो पिछले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय या अन्य दलों से चुनाव लड़े थे। इनमें से कई ऐसे प्रत्याशी भी है जो पिछले चुनाव में तीसरे नंबर पर आए थे। लेकिन फिर भी उनको पार्टी टिकट दे दी गई है। अभी तक भाजपा द्वारा घोषित किए गए 41 प्रत्याशियों में 6 लोकसभा के मौजूदा सांसदो को टिकट दिया गया है। जिसमें जयपुर ग्रामीण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन राठौर को झोटवाड़ा से कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया के सामने, अलवर सांसद बाबा बालकनाथ को तिजारा में राज्य खाद्य निगम के अध्यक्ष विधायक संदीप यादव के सामने, जालौर सांसद देवजी पटेल को सांचैर से मंत्री सुखराम बिश्नोई के सामने, अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ से निर्दलीय विधायक सुरेश टांक के सामने, झुंझुनू सांसद नरेंद्र कुमार को मंडावा से कांग्रेस विधायक रीटा चौधरी के सामने, राजसमंद सांसद दिया कुमारी को विद्याधर नगर से भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा को सवाई माधोपुर से कांग्रेस के विधायक दानिश अबरार के सामने, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व सांसद बहादुर सिंह कोली को वैर से कैबिनेट मंत्री भजनलाल जाटव के सामने उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा का मानना है कि अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के सामने सांसदों को प्रत्याशी बनाने से चुनाव में कांटे की टक्कर हो जाएगी। ऐसे में सरकार के मंत्री दूसरी सीटों पर प्रचार करने के लिए नहीं निकाल पाएंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा के सामने भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री व सीकर से तीन बार सांसद रहे सुभाष महरिया को प्रत्याशी बनाया है। सुभाष महरिया 2013 के विधानसभा चुनाव में गोविंद सिंह डोटासरा से पराजित हो चुके हैं। भाजपा ने जिन 41 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा की है उनमें से अधिकांश सीटों पर टिकट की दावेदारी जता रहे प्रत्याशियों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। कई सीटों पर तो पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे नेताओं ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा भी करदी है। जिससे भाजपा की स्थिति खराब हो रही है। भाजपा ने झुंझुनू सीट पर पिछली बार चुनाव लड़े राजेंद्र भाम्भू के स्थान पर पिछली बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े निषित उर्फ बबलू चौधरी को टिकट दिया है जिससे नाराज होकर राजेंद्र भाम्भू ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। मंडावा में सांसद नरेंद्र कुमार को टिकट देने से 2019 के विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी रही सुशीला सीगड़ा, पूर्व प्रधान गिरधारी खिचड़ ने भी बगावती राग अलापना शुरू कर दिया हैं। जयपुर के झोटवाड़ा सीट पर तो पूर्व मंत्री राजपाल सिंह का टिकट कटने के बाद उनके समर्थको ने सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को काले झंडे दिखाकर विरोध जता रहे हैं। कोटपूतली से टिकट कटने पर पिछली बार भाजपा के प्रत्याशी रहे मुकेश गोयल ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। भरतपुर जिले की नगर सीट से दो बार विधायक रही अनीता गुर्जर ने अपना टिकट काटने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात कही है। देवली-उनियारा सीट पर गुर्जर नेता रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैसला को टिकट देने पर पिछली बार भाजपा प्रत्याशी रहे राजेंद्र गुर्जर काफी नाराज है तथा खुलकर अपनी नाराजगी प्रकट करते हुए विजय बैसला को बाहरी प्रत्याशी बताकर उनका विरोध कर रहे हैं। सांचैर से सांसद देवजी पटेल को टिकट मिलने पर 2018 में चुनाव लड़े दानाराम चौधरी के समर्थक तो देवजी पटेल के साथ मारपीट तक कर चुके हैं। 2022 में सहाड़ा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने रतनलाल जाट को टिकट दिया था मगर इस बार लादूलाल पितलिया को प्रत्याशी बनाया है। उपचुनाव में पीतलिया ने निर्दलिय फॉर्म भरा था मगर बाद में समझाने पर चुनाव मैदान से हट गए थे। हालांकि भाजपा ने उदयपुरवाटी से अपने पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी को टिकट देकर महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हुए बर्खास्त मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के लिए सीट नहीं छोड़कर शिंदे गुट को उनकी हैसियत दिखा दी है। लाल डायरी प्रकरण से चर्चित हुए राजेंद्र सिंह गुढ़ा पिछले दिनों ही अपने गांव में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लाकर यह प्रयास कर रहे थे कि भाजपा उनके लिए खाली छोड़ दे मगर भाजपा ने ऐसा नहीं किया।हालांकि कांग्रेस ने अभी तक राजस्थान में अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है जबकि भाजपा ने 41 सीटों पर नाम की घोषणा कर दी है मगर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करने के बाद भाजपा में जिस तरह की आपसी खींचतान व विरोध हो रहा है उसके चलते पार्टी बैक फुट पर आ गई है। इसी कारण पार्टी ने अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा रोक दी है। भाजपा में घोषित उम्मीदवारों के खिलाफ उठे विद्रोह से भाजपा के बड़े नेता डर गए लगते हैं।

इतिहास से ज्ञान, वर्तमान के श्रम से भविष्य के निर्माण का लें संकल्प

संजीव ठाकुर

वर्तमान का कठोर श्रम सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होता है। इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि ₹आशाओं पर आकाश टिका हुआ है₹ और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है।

सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव चौकन्ना रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विकट परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं और ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

बेटी ही लक्ष्मी, आता है धन वैभव यश

पंकज गांधी

दिवाली आने वाली है, पूरे भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में यह त्यौहार जोर शोर से मनाया जाने वाला है, ऐसे में आइये चर्चा करते हैं कि बेटियां कैसे हमारे घर घर में साक्षात लक्ष्मी के रूप में विराजमान हैं. आज भी भारत समाज में बेटियां पैदा होती हैं तो यही कहा जाता है कि साक्षात लक्ष्मी आई हैं, उसके पीछे यही कारण है कि बेटी घर की धुरी होती है, और उसे ही माध्यम और निमित्त मान भारतीय समाज में माता पिता कई काम करते हैं. क्वांटम फिजिक्स का जो मेरा दर्शन कहता है कि तरंग एवं वातावरण कई बार कायनात को निर्देशित करता है और आपके आस पास उससे संबंधित इकोसिस्टम का कई बार निर्माण हो जाता है. आप ने महसूस किया होगा कि घर में बेटियों की मौजूदगी मात्र से ही घर का वातावरण व्यवस्थित और बदला रहता है. परिवार की वह धुरी रहती हैं. उनकी मौजूदगी ऐसा तरंग पैदा करती है कि कायनात भी उस घर में आय बढ़ाने के इकोसिस्टम पर काम करने लगता है. बेटियों को लक्ष्मी मानने का सिर्फ उपरोक्त धार्मिक कारण ही नहीं है इसके पीछे तर्क भी है. बेटियों की उपस्थिति उत्प्रेरणा का काम करती है. जब वह बेटी बनकर रहती है तो घर और उसमे रहने वाले लोगो की केयर सबसे अधिक वही करती है. अपने पिता और भाई का पूरा ख्याल तो रखती ही है, घर के कामों में बिना कहे खुद जिम्मेदारी ले लेती है. बेटी का लगाव दिमाग पर एक पॉजिटिव असर डालता हैं और आप सकारात्मक रहते हैं. ये सभी चीजें घर में काम करने वाले लोगों को ज्यादा फोकस रहने और मेहनत करने में सहायता प्रदान करती हैं. इससे वो और भी मन लगाकर काम करते हैं और उनकी तरक्की होती है जिससे घर में धन (लक्ष्मी) की वृद्धि होती. इसके अलावा बेटी की शादी के लिए माता बचत और पिता ज्यादा पैसा कमाने की कोशिश करता हैं और यह वजह भी धन वृद्धि के उत्प्रेरणा के रूप में काम करती है. बेटियाँ माता पिता और ससुराल दो कुलों को रोशन करती है। बहू के रूप में भी बेटी के आने के बाद वह परिवार और ज्यादा तरक्की करने की सोचता है. घर पहले से ज्यादा औपचारिक और व्यवस्थित होना शुरू होता है. नई नई रिश्तेदारियों का जन्म होता है जिससे पुरुष को मानसिक बल मिलता है, समाज में सम्पर्क का विस्तार होता है. आज एक बेटी वह सब कुछ कर सकती है जो हमारी उम्मीदों से भी बहुत अधिक हो सकता है. आज हर क्षेत्र में बेटियां सफलता के झंडे गाड़ रही है. यहां तक कि अब भारतीय सेना में भी बेटियां बड़े पोस्ट पर आ रही हैं। सिविल सेवा परीक्षा में भी बेटियों ने भारी सफलता अर्जित की है. हर साल हर राज्य बोर्ड 10वीं और 12वीं परीक्षा में लगभग बेटियां ही अव्वल दर्जे में आती है जो गौर करने वाली बात है। और एक बात जो मैं कहता रहा हूं कि विश्व की सर्वोत्तम प्रबन्धक भारतीय बेटियां होती है। उनके घर चलाने के सारे क्रिया कलापों में प्रबंध के सारे गुण छिपे होते हैं जिस पर देश के प्रतिष्ठित प्रबंध कॉलेजों में शोध हो ना चाहिये और बहस होने चाहिये और इस सिद्धान्त और इसके प्रयोग को दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करने चाहिये। यहां यह सवाल हो सकता है कि भारतीय बेटियां ही क्यूं? तो इसका जबाब यही है कि अपने जीवन काल में भारतीय महिलाओं की संख्या ज्यादा है जो जीवन को संतुलित जीती जाती हैं और गृह प्रबंधन में सिद्धहस्त रहती हैं ।

जिनके सुरों का दर्द रूह में समा जाए

इन दिनों एक पंजाबी गायिका की 50 साल पुरानी गायकी गैर-पंजाबियों को भी मुग्ध कर रही है। सोशल मीडिया पर हजारों रीलें बन रही हैं, गीत सरहद के दोनों तरफ वायरल हुआ है। गीत का मुखड़ा है- मैं तैनूं याद आवांगा। उसी ओरिजिनल आवाज को रखते हुए, केवल संगीत बदलने से नई पीढ़ी तक जो जादू पहुंचा है, उसे क्या ही कहा जाए। खैर, इस गीत की ओरिजिनल गायिका हैं- सुरिंदर कौर। शायद आसासिंह मस्ताना ने इस गीत को लिखा है। इसके शुरुआत के बिंब देखिए, 'कटोरे दुध दे वांगूं, सुहानी रात वेखेंगी। जदों तूं चन्न वेखेंगी, ते तेरी अक्ख रोवेगी।' यानी जब दूध से भरे कटोरे जैसी सुहानी रात देखोगी, जब तुम चांद देखोगी, तुम्हारी आंख रोएगी। हालांकि यह गीत आसा सिंह मस्ताना के साथ डुएट है, लेकिन सुरिंदर कौर वाला हिस्सा अपनी दर्दीली आवाज से सिर चढ़कर बोल रहा है, 'जदों कोई बाग वेखेगा, खिड़े होए फुल्ल वेखेंगा। मैं हस्दी नजर आवांगी, तू मेरे बुल्ल वेखेंगा।' यानी जब कोई बाग देखोगे, खिले हुए फूल देखोगे। मैं हंसती नजर आऊंगी, तुम मेरे होठ देखोगे। खास बात यह है कि सुरिंदर कौर को पचास साल बाद जो प्यार मिल रहा है, वह उस प्यार से कम नहीं है जो उन्हें उस वक़्त मिला होगा। लेकिन यह नया प्यार किसी कलाकार का समय से परे चले जाना है। जिस भी जहान में हों, श्रोताओं और दर्शकों का यह प्यार उन तक पहुंचकर उनकी आंखें भिगो रहा होगा। सुरिंदर कौर का अपना संघर्ष था। यकीनन वह बहुत मुश्किल रहा होगा, तभी उन्होंने बेटी डोली गुलेरिया को संगीत की दुनिया में आने से रोक दिया था। फिरोजपुर वाली मिस नवाब और दुक्की माशण सतलुज दरिया के किनारे की मशहूर गायिकाएं हुई हैं। क्लासिक गायकी में माहिर मिस नवाब लाहौर जाकर तवायफ बन गईं जबकि दुक्की दोहे गाती थीं। उनकी आवाज में दर्द और कसक थी। दोनों के पत्थर के रेकॉर्ड अब भी पंजाब में किसी न किसी के पास मिल जाते हैं। लोग कहते हैं कि छोटे कद की, सांवली दुक्की जब अपनी एड़ियां ऊंची करके, एक कान पर हाथ रखकर दूसरा हाथ आसमान की ओर उठाकर ऊंचे सुर में गाती थीं, दर्द का दरिया बहने लगता था। दुक्की का असली नाम निशा या उम्दा माशण था। अपने गांव सोभाजके में पीर मुहम्मदशाह की दरगाह पर उस्ताद खुशीराम से कुछ गाना-बजाना, नाचना सीखा था। पहले माता-पिता चल बसे, फिर चाचा के बेटे से विवाह हुआ तो कुछ महीनों बाद पति का भी निधन हो गया। दर्द का मर्सिया ही उनका जीवनराग बन गया। भीतर का दर्द गायकी का सौंदर्य। वाजिब ही था कि उन्हें दर्द की रानी कहा गया। लाहौर की हीरा मंडी के नवाब ने उन्हें अखाड़े के लिए बुलाया था, गईं तो नवाब की नीयत बिगड़ गई, कैद कर लिया। गांव के ईश्वर सिंह और गुरिया सिंह को एक फकीर के हाथ से संदेसा भेजा, 'आपकी बहन-बेटी हूं, छुड़ाकर ले जाओ...'। दोनों जोगी के भेष में छुड़वाने गए, नवाब के सामने चतुराई से पेश आए, छुड़ा लाए। नवाब ने पीछा करवाया तब तक अपने गांव के भले लोगों के साथ दरिया के इस पार आ गई थीं दुक्की। अखाड़े में सुनकर खुश होकर उसके कहने पर जलालाबाद के नवाब ने सड़क बनवा दी थी, एक गांव की जागीर दे दी थी।

ज्वाला देवी शक्तिपीठ

यहां न तो अकबर के चढ़ाए छत्र के मेटल का पता चला, न ही लगातार जल रही ज्योत का सोर्स

मां के दर पर होगी हर मनोकामना पूरी...

हिमाचल के कांगड़ा के देवी मंदिर में सदियों से लगातार नौ ज्योत जल रही हैं। इन ज्योतियों का सोर्स आज तक पता नहीं चला है। अकबर ने भी यहां की अखंड ज्योति को बुझाने की कोशिश की, लेकिन नहीं बुझा पाया तो उसके मन में श्रद्धा जागी। अकबर ने देवी को सोने का छत्र चढ़ाया, लेकिन वो किसी और धातु में बदल गया। छत्र किस धातु में बदला, ये आज तक पता नहीं चल पाया।

हम बात कर रहे हैं ज्वाला देवी शक्तिपीठ की..

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, यहां देवी सती की जीभ गिरी थी। बाद में कांगड़ा की पहाड़ी पर ज्योति रूप में देवी प्रकट हुईं। सबसे पहले मां के दर्शन यहां पशु चरा रहे ग्वालों ने किए थे। तब से आज तक ये ज्योति जल रही है।

यहां नवरात्रि की शुरुआत झंडा रस्म और कन्या पूजन से होती है। इन दिनों रोज सुबह 5 बजे कपाट खुलते हैं और मंगला आरती होती है। वहीं, रात को 10 बजे शयन आरती के बाद कपाट बंद होते हैं। नवरात्रि के छठे, सातवें और आठवें दिन मंदिर 24 घंटे खुला रहता है। नौवें दिन हवन और कन्या पूजन होता है।

नौ दिनों तक यहां दिन में पांच बार आरती होती हैं और इनमें अलग-अलग भोग लगते हैं। सुबह की पहली बड़ी आरती में मालपुए, दूसरी में पीले चावल और दोपहर में दाल-चावल चढ़ाते हैं। रात में होने वाली बड़ी आरती में देवी को मिश्री और दूध का भोग लगता है।

यहां 100 साल पहले तक थी पंचबलि की परंपरा

करीब 100 साल पहले तक ज्वाला देवी में पंचबलि की परंपरा थी। इनमें भेड़, भैंसे, बकरे, मछली और कबूतर की बलि दी जाती थी, लेकिन बाद में ये प्रथा बंद कर दी गई। अब इनकी जगह पीले चावल और उड़द की वड़ी का भोग लगाया जाता है।

अखंड ज्योत का सोर्स जानने के लिए कई बार हुई हैं रिसर्च

सदियों से जल रही अखंड ज्योत कौन सी गैस से जल रही हैं और इसका सोर्स क्या है, ये जानने के लिए जापान समेत कई देशों से मशीनें लाई गईं, लेकिन आज तक इसका सोर्स पता नहीं चला है। रिसर्च फेल होने के बाद वैज्ञानिक अपनी मशीनें यहीं छोड़ गए, जो आज भी यहां के जंगलों में पड़ी हैं।

रोज शाम 7 बजे मंदिर के द्वार एक घंटे के लिए बंद रहते हैं। 8 बजे द्वार खुलते हैं और साढ़े 9 बजे माता जी को शयन के लिए शयन कक्ष में ले जाया जाता है। अगले दिन सुबह करीब साढ़े 4 बजे जब माताजी को जगाया जाता है, तब शयन कक्ष के बिस्तर पर सिलवटें दिखाई देती हैं, जैसे इस बिस्तर पर कोई सोया था।

रोज शाम 7 बजे मंदिर के द्वार एक घंटे के लिए बंद रहते हैं। 8 बजे द्वार खुलते हैं और साढ़े 9 बजे माता जी को शयन के लिए शयन कक्ष में ले जाया जाता है। अगले दिन सुबह करीब साढ़े 4 बजे जब माताजी को जगाया जाता है, तब शयन कक्ष के बिस्तर पर सिलवटें दिखाई देती हैं, जैसे इस बिस्तर पर कोई सोया था।

1835 में राजा संसार चंद और महाराजा रणजीत सिंह ने करवाया था मंदिर निर्माण

सतयुग में माता ज्वाला जी के पहले मंदिर का निर्माण राजा भूमिचंद ने करवाया था। इसके बाद 1835 में कांगड़ा के तत्कालीन राजा संसार चंद और महाराजा रणजीत सिंह ने करवाया था।

ज्योतियों को छूने पर नहीं जलता है हाथ

मंदिर में जल रही ज्योतियों की एक खास बात ये है कि इन ज्योतियों को छूने पर हमारा हाथ नहीं जलता है। यहां आने वाले मां की ज्योतियों को छूते हैं और यहां माथा टेकते हैं।

अकबर के चढ़ाए हुए छत्र की धातु जानने के लिए भी हुई हैं रिसर्च

अकबर ने अखंड ज्वाला को जांचने की कोशिश की और उसे बुझाने के लिए नहर का पानी ज्योत की ओर छोड़ दिया। इसके बाद भी अखंड ज्योत जलती रही और पानी पर तैरने लगीं। ये चमत्कार देख अकबर के मन में देवी के लिए श्रद्धा जागी। श्रद्धा जागी तो अकबर नंगे पैर देवी मंदिर आया और सोने का एक छत्र चढ़ाया।

कहा जाता है कि अकबर ने सोने का छत्र चढ़ाया तो उसे इस बात का घमंड हो गया था, इसलिए देवी ने वो छत्र स्वीकार ही नहीं किया। चमत्कार से ये छत्र किसी और ही धातु में बदल गया। तब से अब तक छत्र की धातु जानने के लिए भी कई रिसर्च हुईं, लेकिन ये तय नहीं हो पाया कि छत्र में लगा सोना ही है या कोई और धातु।

आज भी ज्वालाजी मंदिर में वो गोरख टिब्बी मौजूद हैं, जहां सुलगता हुआ धूप दिखाने पर मां पानी पर दर्शन देती हैं।

यहां देवी की 9 अखंड ज्योतियां

ज्वाला देवी मंदिर के गर्भगृह में 9 अखंड ज्योतियां जल रही हैं, जिनके अलग-अलग नाम हैं।

पहली ज्वाला महाकाली की है। दूसरी ज्योति महामाया की है, जिन्हें अन्नपूर्णा भी कहते हैं। तीसरी ज्योति मां चंडी की, चौथी देवी हिंगलाज भवानी की और पांचवी ज्योति मां विंध्यवासिनी की है।

छठी ज्योति धन-धान्य की देवी महालक्ष्मी की है। सातवीं विद्या की देवी सरस्वती की है। आठवीं ज्योत देवी अंबिका की और नौंवी ज्योति मनोकामना पूरी करने वाली मां अंजनी की है।

पांडव भी आए थे माता के दरबार

कांगड़ा में माता का एक भजन पंजा पंजा पांडवां मैया तेरा भवन बनाया, अर्जुन चंवर झुलाया मेरी मांर बहुत प्रसिद्ध है। माना जाता है कि महाभारत के समय में अज्ञातवास के दौरान पांडव जब माता ज्वाला जी के दरबार में आए थे और उन्होंने माता के भवन का निर्माण किया था। इसके बाद राजा भूमिचन्द्र ने मंदिर का भवन बनवाया था।

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा

मां कूष्मांडा की आठ भुजाएं है. इनके सात हाथों में क्रमशः कमंडल, धनुष, बाण, कमल पुष्प,कलश, चक्र और गदा है. आठवें हाथ में सभी सिद्धियां और निधियों को देने वाली माला है.

मां कूष्मांडा पूजा मंत्र

सुरासम्पूर्ण कलशं रुधिराप्लुतमेव च।

दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्माण्डा शुभदास्तु मे॥

मां कूष्मांडा बीज मंत्र

ऐं ह्री देव्यै नमः

नवरात्रि में चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा का विधान है। मां कूष्मांडा को ब्रह्मांड की रचनाकार कहा गया है। ये नवदुर्गा का चौथा स्वरूप है। इनकी आठ भुजाएं है। इनके सात हाथों में क्रमशः कमंडल, धनुष, बाण, कमल पुष्प,कलश, चक्र और गदा है। आठवें हाथ में सभी सिद्धियां और निधियों को देने वाली माला है। देवी के हाथों में जो अमृत कलश है, वह अपने भक्तों को दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य का वर देती है। मां सिंह की सवारी करती हैं, जो धर्म का प्रतीक है। भागवत पुराण के अनुसार, माता कूष्मांडा का ये स्वरूप देवी पार्वती के विवाह के बाद से लेकर कार्तिकेय के जन्म के बीच का है। इस रूप में देवी संपूर्ण सृष्टि को धारण करने वाली है। मान्यता है कि संतान की इच्छा रखने वालों भक्तो को मां की उपासना करनी

चाहिए। ज्योतिष के जानकारों की मानें तो देवी के इस स्वरूप की उपासना से कुंडली के बुध से जुड़ी परेशानियां दूर हो सकती है। इनकी उपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक नष्ट हो जाते हैं।

मां कूष्मांडा की पूजन विधि

नवरात्र में हरे या संतरी रंग के कपड़े पहनकर मां कूष्मांडा का पूजन करें। पूजा के दौरान मां को हरी इलाइची, सौंफ या कुम्हड़ा अर्पित करें। मां कूष्मांडा को उतनी हरी इलाइची अर्पित करें जितनी कि आपकी उम्र है। हर इलाइची अर्पित करने के साथ ॐ बुं बुधाय नमः कहें। सारी इलाइची को एकत्र करके हरे कपड़े में बांधकर रखें। इलाइची को शारदीय नवरात्रि तक अपने पास सुरक्षित रखें इसके बाद उनके मुख्य मंत्र ॐ कूष्मांडा देव्यै नमः का 108 बार जाप करें। चाहें तो सिद्ध कुंजिका स्तोत्र का पाठ भी कर सकते हैं।

मां कूष्मांडा को प्रिय है मालपुए

मां कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाएं। इसके बाद प्रसाद को किसी ब्राह्मण को दान कर दें और खुद भी खाएं। इससे बुद्धि का विकास होने के साथ साथ निर्णय क्षमता भी अच्छी हो जाएगी। मां कूष्मांडा की आराधना ना सिर्फ आपके संकटों का निवारण कर सकती है, बल्कि आपकी धन-धान्य की समस्या भी हल कर सकती है।

इंदौर के प्रसिद्ध देवी मंदिर

इंदौर शहर में कई प्रसिद्ध देवी मंदिर हैं, जहां नवरात्र के साथ-साथ हर दिन भक्ता माता का आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचते हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार शुक्रवार का दिन देवी का दिन माना जाता है। इस दिन देवी की पूजा और व्रत रखने से विशेष फल प्राप्त होता है। शुक्रवार के दिन मां महालक्ष्मी और संतोषी माता के साथ माता दुर्गा का पूजन भी किया जाता है। शुक्रवार का दिन माता को बहुत प्रिय है। यहां पढ़िए इंदौर के प्रसिद्ध देवी मंदिर के बारे में...

बिजासन माता मंदिर

इंदौर एयरपोर्ट के पास पहाड़ी पर बिजासन माता मंदिर स्थित है, यहां देवी मां नौ रूपों में विराजमान हैं। मान्यता है कि आल्हा-उदल ने मांडू के राजा को हराने के लिए यहां मन्नत मांगी थी। इस मंदिर का इतिहास करीब एक हजार वर्ष पुराना है। बिजासन माता को सौभाग्य और संतान देने वाली माना जाता है, शहर ही नहीं प्रदेश के अनेक स्थानों से शादी के बाद यहां नवयुगल माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

श्रीश्री विद्याधाम मंदिर

इंदौर में एयरपोर्ट रोड पर श्रीश्री विद्याधाम में श्री विद्या राजराजेश्वरी मां पराम्बा ललिता महात्रिपुरसुंदरी की प्रतिमा है। यहां देवी शेर पर नहीं बल्कि महादेव की नाभि से निकले कमल पर विराजित हैं। स्व. महामंडलेश्वर गिरजानंद सरस्वती ने 1995 में इस मंदिर का निर्माण करवाया था। विद्याधाम मंदिर परिसर में 14 अलग-अलग मंदिर, एक यज्ञशाला, गोशाला भी है।

अन्नपूर्णा माता मंदिर

इंदौर पश्चिमी क्षेत्र में स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर अपनी दक्षिण भारतीय वास्तुकला को लेकर प्रसिद्ध है। मंदिर में प्रवेश द्वार हाथियों की चार मूर्तियां सुशोभित हैं। मां अन्नपूर्णा को भोजन प्रदान करने वाली जाता है, भक्त यहां पहुंचकर माता से घर में धन-धान्य का भंडार बनाए रखने की प्रार्थना करते हैं।

हरसिद्धि माता मंदिर

इंदौर शहर के बीच पंढरीनाथ क्षेत्र में मां

हरसिद्धि मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है। मंदिर का निर्माण देवी अहिल्याबाई होलकर ने 1766 में किया गया था। यहां मां महिषासुर मर्दिनी के रूप में विराजति हैं। मंदिर मराठा शैली में बनाया गया है, यहां नवरात्र के दौरान दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाता है।

महालक्ष्मी मंदिर

इंदौर में राजवाड़ा के पास महालक्ष्मी का होलकर कालीन मंदिर है। प्रतिदिन भक्त यहां माता लक्ष्मी से धन और वैभव की प्राप्ति का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। दीपावली के दौरान भक्त यहां माता को पीले चावल अर्पित कर घर आने का आमंत्रण देते हैं।

कालका माता मंदिर खजराना

शहर के खजराना क्षेत्र में कालका माता मंदिर में 9 फीट ऊंची मां काली की प्रतिमा है। मंदिर का निर्माण 1976 में हुआ था और यहां मूर्ति की स्थापना 1991 में हुई थी। यहां माता के साथ पारदेश्वर महादेव भी विराजमान हैं।

जैकी श्रॉफ की बड़े परदे पर लीड रोल में वापसी गुजरात से दिल्ली के सियासी सफर की तरफ इशारा

क्या साल 2014 में देश के प्रधानमंत्री बढ़ने की तरफ अग्रसर राजनीतिक शख्सियत के खिलाफ कोई अंतर्राष्ट्रीय साजिश रची गई थी? क्या इस शख्सियत को एक राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर ही समेट देने की कोई योजना बनी थी? इन सवालों और ऐसे ही तमाम और सवालों को लेकर आ रही है स्पाई थ्रिलर फिल्म 'टू जीरो वन फोर' यानी 2014। फिल्म से करिश्माई अभिनेता जैकी श्रॉफ की लीड हीरो के तौर पर बड़े परदे पर वापसी हो रही है। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म का टीजर पोस्टर ठीक उस दिन रिलीज हुआ है, जिस दिन उनके बेटे टाइगर की अगली फिल्म 'गणपत' के फैन इवेंट को लेकर मुंबई में काफी अफरातफरी मची रही।

रोमांचक जासूसी थ्रिलर फिल्म 'टू जीरो वन फोर' के टीजर पोस्टर की काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म में मीडिया द्वारा रिपोर्ट की गई सच्ची घटनाओं के साथ एक काल्पनिक कहानी को जोड़ा गया हैं। श्रवण तिवारी द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म की कहानी का प्लॉट बहुत ही दिलचस्प हैं। फिल्म की कहानी शुरू होती हैं 2014 में, जब देश के एक राज्य के मुख्यमंत्री को देश के आगामी प्रधानमंत्री में रूप में देखा जा रहा हैं। फिल्म के मुताबिक, देश के दुश्मन साजिश करके उन्हें रोकना चाहते हैं। और, विदेशी एजेंसियों की इन साजिशों को रोकने का बीड़ा उठाता है एक रिटायर्ड कैप्टन, खन्ना।

निर्देशक श्रवण तिवारी ने बताया कि 'टू जीरो वन फोर' की कहानी जासूसी थ्रिलर है, जो जासूसी की रिस्क वाली दुनिया की एक झलक भी पेश करती है। यह साहस, साजिश और न्याय की कभी भी खत्म नहीं होने वाली कहानी है। एक दिलचस्प रहस्य, जासूसी और अंतरराष्ट्रीय साजिश पर आधारित यह फिल्म मार्च 2024 में रिलीज के लिए तैयार हो रही है।

फिल्म 'टू जीरो वन फोर' में अभिनेता जैकी श्रॉफ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। जैकी का किरदार खुफिया अभियानों में अनुभवी सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन खन्ना का है। जैकी के साथ फिल्म में अक्षय ओबेरॉय, मुकेश ऋषि, शिशिर शर्मा और उदय टिकेकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

जानकारी के मुताबिक सेवानिवृत्त सेना अधिकारी कैप्टन खन्ना की इस कहानी का मुख्य आधार वे खबरें हैं, जो 2014 के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले खूब चर्चा में रहीं। कैप्टन के जीवन में तब बदलाव आता है, जब उसे एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी फिरोज मसानी से पूछताछ का काम सौंपा जाता है। यह पूछताछ भारतीय और विदेशी गुप्त एजेंटों से जुड़ी एक बड़ी साजिश को उजागर करता है। जैसे ही खन्ना साजिश के इस जाल को उजागर करता है, वह खुद एक नई मुसीबत में फंस जाता है।

'प्यार का पंचनामा 2' ने बदल दी कार्तिक के जीवन की दिशा, बोले- मुझे नहीं पता था कि...

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के चर्चित स्टार्स में शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में वह इंडस्ट्री में भरोसेमंद एक्टर के रूप में उभरे हैं। बता दें कि कार्तिक ने लव रंजन की फिल्म 'प्यार का पंचनामा' (2011) से अभिनय का सफर शुरू किया था। फिर 2015 में इसका सीक्वल 'प्यार का पंचनामा 2' आया जो मूल फिल्म से भी ज्यादा हिट रहा। सीक्वल को रिलीज हुए आठ साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक नोट साझा किया और इस फिल्म को जिंदगी की दिशा बदलने वाली फिल्म बताया।

पोस्ट साझा कर जताया आभार

कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म का मोनोलॉग वाला हिस्सा शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, 'प्रॉब्लम क्या है'? मुझे नहीं पता था कि ये तीन शब्द मेरे नाम के पर्यायवाची बन जाएंगे। इस फिल्म ने मेरे जीवन और करियर की दिशा बदल दी है और जिंदगी को एक कभी न भुला पाने वाले ट्रैक पर ला दिया है'। कार्तिक ने आगे लिखा, 'आज 'प्यार का पंचनामा 2' को आठ साल पूरे हो गए हैं। मैं लव सर और दर्शकों का हमेशा आभारी रहूंगा, जिन्होंने इस फिल्म को इतना प्यार दिया और आज भी इस मोनोलॉग को उसी दिलचस्प से सुना जाता है। इन्हीं तीन जादुई शब्दों के साथ मैं नोट को खत्म कर रहा हूं। 'प्रॉब्लम क्या है?'

यूजर्स ने की तीसरे पार्ट की मांग

कार्तिक के इस पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट की बाढ़ आ गई है। एक यूजर ने लिखा, 'एक और ऐसा मोनोलॉग तो हम भी डिजर्व करते हैं।' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इस मोनोलॉग को देखते हुए कभी मन ही नहीं भरता।' वहीं कुछ यूजर्स फिल्म के तीसरे सीक्वल की डिमांड करते नजर आए। यूजर्स पूछ रहे हैं कि 'पंचनामा 3' कब आएगी?

चंदू चैंपियन में आएंगे नजर

कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह कबीर खान की फिल्म 'चंदू चैंपियन' को लेकर चर्चा में हैं। कार्तिक की फिल्म 'चंदू चैंपियन' को साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म तैराक मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक है। बीते महीने इस फिल्म से कार्तिक ने अपना फर्स्ट लुक साझा किया था। यह फिल्म 2024 में रिलीज होगी।

पिता की फिल्म 'हेरा फेरी 3' देखने के लिए उत्साहित हैं अथिया

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी के नाम कई बॉक्स ऑफिस हिट फिल्में हैं। उनके दशकों लंबे करियर में ऐसी कई फिल्में हैं, जो सिनेप्रेमियों के दिल और दिमाग पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही हैं। इन्हीं में से एक है हेरा फेरी फ्रेंचाइजी है। जब से अभिनेता की फिल्म 'हेरा-फेरी 3' की घोषणा हुई है। तब से दर्शक इसे लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए है। अब अभिनेता की बेटी ने फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। तो चलिए जानते हैं कि अथिया ने क्या कहा है।

'हेरा फेरी' और 'फिर हेरा फेरी' देखकर खूब हंसने वाले सभी लोगों की तरह अभिनेत्री अथिया शेट्टी भी हेरा फेरी 3 की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं । दूसरा उनके उत्साह का कारण यह भी है कि उनके पिता फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं। अथिया का कहना है कि उन्हें फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार रहा है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अथिया ने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह कब होगा, लेकिन जब यह होगा। मुझे यकीन है कि यह पहली 'हेरा फेरी' की तरह हंसी का एक बड़ा पैकेज होगा। यह रोमांचक फिल्म है और बाकी सभी की तरह मैं भी फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

अथिया शेट्टी ने अपने पिता के फैशन सेंस के बारे में बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी मैंने स्टाइल और फैशन के मामले में हमेशा प्रशंसा की है। वह हमेशा ऐसे व्यक्ति रहे हैं, जिन्होंने कभी भी किसी भी ट्रेंड का पालन नहीं किया। उनका अपना एक स्टाइल और वह उसी को फॉलो करते थे।'

सालार- डंकी की भिड़ंत पर बोले सुकुमारन शाहरुख की डंकी देखने के लिए उत्साहित हूं

साउथ अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन अपकमिंग फिल्म 'सालार' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें एक्टर वर्धराज मन्नार द किंग की भूमिका में नजर आएंगे। बीते दिनों मेकर्स ने उनके जन्मदिन पर फिल्म से एक इंटेंस पोस्टर साझा किया था, जिसमें उनके कैरेक्टर का लुक दिखाया था। अभिनेता के इस लुक को देख फैंस फिल्म देखने के लिए उत्साहित हो गए हैं। वहीं, अब सुकुमारन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में 'सालार' और 'डंकी' के साथ रिलीज होने पर बात की। मीडिया से बातचीत करते हुए अभिनेता ने कहा कि दो बड़े अभिनेता की फिल्म एक ही दिन सिनेमाघर में दस्तक देगी। एक फिल्म प्रेमी के रूप में मैं काफी उत्साहित हूं कि छुट्टियों के मौसम में दोनों अलग-अलग कहानी और कथा पर आधारित फिल्में एक साथ देखने को मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि अच्छी बात तो यह है कि हम हिरानी सर और शाहरुख सर की फिल्म के साथ सालार को रिलीज कर रहे हैं।

सुकुमारन ने बताया, ₹मैं दोनों देखने जा रहा हूं, मैं आपसे यह वादा कर सकता हूं। मैं इसके लिए बहुत उत्सुक हूं। ऐसा आखिरी बार कब हुआ था, कि छुट्टियों के मौसम में, हमारे पास दो ऐसी बड़ी फिल्में थीं। क्या भारतीय सिनेमा का इस तरह जश्न मनाने के लिए 2023 से बेहतर साल है।"

अभिनेता ने अपनी फिल्म के प्रमोशन को लेकर बात करते हुए कहा, मुझे अभी ठीक से नहीं पता है कि मेकर्स का प्लान क्या है। निर्माता नवंबर तक बताएंगे कि फिल्म को कैसे पेश करना है। मैं निर्देशक के संपर्क में हूं जैसे ही कुछ बात होती है वो आपको पता ही चल जाएंगा।

बता दें कि फिल्म 'सालार' 22 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, जगपति बाबू, टीनू आनंद और ईश्वरी राव जैसे कलाकारों की मुख्य भूमिकाएं हैं। प्रभास ने इस फिल्म में पहली बार फिल्म के निर्देशक प्रशांत नील के साथ काम किया है।

करीना कपूर ने बांधे भाभी आलिया की तारीफों के पुल, समानताएं गिना दे दिया बड़ा बयान

करीना कपूर और आलिया भट्ट दोनों ने हर कदम पर खुद को साबित कर अपने शानदार अभिनय और खूबसूरती से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। रणबीर कपूर संग सात फेरे लेने के बाद आलिया, करीना की भाभी बन चुकी हैं। वहीं, हाल ही में एक आभूषण ब्रांड के लिए ननन-भाभी के सहयोग ने दर्शकों को काफी ज्यादा उत्साहित किया। दोनों की बॉन्डिंग ने दर्शकों के दिल जीते। इतना ही नहीं विज्ञापन को देखने के बाद फैंस दोनों को एक फिल्म में साथ देखने की डिमांड करने लगे। इसी पर अब करीना कपूर ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दिया है।

करीना कपूर और आलिया भट्ट ने 'उड़ता पंजाब' में अभिनय किया लेकिन साथ में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं बिताया। हालांकि, उनकी ऑफ-स्क्रीन जिंदगी कई मायनों में एक जैसी रही है। एक इंटरव्यू में, जब करीना से आलिया के करियर पथ के उनके समान होने के बारे में पूछा गया, तो करीना ने आलिया को प्रतिभाशाली कहा। करीना ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह वास्तव में प्रतिभाशाली हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'वह एक शानदार अभिनेत्री हैं और उनकी पसंद भी... जैसे वह बड़े विज्ञापन करती हैं और फिर उन्होंने डालिंग्स भी की। इसलिए, वह ऐसा करना पसंद करती हैं, जो बहुत अच्छा है।'

करीना कपूर ने कबूल किया कि जब आलिया बच्ची थीं तब वह उनसे कभी नहीं मिलीं, लेकिन अब जब आलिया ने करीना के चचेरे भाई रणबीर कपूर से शादी कर ली है, तो उनकी बातचीत बढ़ गई है। करीना ने कहा, 'बचपन में मैं उनसे कभी नहीं मिली। मैं उन्हें उतना नहीं जानती थी, लेकिन बेशक अब वह एक रिश्तेदार और परिवार में है। मुझे लगता है कि अब मैं खुद विकल्पों की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं क्योंकि यही एक अभिनेता बनाता है।'

आलिया की तारीफ जारी रखते हुए बेबो ने अपनी बात में जोड़ा, 'मुझे पता है कि आलिया मुझसे प्यार करती हैं, और यह एक बहुत ही आपसी बात है क्योंकि मुझे सच में लगता है कि वह इस पीढ़ी में सर्वश्रेष्ठ हैं। हम हाल ही में मिले और कहा कि हमें साथ मिलकर जरूर कुछ करना चाहिए। आइए देखें कि वह ऊर्जा किस प्रकार उछलती है। मुझे पता है क्योंकि हमारी तस्वीर वायरल हो गई और सभी ने करण जौहर को मैसेज करना शुरू कर दिया। करण ने कहा कि हर कोई मुझे मैसेज क्यों कर रहा है? तो मैंने उनसे कहा कि जिम्मेदारी आप पर है।'

करीना कपूर की बात करें तो उन्होंने हाल ही में सुजॉय घोष की फिल्म 'जाने जां' के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया है। करीना कपूर को आने वाले दिनों में रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त 'सिंघम अगेन' में देखा जाएगा। वहीं, आलिया भट्ट की बात करें तो, वह जल्द ही फिल्म 'जिगरा' में देखी जाएंगी, जिसकी शूटिंग जारी है।

'लियो' की फर्ज़ी टिकट्स बेच डाली

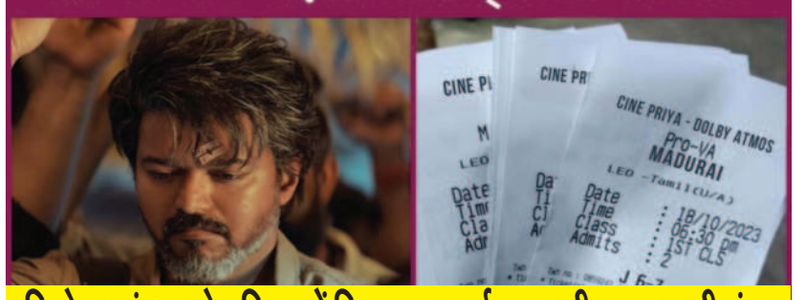

सिनेमा प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज करा की एक्शन की मांग

साउथ सुपरस्टार विजय की आगामी एक्शन फिल्म 'लियो' की रिलीज की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। लोकेशन कनगराज के निर्देशन में बनी यह फिल्म 19 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

ऐसे में फिल्म के मेकर्स से लेकर सिनेमाघरों के मालिक तक सभी जोरों-शोरों से 'लियो' की रिलीज की तैयारियों में जुटे हैं। दर्शकों के बीच 'लियो' को लेकर जिस तरह का उत्साह देखा गया है उस हिसाब से यह होना बहुत जरूरी है। इस बीच खबर आ रही है कि 'लियो' के नकली टिकट बेचे गए हैं, जिसके चलते ऐसा करने वाले के खिलाफ थिएटर मालिक ने एफआईआर दायर की है।

बेचे गए 'लियो' के नकली टिकट

जिस दिन से फिल्म का एलान हुआ था उसी दिन से दर्शक 'लियो' की रिलीज का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, अब यह उत्साह अपने चरम पर है क्योंकि फिल्म जल्द ही सभी के नजदीकी सिनेमाघरों पर उप्लब्ध होगी। जहां मेकर्स ने पायरेसी का पूरा ध्यान रखा है, वहीं सिनेमाघरों में मालिक भी सभी तरह के बंदोबस्त करने में लगे हैं।

हालांकि, इसके बावजूद भी तमिलनाडु के मदुरै के एक सिनेमाघर के नाम पर कई लोगों ने 'लियो' के नकली टिकट लोगों को बेचे, जिसके चलते आज सिनेमा प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराके कार्रवाई की मांग की है।

नकली टिकट बेचने वालों के खिलाफ हो कार्रवाई

'19 अक्तूबर को अभिनेता विजय की फिल्म 'लियो' की रिलीज से पहले गोपुरम सिनेमा प्रबंधन ने सेलूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में कहा गया है कि मदुरै में गोपुरम थिएटर के नाम पर नकली टिकट बेचने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि सिनेमाघरों में इस फिल्म की बुकिंग चल रही है।' अब देखना यह होगा कि पुलिस ऐसा करने वालों के खिलाफ क्या एक्शन लेती है।

फिल्म में दिखेंगे ये कलाकार

'लियो' के बारे में बात करें तो फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है। इस फिल्म में विजय के अलावा तृषा, संजय दत्त, प्रिया आनंद, सैंडी, गौतम वासुदेव मेनन, मंसूर अली खान, मैसस्किन, मैथ्यू थॉमस, अर्जुन सरजा जैसे कलाकार शामिल हैं।

राघव चड्ढा नहीं तो फिर किसके साथ मालदीव में वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं परिणीति चोपड़ा?

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं. परिणीति अपनी शादी के बाद पहली बार वेकेशन पर गई हैं और खास बात यह है कि उनके पति राघव चड्ढा उनके साथ नहीं गए हैं. जहां पहले परिणीति ने इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की स्टोरी पोस्ट करते हुए साफ कर दिया था कि वह गर्ल्स ट्रिप एन्जॉय कर रही हैं, वहीं अब एक्ट्रेस ने अपनी एक खूबसूरत फोटो पोस्ट कर खुलासा कर दिया है कि वह किसके साथ छुट्टियां मना रही हैं.

परिणीति चोपड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है. इस तस्वीर में परिणीति ब्लैक स्विम सूट पहने पूल में आराम फरमाती नजर आ रही हैं. इस दौरान एक्ट्रेस अपना चूड़ा भी फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. परिणीति ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा है- 'मैं हनीमून पर नहीं हूं, फोटो मेरी भाभी ने क्लिक की है.' उनके कैप्शन से साफ है कि एक्ट्रेस अपनी बहन के साथ मालदीव में छुट्टियां एन्जॉय कर रही हैं- ससुराल यानी राघव चड्ढा की बहन. आपको बता दें कि राघव चड्ढा की बहन भी उनकी तरह चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं.

फैशन वीक में लुक ने बटोरी सुर्खियां

हाल ही में परिणीति चोपड़ा लैक्मे फैशन वीक में रैंप पर वॉक करती नजर आईं. शादी के बाद एक्ट्रेस पहली बार रैंप पर उतरीं. इस दौरान उनके न्यूली ब्राइड लुक ने फैन्स का ध्यान खींचा था. परिणीति सफेद शिमरी साड़ी, मांग में सिन्दूर और हल्के गुलाबी रंग की चूड़ियां पहने नजर आईं. उन्होंने अपने लुक को लेयर्ड नेकलेस और रिंग्स से पूरा किया.

इस फिल्म में एक्ट्रेस नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो परिणीति चोपड़ा हाल ही में रिलीज हुई अक्षय कुमार की फिल्म 'मिशन रानीगंज' में नजर आई हैं. इसके बाद वह अपनी अगली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में नजर आएंगी. यह फिल्म साल 2024 में रिलीज होगी.

8वीं क्लास में दी ब्लॉकबस्टर, नयनतारा-करीना कपूर को पछाड़ वामिका गब्बी बनी टॉप एक्ट्रेस

फिल्म इंडस्ट्री में अब आउटसाइडर्स की बड़ी खेप मौजूद है. एक से बढ़कर प्रतिभाशाली कलाकार आए दिन इंडस्ट्री में आते जा रहे हैं. इनसाइडर्स भी उनका खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कर काम कर रहे हैं. जयदीप अहलावत, राजकुमार राव, आयुष्मान खुराना, कंगना रनौत, तापसी पन्नू, ऋचा चड्ढा ऐसे कालाकार हैं, जिनके साथ काम करने से कोई भी बड़ा फिल्ममेकर्स, स्टार और स्टारकिड्स भी नहीं कतराते हैं. इन सबके बीच, इंडस्ट्री में एक और नई एक्ट्रेस आई है, जो खूब चर्चा में है.

यह एक्ट्रेस लगातार बेस्ट फिल्में दे रही हैं. अवॉर्ड विनिंग वेब सीरीज में भी काम कर चुकी हैं. इतना ही नहीं इस हीरोइन ने तमिल, तेलुग, मलयालम समेत कई इंडस्ट्री में काम किया है. शायद ही आप जानते हो इस एक्ट्रेस ने साल 2007 की ब्लॉकबस्टर बॉलीवुड फिल्म में भी काम किया है. तब यह लड़की 8वीं क्लास में पढ़ती थी. आइए जानते हैं कौन ये प्रतिभाशाली एक्ट्रेस...

हाल में आईएमडीबी ने एक हफ्ते के टॉप सेलेब्स की लिस्ट जारी की थी. इस लिस्ट में यह एक्ट्रेस टॉप पर थीं. इसके बाद शाहरुख खान, नयनतारा, करीना कपूर खान का नंबर है. कौन है ये एक्ट्रेस? इस एक्ट्रेस का नाम है वामिका गब्बी. वामिका ने आईएमडीबी की सबसे चर्चित सेलेब्स की रेटिंग पर टॉप रहीं. वामिका इन दिनों वेब सीरीज 'चार्ली चोपड़ा' और फिल्म 'खुफिया' को लेकर चर्चा में हैं. वामिका गब्बी ने साल 2007 में आई फिल्म 'जब वी मेट' में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया, उस समय वह 8वीं क्लास में पढ़ रही थी. इसके बाद उन्होंने 'मौसम' और लव आजकल में काम किया. बतौर लीड एक्ट्रेस उन्होंने 2013 में 'सिक्सटीन' से डेब्यू किया.

साल 2013 में ही उन्होंने पंजाबी फिल्म में यो यो हनी सिंह और अरमिंदर गिल के साथ काम किया. बॉलीवुड में काम पाने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया. इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों के लिए ऑडिशन दिया लेकिन सेलेक्ट नहीं हो पाईं.

साल 2019 में उन्होंने एक्टिंग छोड़ने का फैसला किया. उन्होंने 'मिडनाइट चिल्ड्रन' का ऑडिशन दिया. उसे उम्मीद नहीं थी कि वह सेलेक्ट नहीं होंगी. लेकिन वह सेलेक्ट हो गईं. फिल्म बनी पर रिलीज न हो सकी. 'मिडनाइट चिल्ड्रन' को विशाल भारद्वाज ने डायरेक्ट किया था. विशाल उनसे काफी इम्प्रेस हुए. उन्होंने वामिका को फुरसत, मॉडर्न लव मुंबई, चार्ली चोपड़ा और खुफिया के लिए साइन किया. इन सभी वामिका को काफी सराहा गया. लेकिन वामिका इससे पहले एक वेब सीरीज से पहचान मिली. यह सीरीज साल 2021 में रिलीज हुई. इस सीरीज का नाम ग्रहण था. ग्रहण को ऑडियंस और क्रिटिक्स ने खूब सराहा. इसमें वामिका की अदाकारी ने सबका दिल जीता है. इसके बाद से उन्हें बॉलीवुड में भी एक अलग पहचान मिली.

छापे में जब्त हजारों करोड़ का क्या करती हैं जांच एजेंसियां

कहां जाता है ईडी और सीबीआई को मिला पैसा, समझिए पूरी एबीसीडी

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और इनकम टैक्स विभाग की ओर से छापेमारी की खबरें तो लगातार आती रहती हैं। आपने भी अखबारों और टीवी समाचारों में हजारों करोड़ की नोटों की गड्डियां और कई किलो सोने-चांदी के आभूषण जब्त होने की तस्वीरें व फुटेज भी देखी होंगी। आखिर बड़ी मात्रा में जब्त किया यह पैसा जाता कहां है और इस पर किसका अधिकार होता है। दरअसल, साल 2019 में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) लागू होने के बाद से ईडी की छापेमारी देशभर में कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। विदेश से गलत तरीके से पैसे कमाने का मामला हो या फिर भारत से गलत तरीके से पैसों को विदेश भेजने अथवा हवाला के जरिये लेनदेन का मामला हो, ईडी हर केस को अपने हाथ में लेता है। अनुमान है कि अब तक ईडी ने देशभर में छापेमारी से करीब 1.04 लाख करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है, जबकि सैकड़ों किलोग्राम सोने-चांदी के आभूषण भी छापेमारी में बरामद किए जा चुके हैं।

कैसे होती है कि जब्ती की कार्रवाई

ईडी या सीबीआई जब किसी पर छापेमारी की कार्रवाई करती है तो जब्त किए गए सामान रुपये, आभूषण, चल या अचल संपत्ति का पंचनामा करती है और सभी चीजों की डिटेल लिस्ट बनाकर फिर उसे अपने कब्जे में लेती है। पंचनामा और जब्त सामान की डिटेल पर जिस व्यक्ति पर छापेमारी की गई है, उसके हस्ताक्षर होते हैं। साथ में दो गवाहों के भी हस्ताक्षर इस पंचनामे पर लिए जाते हैं।

फिर कहां जाती है प्रॉपर्टी

ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्ति को सरकार के वेयरहाउस में रखवा दिया जाता है। कई बार जब्त किए गए पैसों को रिजर्व बैंक या फिर एसबीआई में सरकार के खाते में जमा कर दिया जाता है। इससे पैसों के खराब होने या उन्हें नुकसान पहुंचने का खतरा नहीं रहता। ईडी इन जब्त किए गए पैसों और संपत्तियों को अधिकतम 180 दिन तक अपने पास रख सकता है। इस दौरान उसे अदालत में इन संपत्तियों से जुड़े आरोपों को सही साबित करना होगा।

आरोप सिद्ध न हुए तो

ईडी पर यह दबाव होता है कि उसे जब्त की गई संपत्तियों से जुड़े आरोपों को 6 महीने के भीतर साबित करना पड़ेगा। कोर्ट में आरोप सही साबित होने पर संपत्ति सरकार के पास चली जाती है। अगर ईडी इन आरोपों को साबित करने में नाकाम रही तो संपत्ति वापस उस व्यक्ति को दे दी जाती है, जिससे जब्त की गई थी। अगर मामला केंद्र सरकार से जुड़ा है तो रुपये को केंद्र सरकार के खाते में जमा किया जाता है, जबकि राज्यों से जुड़े मामले में जब्त रुपये को राज्य सरकार के खाते में जमा कराया जाता है। कुछ मामलों में अदालत जुर्माना लगाकर जब्त किए गए पैसों को संबंधित व्यक्ति को वापस कर देती है। हालांकि, जब्त की गई संपत्ति तभी उस व्यक्ति को वापस की जाती है, जब वह ये बात साबित करने में कामयाब हो जाता है कि यह संपत्ति उसने वैध तरीके से कमाई है। कॉमर्शियल प्रॉपर्टी के मामले में कानून थोड़ी राहत देता है और जब्त करने के बाद भी जब तक मामला अदालत में रहता है, इस प्रॉपर्टी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

गाजियाबाद में युवती पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश हिरासत में आरोपी

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में छेड़छाड़ का विरोध किया तो युवक ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की। जानकारी के अनुसार आरोपी युवती को बहुत समय से परेसान कर रहा था। उसके साथ छेड़छाड़ भी करता था। एक तरफा प्यार में पागल एक लड़के ने इनकार करने पर लड़की के साथ इस दरिंदगी को अंजाम देना चाहा। गनीमती रही की युवती की जान बाल-बाल बच गई। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। एसीपी रजनीश उपाध्याय के मुताबिक, थाना ट्रॉनिका सिटी में एक युवती द्वारा सोमवार रात को तहरीर दी गई जिसमें उसने बताया कि जाहिद नाम के व्यक्ति द्वारा छेड़छाड़ कर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की गई। इस शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर आरोपी को उसके घर से हिरासत में ले लिया गया है। इस घटना में आरोपी झुलस गया है। इलाज के बाद कार्रवाई की जाएगी।

सीट बदलकर बिठाया पास शराब भी की ऑफर

अकासा एयर के पायलट पर लड़की के उत्पीड़न का आरोप

बेंगलुरु, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक 20 वर्षीय छात्रा ने अकासा एयर के पायलट पर उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। छात्रा ने आरोप लगाया है कि इस महीने की शुरुआत में बेंगलुरु से पुणे की यात्रा के दौरान अकासा एयर की फ्लाइट में एक ऑफ-ड्यूटी पायलट ने उसका उत्पीड़न किया था। रिपोर्ट के अनुसार, छात्रा ने कहा कि पायलट ने उसे अपनी सीट बदलने के लिए मजबूर किया ताकि वह उसके (पायलट) के पास बैठ सके। अपने पास बिठाने के बाद पायलट ने कथित तौर पर लड़की को शराब ऑफर की जिसे वह खुद पी रहा था। यह घटना कथित तौर पर 1 अक्टूबर को हुई, जब छात्रा बेंगलुरु में अपनी तीन महीने की इंटर्नशिप खत्म करने के बाद फ्लाइट से घर लौट रही थी। अपने परेशान करने वाले अनुभव को याद करते हुए, छात्रा ने बताया कि पायलट ने अपना एयरलाइन आईडी कार्ड पहन रखा था। ऑफ-ड्यूटी पायलट ने शुरू में लड़की को सामान रखने में मदद करने की पेशकश की। थोड़ी देर बाद, उसने कथित तौर पर एक फ्लाइट अटेंडेंट के माध्यम से लड़की को फ्लाइट के पीछे आने के लिए कहा। लड़की ने बताया, "शुरुआत में, मुझे लगा कि मेरे चेक-इन सामान में कुछ समस्या है। मैं वहां गई और पूछा कि क्या कोई समस्या है। वह हंसने लगा और मुझे एक बोतल में कुछ देने की पेशकश की। उसने दावा किया कि इसमें एक एल्कोहलिक ड्रिंक है जिसे वह भी पी रहा है। मैंने इनकार कर दिया और बड़ी मुश्किल से अपनी सीट पर लौटी क्योंकि वह लगातार मुझसे बातचीत करने की कोशिश कर रहा था।" महिला के अनुसार, उसने फ्लाइट अटेंडेंट और एयरलाइन से सहायता मांगने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की।

कांग्रेस के वचन पत्र पर शिवराज का तंज, कहा- महाझूठ पत्र जारी हो गया

भोपाल, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस की ओर से जारी किए गए वचन पत्र को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाझूठा पत्र बताया है। उन्होंने आज कांग्रेस के वचन पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस का यह वचन पत्र नहीं, यह महाझूठ पत्र है। पांच साल पहले भी कांग्रेस ने 900 से ज्यादा वचन दिए थे जिसमें से 9 भी पूरे नहीं किए। आज तक लोग तरस रहे हैं। हम पूछना चाहते हैं नौजवानों को 4000 बेरोजगारी भत्ता कब मिलेगा। समर्थन मूल्य पर बोनस कब मिलेगा। समूहों का कर्जा कब माफ होगा। एक नहीं अनेकों वचन दिए थे कांग्रेस ने जो सारे के सारे झूठे निकले। आज एक बार इन्होंने फिर महाझूठ पत्र प्रस्तुत कर दिया। इस झूठ पर जनता भरोसा करने वाली नहीं है, क्योंकि जनता जानती है भाजपा जो कहती है वो पूरा करती है जो नहीं कहती उसे भी पूरा करती है। लाड़ली बहना योजना दृष्टि पत्र में नहीं थी लेकिन हमने इसे लागू किया। कांग्रेस की सच्चाई जनता जानती है, भ्रम में आने वाली नहीं है।

23 लाख रुपये की नकदी और 1.25 किग्रा वजनी सोने की सिल्ली जब्त

भोपाल, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट विश्प कप स्पर्धा के जारी मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का खुलासा करते हुए इंदौर में पुलिस ने 40 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार करके उसके पास से करीब 23 लाख रुपये की नकदी और 1.25 किलोग्राम वजनी सोने की सिल्ली जब्त की है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि पुलिस की अपराध निरोधक शाखा की मदद से चलाई गई संयुक्त छापामार मुहिम के दौरान द्वारकापुरी क्षेत्र से सोमवार रात गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल मेहता (40) के रूप में हुई है। विश्वकर्मा ने बताया,"मेहता विश्व कप मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी अपने घर से कर रहा था। इसके लिए वह एक व्यक्ति से आईडी और पासवर्ड लेता था। यह व्यक्ति संयुक्त अरब अमीरात के एक मोबाइल नम्बर से वॉट्सऐप के 'वॉइस कॉल' के जरिये मेहता से बात करता था। हम इस व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि विश्व कप मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह बड़े संगठित तरीके से चलाया जा रहा है

जिसके तार विदेशों से जुड़े हो सकते हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने संदेह जताया कि मेहता के कब्जे से बरामद 1.25 किलोग्राम सोना विदेश से तस्करी के जरिये भारत लाया गया है। उन्होंने बताया कि इस बारे में राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) और आयकर विभाग को जानकारी दी जा रही है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मेहता के कब्जे से एक लैपटॉप और सात मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

'जाकर कपड़े फाड़िए।', चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह में क्यों छिड़ी जंग

भोपाल, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति में इस वक्त हलचल तेज है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह में जुबानी जंग छिड़ गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने एक वीडियो में दिग्विजय सिंह के कपड़े फाड़ने की बात कही है। दिग्विजय सिंह ने भी कमलनाथ के बयान पर तगड़ा पलटवार किया है। बता दें कि मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर 17 नवंबर को चुनाव होना है। तीन दिसंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इससे पहले कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जुबानी जंग से प्रदेश की सियासत गरमा गई है। वहीं, इस मामले में बीजेपी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी ने कांग्रेस को गुट और गिरोह में बंटी हुई पार्टी बताया है। आइए जानते हैं आखिर क्या है पूरा मामला?

क्या है पूरा मामला?

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने किसी एक भाषण के दौरान मंच से कहा कि अगर दिग्विजय सिंह आपकी बात भी ना सुने तो उनके कपड़े फाड़ दीजिए। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने कहा कि साइन तो पीसीसी चीफ के होते है तो कपड़े किसके फटने चाहिए ? दोनों ने एक-दूसरे पर हंसी मजाक के अंदाज में ये बातें कहीं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि शंकर का काम है विष पीना तो पीएंगे। इसके जवाब में कमलनाथ ने कहा कि दिग्विजय सिंह ने खुद कहा कि वो तो पहले से ही विष पीते आए हैं आगे भी पीना पड़ेगा। इस मामले में विवाद बढ़ता देख दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब परिवार बड़ा होता है तो सामूहिक सुख और सामूहिक द्वंद्व दोनों होते हैं। समझदारी यही कहती है कि बड़े लोग धैर्यपूर्वक समाधान निकालें। ईश्वर भी उन्हीं का साथ देते हैं जो मन और मेहनत का मेल रखते हैं।नर्मदे हर। बता दें कि इस पूरे मामले में लगातार कांग्रेस पर हमलावर है।

कांग्रेस गुट और गिरोह में बंटी हुई पार्टी है- बीजेपी

दिग्विजय सिंह और कमलनाथ विवाद पर शिवराज सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा है कि कांग्रेस तो गुट और गिरोह में बंटी हुई पार्टी है। उन्होंने कहा कि ये पूरी लड़ाई कमलनाथ के बेटे और दिग्विजय सिंह के बेटे को लेकर है। कमलनाथ जी को समझना चाहिए। दिग्विजय सिंह तो उनके दोस्त हैं। उनके कपड़े फड़वाने की बात कर रहे हैं। मगर जयवर्धन सिंह तो उनके भतीजे हैं। इनके कपड़े क्यों फड़वा रहे हैं?

कांग्रेस का कार्यकर्ता तो सिर्फ दरी ही बिछाएगा

वहीं, छिंवाडा जिले के टिकटों के ऐलान नकुलनाथ द्वारा किए जाने पर सारंग ने कहा कि ये बताता है कि कांग्रेस कोई लोकतांत्रिक पार्टी नहीं है। एक हैं सोनिया गांधी के बेटे राहुल भैया। एक हैं कमलनाथ के बेटे नकुल भैया और बीच में फंस गएय हैं दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन भैया। बेचारा कांग्रेस का कार्यकर्ता तो सिर्फ दरी ही बिछाएगा।

'खेलने पर ध्यान कम', पहलवानों के आरोपों पर बृजभूषण सिंह के वकील ने किया काउंटर

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ 6 महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए यौन शोषण के आरोपों पर दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है। बीजेपी नेता की ओर से कोर्ट में पेश वकील राजीव मोहन ने कोर्ट को बताया कि एथलीट ने तत्कालीन भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे, क्योंकि उन्होंने अनियमितताओं और खेल पर ध्यान न देने के कारण पहलवान की जांच की थी। राजीव मोहन ने कोर्ट में तर्क देते हुए आगे कहा कि ये आरोप एक पहलवान के खिलाफ बृजभूषण सिंह की अनुशासनात्मक कार्रवाइयों से उपजे हैं। उनका ध्यान खेल पर कम और सोशल मीडिया पर ज्यादा था। सुनवाई के दौरान, मोहन ने टिप्पणी की कि यह बिल्कुल स्पष्ट है कि बृजभूषण के खिलाफ ऐसे आरोप लगाए जाएंगे क्योंकि उन्होंने पहलवान की गई अनियमितताओं और उनके ट्वीट के लिए उन्हें डांटा था। उन्होंने कोर्ट में कहा, "अगर मैं आपको ट्वीट के लिए डाटूंगा, अनियमितताओं की ओर इशारा करूंगा, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि केवल ऊपर ये आरोप आना ही आना है।" वकील ने कहा कि पहलवान खेल पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय ट्वीट करने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी और बृज भूषण ने उससे पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रही है। बृजभूषण के वकील ने कोर्ट को आगे बताया, "खेलने में कम ध्यान है, ट्वीट्स कर रहे हो आप, मुझपर आरोप लगा रहे आप। अधिवक्ता मोहन ने कहा कि दर्ज किए गए इतने सारे बयानों को ध्यान में रखते हुए, आरोप तय करने के चरण में, अभियोजन पक्ष को यह दिखाना चाहिए कि वे किस पर भरोसा कर रहे हैं।

नीतीश देश में विपक्षी एकता के सूत्रधार, तेजस्वी के लिए तड़पता बिहार; जदयू-राजद की आखिर मंजिल क्या?

पटना, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के पटना स्थित मुख्यालय के बाहर अब एक बड़ा-सा बोर्ड लगाया है। लिखा है- तेजस्वी यादव के लिए तड़पता बिहार। तेजस्वी यादव बिहार के मौजूदा उप मुख्यमंत्री हैं तो यह तड़प क्यों? जाहिर है सीधे कमान मिलने की। तेजस्वी भी राजद कार्यालय आए तो बोर्ड देखते गए। राजद कार्यालय से कुछ ही दूरी पर सामने की तरफ जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) का मुख्य कार्यालय है। इसके अंदर-बाहर अक्सर यह आवाज गूंजती है- देश का पीएम कैसा हो, नीतीश कुमार जैसा हो। जदयू के राष्ट्रीय

अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह यूपी दौरे के दौरान दुहरा चुके हैं कि देश में विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार हैं। ऐसे में यह सवाल जायज है कि जदयू-राजद की आखिर मंजिल क्या है और दोनों दल इस दिशा में कहां तक बढ़े हैं?

आज बोर्ड के बहाने जानें कि राजद कहां है

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब भारतीय जनता पार्टी के साथ जनादेश लेकर राजद का दामन थामा था, उसी दिन से आवाज उठ रही कि तेजस्वी को बागडोर मिल जाए। राजभवन के पास तब इसकी नारेबाजी भी लगी थी। वह कसक बार-बार किसी न किसी रूप में सामने आ ही जाती है। ताजा पोस्टर उस कसक को तड़प में दिखा रहा, यह कहना भी गलत नहीं होगा। तो, क्या राजद या तेजस्वी उस राह पर हैं? कुछ मायनों में जरूर हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो काफी समय से इस कुर्सी पर हैं, लेकिन जिस तरह पिछले 8-10 महीनों से राज्य सरकार नौकरियों पर फोकस कर रही है, उसे राजद अपने खाते की उपलब्धि बताने से कभी नहीं हिचकता। मंगलवार को भी तेजस्वी ने भाजपा पर वार करते हुए एक बार फिर दुहराया कि इतनी नौकरियां कहीं और नहीं दी जा रही है। नौकरियां तेजस्वी के एजेंडे में 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी थी और अब अगर राजद या तेजस्वी यह क्रेडिट लेकर युवा पीढ़ी से समर्थन हासिल कर रहे तो अजूबा भी नहीं। रोजगार और बेरोजगारी में पलायन बिहार का सबसे बड़ा मुद्दा रहा है और इस नजरिए से देखें तो तेजस्वी इस मामले में आगे बढ़ते दिख रहे हैं। इसके अलावा, जिस तरह से लालू प्रसाद यादव दोबारा बिहार की राजनीति में प्रभावी हुए हैं, यह कहना भी गलत नहीं कि सर्वाधिक विधायकों वाला राजद विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी जदयू से कई मामलों में आगे है। इन सभी के साथ जातिगत जनगणना के आंकड़ों में यादव जाति की संख्या को देखते हुए भी तेजस्वी यादव को लेकर राजद की तड़प वाजिब नजर आती है।

संयोजक नहीं, सूत्रधार सही तो जदयू कहां है

23 जून को देशभर के भाजपा विरोधी दलों को पहली बार जुटाने में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्राथमिक भूमिका रही थी। पहली बैठक से ही यह उम्मीद की जा रही थी कि उन्हें विपक्षी एकता का संयोजक बनाया जाएगा। संयोजन की बात कई नेताओं ने कही, लेकिन संयोजक पद के लिए नाम प्रस्तावित नहीं हुआ। बाकी बातें बात में घोषित हो गईं, लेकिन यह पद अब भी खाली है। इधर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दखल लगातार बढ़ा रहे हैं। खेल के क्षेत्र में भारत की उपलब्धि हो या जी20 बैठक के भोज में उपस्थिति, नीतीश कुमार कहीं पीछे नहीं रह रहे हैं। विपक्षी दलों के इंडी एलायंस की इधर बैठक नहीं हो रही है तो वह इसके लिए चिंतित भी दिख रहे हैं। दूसरे राज्यों के चुनावों पर भी नजर रख रहे हैं। मतलब, कुल मिलाकर दिल्ली कूच की तैयारी है। इसी तैयारी के कारण एक बार फिर ललन सिंह ने उन्हें विपक्षी एकता का सूत्रधार कहा। लेकिन, सवाल यह है कि वह राजद की तड़प को खत्म कर कुर्सी छोड़ दिल्ली जाएंगे?

बदले मौसम का एयर ट्रैफिक पर दिखा असर, दिल्ली से 13 फ्लाइट्स डायवर्ट

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्द हवा के बीच पारा लुढ़कने से दिल्ली-एनसीआर में मौसम पूरी तरह से बदल गया है। बीती रात होते-होते कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। जिसका असर फ्लाइट्स पर देखने को मिला। बीते दिन शाम के वक्त मौसम को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट से 13 फ्लाइट्स को डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइंस ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 13 फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया है। दिल्ली में बदले मौसम को देखते हुए दिल्ली से जयपुर, लखनऊ और अहमदाबाद के लिए बीती शाम सात बजे से 11 बजे तक इन फ्लाइट्स को मोड़ दिया गया।

बस की स्पीड 120 किमी/ ईयरफोन लगाकर मजे से मोबाइल में वीडियो देख रहा ड्राइवर, उपमुख्यमंत्री ने भी देखा दिल दहलाने वाला ये दृश्य

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कान में ईयरफोन लगाकार मजे से मोबाइल में वीडियो देखते हुए अगर कोई ड्राइवर पूरी रफ्तार से बस चला रहा हो तो इसे आप क्या कहेंगे? यही न कि वह एक बड़े हादसे को निमंत्रण दे रहा है। ट्रैफिक के नियमों का खुल्मखुल्ला उल्लंघन कर रहा है। अपने साथ-साथ उन सभी यात्रियों की जान को जोखिम में डाल रहा है, जिन्हें गंतव्य तक पहुंचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसकी है। जी हां, एक ऐसा ही वीडियो वायरल हुआ है जिसमें बस ड्राइवर कान में ईयरफोन लगाकर वीडियो देखते हुए मुंबई नागपुर समृद्धी एक्सप्रेस वे 100 से 120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से बस चला रहा है। शिकायत सामने आने के बाद खुद उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इसका संज्ञान लिया और कार्रवाई का निर्देश दिया है।

ड्राइवर की लापरवाही से हो रहे हादसे

दरअसल, मुंबई नागपुर समृद्धी एक्सप्रेस वे पर हादसे थम नहीं रहे हैं। जब से यह एक्सप्रेसवे शुरू हुआ है तब से आए दिन कोई न कोई हादसा इस पर होता रहता है। कई हादसों के पीछे ड्राइवर की लापरवाही साफ नजर आई है। रविवार को ही इस एक्सप्रेस-वे पर हुए हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। अब यह वायरल वीडियो सामने आया है जिसमें एक ट्रैवल बस का ड्राइवर लापरवाही से बस चला रहा है। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि ड्राइवर ने अपने कान में ईयरफोन लगा रखा है और मोबाइल पर चल रहे वीडियो को देखते हुए बस ड्राइव कर रहा है। बस की रफ्तार भी 100 से 120 किमी प्रतिघंटा है। इतनी गति में बस चलाते हुए मोबाइल पर वीडियो देखना साफ तौर पर हादसे को न्यौता देना है। डाइवर की इतनी बड़ी लापरवाही को सामने लाने के लिए बस में यात्रा कर रहे किसी यात्री ने वीडियो बना लिया। इस वीडियो में ड्राइवर की पूरी करतूत कैद हो गई। वह मजे से मोबाइल पर वीडियो देखता हुआ बेस चला रहा था। जानकारी के मुताबिक यह बस नागपुर से पुणे जा रही थी। हालांकि बस के यात्री ने ड्राइवर को मोबाइल देखने से मना भी किया लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी और कान में ईयरफोन लगाकर फिल्म देखते हुए तेज रफ्तार में बस ड्राइव करता रहा। ड्राइवर की इस करतूत का वीडियो वायरल होने के बाद मामला उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास पहुंचा। उन्होंने बस में ड्राइवर द्वारा वीडियो देखने की घटना को गंभीरता से लेते हुए उक्त मामले में कार्रवाई करने का आदेश दिया है। बता दें कि समृद्धि हाइवे मुंबई और नागपुर को जोड़ने वाला 701 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे है। यह नागपुर, वासिम, वर्धा, अहमनगर, बुलढाणा, औरंगाबाद, अमरावती, जालना, नासिक और ठाणे से होकर गुजरता है। समृद्धि एक्सप्रेसवे का निर्माण महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम द्वारा किया जा रह है।

ससुर संग साकेत कोर्ट पहुंची थी राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने अब गुजारा भत्ता के लिए याचिका दायर कर दी। वहीं राजा भैया के पिता राजा उदय प्रताप सिंह भी भानवी के हक में गवाही देने अदालत पंहुचे। हालांकि राजा भैया के वकील की आपत्ति के चलते उनकी आज गवाही नहीं हो सकी। साकेत कोर्ट स्थित फैमिली कोर्ट की जज सुनाली गुप्ता के सामने सुनवाई तय थी। सुनवाई के दौरान भानवी के वकील ने मामले को मीडिया ट्रायल से बचाने के लिए सुनवाई बंद कमरे में करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा यह पूरा मामला एक परिवार का है और मीडिया ट्रायल से बचा जाना चाहिए। राजा भैया के वकील ने उनके तर्क पर असहमति जताते हुए कहा कि यह लोग खुद ही मीडिया के सामने आ रहे हैं और पूरी खबर इनके द्वारा ही मीडिया को दी जा रही है। हमने कभी भी मामले के तथ्य मीडिया में शेयर नहीं किए। उन्होंने कहा यदि अदालत बंद कमरे में सुनवाई का निर्णय लेती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद भानवी के अधिवक्ता ने अदालत के समक्ष आवेदन दाखिल कर भानवी को राजा भैया से गुजारा भत्ता दिलवाने का आग्रह किया। अदालत ने राजा भैया के वकील को इस याचिका पर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। उधर राजा भैया के वकील ने राजा उदय प्रताप सिंह की गवाही दर्ज करवाने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा वे बाद में गवाही करवा सकते है। अदालत ने दोनों मामलों में उन्हें जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 3 नवंबर तय कर दी। कोर्ट के समक्ष भानवी ने अपना जवाब दाखिल करते हुए कहा कि वे राजा भैया की प्रताड़ना के चलते ही उनसे अलग रह रही हैं। उन्होंने जवाब में राजा भैया पर मारपीट का भी आरोप लगाया। भानवी ने अपने जवाब में राजा भैया द्वारा तलाक के लिए लगाए गए आरोपों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि मात्र तलाक लेने के लिए झूठे आरोप लगाए गए हैं। वह तलाक का विरोध कर रही हैं। जिसके बाद अदालत ने उन्हें अपना पक्ष रखने का निर्देश देते हुए सुनवाई के लिए 17 अक्टूबर की तारीख तय की थी। इससे पहले भानवी सिंह ने दावा किया था कि राजा भैया ने उनके साथ मारपीट की और धमकाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि सितंबर 2020 से ही राजा भैया ने उन्हें घर में आने से मनाकर रखा है।

1995 में हुई थी राजा भैया और भानवी सिंह की शादी

राजा भैया व भानवी की 1995 में शादी हुई थी उनकी चार संतानें है। कुछ वर्षों से दोनों के रिश्तों में खटास आना शुरू हो गई थी। इस बीच भानवी सिंह राजा भैया से अलग होकर अपने दिल्ली स्थित आवास पर रहने लगी है।

चीन ने मिलाया तालिबान से हाथ

भारत को ऐसे पहुंचाएगा इकोनॉमिक नुकसान

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) भारत और चीन के बीच सीमा का तनाव अब आर्थिक तनाव में बदलता जा रहा है। कोविड के बाद से लगातार दुनियाभर की कंपनियां अपने मैन्यूफैक्चरिंग सेंटर को चीन से भारत शिफ्ट कर रही हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम एपल का शामिल है। ऐसे में चीन ने भारत को चुनौती देने के लिए तालिबान से हाथ मिला लिया है। अब ये गठजोड़ कैसे भारत को आर्थिक नुकसान पहुंचाएगा? चीन इस हफ्ते अपने 'बेल्ट एंड रोड फोरम' की बैठक करने जा रहा है। इसमें 120 से ज्यादा देशों के शामिल होने का अनुमान है। अब खबर है कि चीन ने अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में तालिबान को शामिल करने की तैयारी कर ली है। अफगानिस्तान में अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता कब्जाने के बाद चीन ने इस स्तर पर बातचीत शुरू करके अपना कदम बढ़ा दिया है। वहीं ये पहली बार होगा तालिबान इस स्तर के शिखर सम्मेलन में शामिल होगा।

बीआरआई में आएगा तालिबान

बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव चीन का सबसे बड़ा ग्लोबल प्रोजेक्ट है। इसका मकसद एक तरह से चीन के प्राचीन सिल्क रूट को रिवाइव करना है। चीन में मंगलवार और बुधवार को होने वाली बीआरई मीट में तालिबान के कार्यवाहक वाणिज्य और उद्योग मंत्री हाजी नॉरुद्दीन अजीजी शामिल होने जा रहे हैं। अफगानिस्तान में तांबा, सोना और लीथियम के बड़े भंडार हैं। ये करीब 3,000 अरब डॉलर मूल्य के हैं। चीन अफगानिस्तान में एक बड़ी तांबा खदान विकसित करने की योजना बना रहा है और इसके लिए तालिबान के साथ बातचीत कर रहा है।

भारत की इकोनॉमी को होगा नुकसान

हाल में भारत ने जी20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन किया। इस आयोजन की एक खास बात चीन के 'ओल्ड सिल्क रूट' की तरह भारत के प्राचीन 'मसाला रूट' को रिवाइव करने पर सहमति बनना थी। इसके लिए भारत-पश्चिमी एशिया-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को डेवलप करने की बात कही गई। ये कॉरिडोर चीन की बीआरई के लिए काउंटर के तौर पर काम करेगा। इसमें भारत समुद्र मार्ग से पश्चिमी एशिया से जुड़ेगा, जहां से रोड एंव रेल नेटवर्क से यूरोप को जोड़ा जाएगा। इसमें अफगानिस्तान की भी अहम भूमिका हो सकती है, लेकिन अब चीन के तालिबान के साथ बातचीत से भारत को बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है। वैसे भी इजराइल-हमास युद्ध के चलते इस परियोजना पर संकट के बादल पहले से मंडरा रहे हैं।

इस त्योहारी सीजन में घर खरीदना है फायदा का सौदा, ये हैं कारण

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) नवरात्रि का त्योहार चल रहा है। इन दिनों को काफी शुभ माना जाता है। अधिकतर लोग इन्हीं दिनों में घर और प्रॉपर्टी खरीदते हैं। वहीं दूसरी ओर संभावित खरीदारों को आकर्षित करने के लिए, बिल्डर्स अक्सर इस दौरान आकर्षक ऑफर और छूट लेकर आते हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार 4 बार से रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस त्योहारी सीजन की शुरुआत में मांग बढ़ने लगेगी। रेलिगेयर हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ राहुल मेहरोत्रा के अनुसार त्योहारी सीजन के दौरान लोग अपने नए घरों में जाना पसंद करते हैं और डेवलपर्स इन महीनों के दौरान नए लॉन्च और फ्री फैसिलिटीज के साथ साथ नए ऑफर का ऐलान करते हैं। डिमांड आमतौर पर अधिक रहती है। कस्टमर्स के लिए अतिरिक्त लाभ यह होगा कि होम लोन की ईएमआई में कोई वृद्धि नहीं होगी। यह निश्चित रूप से घर खरीदने वालों को काफी राहत पहुंचाएगा। आइए आपको भी बताते हैं कि इस फेस्टिव सीजन में घर खरीदना आपके लिए क्यों फायदे का सौदा हो सकता है?

होम लोन की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं

भले ही रेपो रेट में बीते चार बार से कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन ब्याज दरें अपने पीक पर है। उसके बाद भी बाद भी इस दौरान होम लोन की दरों में कोई इजाफा देखने को नहीं मिला है। रेपो रेट 6.5 फीसदी पर कायम है। रेपो रेट का फ्रीज रहना आम लोगों और रियल एस्टेट सेक्टर के लिए काफी फायदेमंद है। ईजीलोन के फाउंडर और सीईओ प्रमोद कथूरिया के अनुसार रेपो रेट के स्टेबल रेपो रेट होम बायर्स के लिए किसी गिफ्ट से कम नहीं है। यह लोगों को कम ब्याज दरों पर घर खरीदने का मौका दे रहा है।

नवरात्रि के तीसरे दिन भी सस्ता है सोना

कर लें शादियों के सीजन के लिए गोल्ड ज्वैलरी की शॉपिंग

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) देश के सर्राफा बाजार में इस समय सोना और चांदी के दाम नीचे आए हुए हैं। सोने की खरीदारी करने के लिए इस समय बाजारों में खरीदार आ रहे हैं क्योंकी जारी त्योहारी सीजन के बाद शादियों का सीजन शुरू होने वाला है। चमकीली मेटल चांदी भी इस समय निचले दामों पर मिल रही है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय डिमांड में गिरावट देखी जा रही है। वायदा बाजार के साथ रिटेल बाजार में भी सोना और चांदी के दाम में कटौती बनी हुई है।

एमसीएक्स पर कैसे हैं सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना दिसंबर वायदा आज 116 रुपये या 0.20 फीसदी गिरकर 59050 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर कारोबार कर रही है। ये दाम 24 कैरेट शुद्ध सोने के लिए हैं।

एमसीएक्स पर कैसे हैं चांदी के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के रेट देखें तो दिसंबर वायदा के लिए 310 रुपये या 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 70727 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार देखा जा रहा है।

रिटेल बाजार में कैसे हैं सोने के दाम

देश के कई राज्यों में आज सोना और चांदी के दाम में गिरावट देखी गई है। दिल्ली से लेकर कोलकाता, चेन्नई से लेकर जयपुर तक कई शहरों में सोने के दाम नीचे आए हैं। जानें आपके शहर में आज गोल्ड रेट क्या हैं- दिल्ली में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। मुंबई में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 59,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। चेन्नई में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 170 रुपये की गिरावट के साथ 60,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। कोलकाता में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 59,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। जयपुर में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। हैदराबाद में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 59,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। लखनऊ में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 60,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। मैसूर में 24 कैरेट शुद्धता वाला गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 59,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

मसाज करवाते हुए एअर एशिया के सीईओ की मीटिंग

तस्वीर शेयर कर इसे एअर एशिया का कल्चर बताया, ट्रोल हुए तो डिलीट किया पोस्ट

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) एअर एशिया के सीईओ टोनी फर्नांडीज मसाज करवाते हुए मैनेजमेंट से मीटिंग करते को लेकर ट्रोल हो रहे हैं। जिस तस्वीर को लेकर वह ट्रोल हो रहे हैं उसे उन्होंने खुद लिंक्डइन पर शेयर किया था।टोनी फर्नांडीज ने सोमवार को लिंक्डइन पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा,'यह एक तनावपूर्ण हफ्ता था और वेरानिता योसेफिन ने मालिश का सुझाव दिया। मुझे इंडोनेशिया और एयरएशिया कल्चर से प्यार है कि मैं मालिश करते हुए मैनेजमेंट से मीटिंग कर सकता हूं।'यही तस्वीर अब वायरल हो रही है और लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर टोनी फर्नांडीज को ट्रोल कर रहे हैं।' हालांकि, ट्रोल होने बाद उन्होंने इस पोस्ट को डिलीट कर दिया है।

इस तरह महिलाएं सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी

रैबेका नैडिलो ने टोनी फर्नांडीज के पोस्ट पर कमेंट कर लिखा,'मुझे नहीं लगता कि आपकी कंपनी की महिलाएं इस तरह सहज या सुरक्षित महसूस करेंगी। आप बॉस हैं इसलिए शायद वे आपको चुनौती नहीं देंगी या कुछ भी नहीं कहेंगी। प्लीज उनके लिए इस पोस्ट पर से हटाए गए कमेंट को सुने। आप एक स्मार्ट लीडर हैं जो कल्चर की परवाह करते हैं, लेकिन यह एक सपोर्टिव, सेफ लीडरशिप का तरीका नहीं है।

अगर रिव्यू मीटिंग के दौरान हर कोई ऐसा करने लगे...तो?

एक यूजर ने कमेंट कर फर्नांडीज ने पूछते हुए लिखा,'टोनी जब आपने कहा कि एअर एशिया का कल्चर खुला है तो मुझे इसकी इतना खुले कल्चर की उम्मीद नहीं थी... वाह क्या लाइफ है...अगर रिव्यू मीटिंग के दौरान आपकी कंपनी में हर कोई ऐसा करने लगे...तो?

फर्नांडीज को लिंक्डइन से दूर रहने की सलाह

अनूप नाम के यूजर ने x पर लिखा,'कुछ सीईओ को लिंक्डइन से दूर रहने की जरूरत है। वहीं, एक अन्य यूजर ने तंज करते हुए लिखा,'मैनेजमेंट ट्रांसपेरेंसी को नेक्स्ट लेवल पर ले जा रहा है।'

क्या अभी नहीं आया आपका इनकम टैक्स रिफंड? ये हो सकते हैं कारण

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) क्या आप अभी तक इनकम टैक्स रिफंड का वेट कार रहे हैं? क्या आपका रिटर्न वेरिफाई होने के बाद भी रिफंड नहीं आया है? ऐसे तमाम सवाल अभी भी आपके सामने हैं तो आपको फिर से असेस करने की जरुरत है कि आखिर सबकुछ ठीक करने के बाद भी आपका रिफंड क्यों नहीं आया है? इनकम टैक्स नियमों के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 का रिटर्न प्रोसेस होने का समय 82 दिन है। जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में इसी प्रोसेस को पूरा करने के लिए 16 दिन लगे। अब असेसमेंट ईयर 2023-24 लिए यह समय कम होकर 10 कर दिया गया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अगर आपका रिटर्न वेरिफाई हो चुका है और रिफंड अभी तक नहीं आया है तो आपको क्या कर सकते हैं...

एक बार नोटिफिकेशन करें चेक

टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद वो कई फेज में वेरिफाई होता है और उसके बाद रिफंड को प्रोसेस किया जाता है। अगर आपके ये काम हो चुके हैं तो आपको इनकम टैक्स फाइलिंग के पोर्टल पर जाकर प्रोसेसिंग कंप्लीशन का नोटिफिकेशन जरूर चेक करने की जरुरत है।

यहां चेक करें स्टेटस

क्या आपने 31 जुलाई तक अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया था? अगर हां तो किसी तरह की मुश्किल आनी नहीं चाहिए। उसके बाद भी अगर आपका रिटर्न वेरिफाई नहीं हुआ है और रिफंड नहीं मिला है तो कई कारण हो सकते हैं। इसके लिए आपको जिसकी जानकारी आपको प्रोसेसिंग कंप्लीशन का नोटिफिकेशन में मिल सकती है। यहां चेक करने के बाद आप सुधार कर सकते हैं।

ये भी हो सकते हैं कारण

वैसे इनकम टैक्स रिफंड ना आने के लिए कई कारण हो सकते हैं। सबसे पहला और प्रमुख कारण आपकी जानकारी मैच ना होना है। जो आपने रिटर्न भरते वक्त जानकारी दी है वो 26एएस या एआईएस फॉर्म से मैच नहीं करती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	06-13 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	वृश्चिक.	08-22 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-36 बजे
बुध-	कन्या में	मकर..	12-43 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-33 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	16-11 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-47 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-32 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-32 बजे
		कर्क...	23-44 बजे
		सिंह...	01-57 बजे
		कन्या..	04-03 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-13 सूर्य अस्त - 17-48
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 01 -12- तक उपरान्त पंचमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , बुधवार 18 October
नक्षत्र - अनुराधा - 21- 00 - तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - आयुष्मान - 08 - 17 - तक उपरान्त सौभाग्य
करण- वणिज - 13 -23 - तक उप- विष्टि
विशेष:- व्रत -त्योहार - तुला मे बुध रात -01-14 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:01 से 13:29 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:13 - 07:38 शुभ	उत्पात	17:49 - 19:24 अशुभ
अमृत	07:38 - 09:06 शुभ	शुभ	19:24 - 20:56 शुभ
काल	09:06 - 10:34 अशुभ	अमृत	20:56 - 22:29 शुभ
शुभ	10:34 - 12:01 शुभ	चंचल	22:29 - 00:01 शुभ
रोग	12:01 - 13:29 अशुभ	रोग	00:01 - 01:34 अशुभ
उत्पात	13:29 - 14:56 अशुभ	काल	01:34 - 01:06 अशुभ
चंचल	14:56 - 16:24 शुभ	लाभ	03:06 - 04:39 शुभ
लाभ	16:24 - 17:49 शुभ	उत्पात	04:39 - 06:13 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप सफलतापूर्वक अपने रचनात्मक कार्यों को खत्म करने में सक्षम होंगे ! इस जश्न को मनाने के लिए आप एक पार्टी की मेजबानी की योजना भी बना सकते हैं और जिन्होंने भी इस यात्रा में आप का समर्थन किया एवं अपने विरोधियों को भी समारोह में आमंत्रित करें । अपनी कमाई और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी प्रयास करते रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप कुछ दिनों से निर्णय नहीं ले पा रहे थे जिसका असर आपके व्यहार में भी झलक रहा था पर ये समय ये सब बाते छोड़ कर कुछ कर दिखाने का समय है और साथ ही साथ अपने इस व्यहार को बदलने का भी । आप बिना भयभीत हुए निर्णय ले जो की आपके भविष्य के लिए अछा साबित हो । आप किसी अच्छे जानकर से भी अपने पैसे और अपने पेशे से संबंधित सुझाव ले सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यो का निष्पादन सही समय पर कर ले ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा । बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है । आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं । यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है । इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा । अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

शेयर बाजार के लिए मंगल रहा आज का दिन

बैंकिंग और मिड कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते तेजी के साथ हुआ क्लोज

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) मंगलवार का दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मंगल साबित हुआ है। सोमवार को एचडीएफसी बैंक के बेहतर तिमाही नतीजे और अच्छे ग्लोबल संकेतों के चलते बाजार हरे निशान में खुला और पूरे दिन तेजी के साथ ट्रेड करते हुए हरे निशान में ही क्लोज हुआ। हालांकि आखिरी घंटों में बाजार में दिन के हाई से थोड़ा नीचे जा फिसला। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 261 अंकों के उछाल के साथ 66,428 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 80 अंकों के उछाल के साथ 19,811 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते तेजी रही। इसके अलावा एफएमसीजी, एनर्जी, कमोडिटी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस मेटल्स, ऑटो और आईटी सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। जबकि केवल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। आज के ट्रेड में एक बार फिर मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 23 शेयर तेजी के साथ और निफ्टी के 50 शेयरों मे 38 शेयर तेजी के साथ और 12 गिरावट के साथ बंद हुए। शेयर बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है। आज के ट्रेड में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर 323.80 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 321.91 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.89 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

अनंत अंबानी की रिलायंस बोर्ड में अटक सकती है नियुक्ति

प्रॉक्सी फर्म ने शेयरहोल्डर्स से कहा- अनंत के खिलाफ वोट करें, उनके पास एक्सपीरियंस नहीं

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) इंस्टीट्यूशनल शेयरहोल्डर सर्विसेज ने शेयरहोल्डर्स से रिलायंस इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर के रूप में बिलेनियर मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की बोर्ड में नियुक्ति के प्रपोजल के खिलाफ वोट करने को कहा है। इससे अंबानी की सक्सेशन प्लानिंग पर असर पड़ सकता है। आईएसएस एक इंटरनेशनल प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म है।

अनंत की रिलायंस की बोर्ड में नियुक्ति पर सवाल

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसएस ने 12 अक्टूबर को एक नोट में कहा कि इस प्रपोजल के खिलाफ वोट जरूरी है, क्योंकि 28 साल के अनंत अंबानी का लगभग 6 सालों का लिमिटेड लीडरशिप/बोर्ड एक्सपीरियंस, बोर्ड में उनके योगदान पर चिंता और सवाल पैदा करता है।हालांकि,आईएसएस ने मुकेश अंबानी के बड़े बेटे आकाश और बेटी ईशा अंबानी की रिलायंस के बोर्ड में नियुक्ति का समर्थन किया है। आकाश और ईशा दोनों 31 साल के हैं। शेयरहोल्डर्स को आकाश, अनंत और ईशा की बोर्ड में नियुक्ति के प्रपोजल पर 26 अक्टूबर तक वोट देना है।

आईआईएएस ने भी अनंत की बोर्ड में नियुक्ति पर सवाल उठाए

आईएसएस से पहले मुंबई बेस्ड इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स एडवाइजरी सर्विसेज यानी आईआईएएस ने भी अनंत अंबानी की बोर्ड में नियुक्ति पर इसी तरह के सवाल उठाए थे। आईआईएएस ने कहा था कि 28 साल की उम्र में अनंत अंबानी की रिलायंस बोर्ड में नियुक्ति हमारी वोटिंग गाइडलाइंस के अनुरूप नहीं है। वहीं आईआईएएस ने भी आकाश और ईशा को चुनने के प्रस्ताव का समर्थन किया है।

फर्मों के सवालों पर रिलायंस ने दिया जवाब

नियुक्ति के सवालों पर रिलायंस ने कहा कि अनंत के पास बोर्ड मीटिंग्स में वैल्यू ऐड करने के लिए एक्सपीरियंस और मैच्योरिटी दोनों है। अनंत कई सालों से ग्रुप का बिजनेस देख रहे हैं और उन्हें सीनियर लीडरशिप का एक्सपीरियंस भी मिल रहा है, जिससे उनकी ग्रूमिंग हुई है। वह बोर्ड मीटिंग्स में योगदान देने में सक्षम हैं। एक और इंटरनेशनल प्रॉक्सी फर्म ग्लास लुईस ने अनंत की नियुक्ति का समर्थन किया है। कंपनी के एशिया-पैसिफिक रिसर्च डायरेक्टर डेकी विंडार्टो ने कहा कि आकाश और ईशा की उम्र अनंत से केवल तीन साल ज्यादा है, लेकिन तीनों का प्रोफेशनल एक्सपीरियंस लगभग बराबर है।

रिलांयस में विदेशी और लोकल इंस्टीट्यूशंस की 40% हिस्सेदारी

रिलायंस में कंपनी में फाउंडर्स की 41% से ज्यादा हिस्सेदारी है। वहीं विदेशी और लोकल इंस्टीट्यूशंस की 40% हिस्सेदारी है। ये निवेशक प्रॉक्सी फर्म्स के सुझावों पर वोट देते हैं। मुकेश अंबानी को 1977 में रिलायंस के बोर्ड में शामिल किया गया था, तब उनकी उम्र 20 साल थी।

आने वाले सीजन में 35 लाख शादियां होने का अनुमान, 4.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का हो सकता है कारोबार

नई दिल्ली , 17 अक्टूबर (एजेंसिया) त्योहारी सीजन तो देशभर के व्यापारियों और अर्थव्यवस्था के लिए शानदार रहने की उम्मीद है। लेकिन त्योहारी सीजन जैसे ही खत्म होगी शादियों के मौसम की शुरुआत हो जाएगी जिसका फायदा कारोबारियों से लेकर देश की अर्थव्यवस्था को होगा। 23 नवंबर, 2023 से शादियों का सीजन शुरू होने जा रहा है जो 15 दिसंबर तक चलेगा। और एक अनुमान के मुताबिक इस शादियों के सीजन में देशभर में करीब 35 लाख शादियां होने का अनुमान है। शादी की खरीदारी से लेकर शादियों में जरूरी सर्विसेज पर 4.25 लाख रुपये का कारोबार इस सीजन में होने का अनुमान है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने ये डेटा जारी किया है। कैट के महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया की कैट की रिसर्च शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा हाल ही देश के 20 प्रमुख शहरों के व्यापारियों एवं सर्विस प्रोवाइडर के बीच एक सर्वे किया गया है। सर्वे के मुताबिक राजधानी दिल्ली में इस सीजन में 3.5 लाख से अधिक शादियां होने की उम्मीद है, जिससे दिल्ली में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। पिछले साल इसी अवधि में करीब 32 लाख शादियां हुई थीं और उसमें 3.75 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान जताया गया था। इस शादियों में करीब 6 लाख शादियों में प्रति शादी 3 लाख रुपये खर्च का अनुमान है। 10 लाख शादियों में प्रति शादी करीब 6 लाख रुपये, 12 लाख शादियों में प्रति शादी लगभग 10 लाख रुपये, 6 लाख शादियों में प्रति शादी 25 लाख खर्च होंगे, 50 हजार शादियों में प्रति शादी 50 लाख खर्च होंगे और 50 हजार शादियाँ ऐसी होंगी जिनमें 1 करोड़ या उससे अधिक पैसे खर्च होंगे। ऐसे में एक महीने तक चलने वाले शादियों के सीजन में शादियों से जुड़ी चीजों के खरीदारी और सर्विसेज के जरिए 4.25 लाख करोड़ रुपये नगदी का फ्लो देखने को मिलेगा।

अपने देश के लिए दुनियाभर से इजराइल लौट रहे यहूदी

सैनिकों के लिए जरूरी सामान ला रहे, बॉस बोले- जाओ, नौकरी सेफ है

तेल अवीव, 17 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। इजराइल के दूसरे सबसे बड़े शहर तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट का डिपार्चर एरिया खाली है। दूसरी तरफ अराइवल पर एक के बाद एक लोग और सामान की खेप आ रही है। ये लोग दुनियाभर में रहने वाले यहूदी हैं, जो सेना में शामिल होकर युद्ध लड़ने आ रहे हैं। एयरपोर्ट से बाहर निकलने वाले लोगों में गुस्सा है। उन्होंने हमास के हमले के वीडियो देखे और अपना काम छोड़कर निकल पड़े। अब ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन हर जगह से यहूदी अपनी नौकरी और काम की चिंता किए बिना मुल्क लौट रहे हैं।

ये लोग खाली हाथ नहीं आ रहे, बल्कि जंग में इस्तेमाल होने वाली चीजें भी ला रहे हैं। सभी के पास बड़े-बड़े बैग और कार्टन्स हैं, जिनमें मेडिकल सप्लाई, इलेक्ट्रॉनिक चीजें जैसे फौजियों को लगने वाले इयरप्लग्स और क्रिटिकल केयर से जुड़ी चीजें हैं। इजराइल लौट रहे लोगों में ज्यादातर कम उम्र के लड़के-लड़कियां हैं। कोई वॉलंटियर बनना चाहता है, तो कोई फ्रंट लाइन पर लड़ने के लिए तैयार है। कोई सप्लाई चेन में काम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। कोई डॉक्टर है, तो वो आर्मी के साथ मेडिकल केयर में शामिल होगा।

जंग की कवरेज के दौरान तेल अवीव के एयरपोर्ट पर सबसे पहले इसखाक सोरेक मिले। अमेरिका के फ्लोरिडा से आए हैं। बहन अदीना भी साथ थीं। अदीना इजराइल में ही पढ़ाई करती हैं। इसखाक अपने साथ 39 सूटकेस लाए हैं। इसमें सैनिकों के लिए कपड़े और दूसरे जरूरी सामान हैं।

इसखाक कहते हैं, 'हमास के हमले के बाद मन में डर और दुख था। मेरे ग्रैंडपेरेंट्स यहां रहते हैं। मैं अमेरिका में खुद को बेबस महसूस कर रहा था। सोच रहा था कि मुझे इजराइल में होना चाहिए था। मैं सेना में रहा हूं, इसलिए मैंने आने का फैसला लिया। मैंने वनवे टिकट करवाया है। मैं सेना के दोस्तों के कॉन्टैक्ट में हूं। पहले जो सामान लाया हूं, उसे पहुंचाऊंगा, फिर बेस पर जाकर अपनी यूनिट जॉइन करूंगा।'

एयरपोर्ट पर 47 साल के जॉश स्पोडेक भी मिले। जॉश बेटे इसखाक के साथ आए हैं। जॉश भी फ्लोरिडा में रहते हैं। वे कहते हैं, 'हमले के बाद ही बेटे ने तय कर लिया था कि उसे इजराइल जाना है। इसके बाद हम दोनों ने 11 अक्टूबर को फ्लाइट ली और आ गए। 10 हजार डॉलर का सामान खरीदा और साथ लेकर आए हैं। इसमें कपड़े, दवाएं और स्नैक्स हैं।'

इजराइल-हमास की जंग पर जॉश स्पोडेक कहते हैं, 'ये सिविलाइजेशन का क्लैश है। ये दो अलग-अलग विचारों के बीच लड़ाई है। एक विचार डेमोक्रेसी, आजादी और शांति का है, और दूसरा विचार आतंक को सपोर्ट करता है। हम ये लड़ाई जरूर जीतेंगे।' 'ये पॉलिटिक्स का मसला नहीं है। ये आतंक का मसला है। हमास का मतलब फिलिस्तीन नहीं है। फिलिस्तीनी तो अच्छे हैं। वे इजराइल को खत्म नहीं करना चाहते। इजराइलियों को मारना नहीं चाहते। हमास उन्हें रिप्रजेंट नहीं करता।' न्यूयॉर्क से आईं टार फेल्डमेन कहती हैं कि हमास के हमले के बाद सभी लोग काफी डर गए थे। अब जंग शुरू हो गई है, इसलिए मैं मदद के लिए आई हूं। ऑस्ट्रेलिया से आईं शालेव एडेलमान कहती हैं, 'मैं पहले आर्मी में रह चुकी हूं। लगा कि इस वक्त मुझे लौटना चाहिए। मैं अपने देश और कम्युनिटी की मदद के लिए आई हूं।'

नॉर्थ इजराइल के रहने वाले मेंडी जेलिकोविच न्यूयॉर्क से आए हैं। मेंडी सिर्फ हिब्रू भाषा बोलते

हैं। हमने अपने ड्राइवर के जरिए उनसे बात की। मेंडी कहते हैं, 'मुझे भरोसा है कि इजराइल दुनिया की सबसे सेफ कंट्री है। 7 अक्टूबर को जो हुआ, वो बहुत दुख पहुंचाने वाला था। बहुत लोग मारे गए। मैं उनकी मदद के लिए आया हूं।

एयरपोर्ट पर हमें टैक्सी ड्राइवर डेनियल मिले। यरुशलम में रहते हैं। डेनियल कहते हैं, 'जंग शुरू होने के बाद एयरपोर्ट का माहौल ही बदल गया है। पहले कई फ्लाइट आती थीं, अब सब बंद हो गई हैं। ये डिजास्टर की तरह है। आगे क्या होने वाला है, कुछ नहीं कह सकते।'

दुनिया में यहूदियों की आबादी करीब 1.7 करोड़ है। ये कुल आबादी का सिर्फ 0.2% है। ये कम्युनिटी 112 देशों में रहती हैं। सबसे ज्यादा 70 लाख या दुनियाभर के 43% यहूदी इजराइल में रहते हैं। दूसरे नंबर पर अमेरिका है, जहां 57 लाख यहूदी हैं। इसके बाद फ्रांस, वेस्ट बैंक, कनाडा, ब्रिटेन, अर्जेंटीना, रूस, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी का नंबर आता है। भारत में करीब 8 हजार यहूदी हैं। सबसे ज्यादा आबादी महाराष्ट्र के मुंबई में है। कोलकाता, दिल्ली और पुणे में भी यहूदी आबादी रह रही है।

अमीरों में शुमार, कई बड़ी कंपनियों के मालिक

यहूदियों की आबादी भले कम हो, लेकिन इस कम्युनिटी के लोग अमीरों में शुमार हैं। फोर्ब्स ने फरवरी, 2023 में सबसे अमीर यहूदियों की लिस्ट जारी की थी। इसमें 1 बिलियन डॉलर या करीब 74 अरब रुपए नेटवर्थ वाले 267 नाम हैं। इनकी कुल नेटवर्थ 1.7 ट्रिलियन डॉलर हैं, जो भारत की कुल जीडीपी का 60% है।

लिस्ट के मुताबिक, दुनिया के चौथे सबसे अमीर शख्स लैरी एलिसन की नेटवर्थ 103 बिलियन डॉलर आंकी गई थी। दूसरे नंबर पर लैरी पेज हैं, जिनकी नेटवर्थ 85.2 बिलियन डॉलर है। तीसरे नंबर पर सर्गेई ब्रिन हैं, जिनकी नेटवर्थ 81.8 बिलियन डॉलर है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग भी इसी कम्युनिटी से आते हैं। फोर्ब्स की लिस्ट में वे 42.7 बिलियन डॉलर नेटवर्थ के साथ 7वें नंबर पर हैं। सबसे ज्यादा यहूदी अरबपति अमेरिका में रहते हैं।

7 अक्टूबर से शुरू हुई इजराइल और हमास की जंग में अब तक 4 हजार से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। गाजा हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, 2,808 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 10 हजार से ज्यादा घायल हैं। इजराइली हमले की आशंका के बीच गाजा पट्टी में 10 लाख से ज्यादा लोगों ने घर छोड़ दिया है।

इजराइल गाजा में हमला करके हमास की लीडरशिप को खत्म करना चाहता है। उसने कहा है कि वो हमास को खत्म करने के लिए बड़ा अभियान शुरू करने वाला है। उसके सपोर्ट के लिए अमेरिका के वॉरशिप पहुंच चुके हैं। बीते एक हफ्ते के इजराइल ने गाजा पट्टी में जबरदस्त एयरस्ट्राइक की हैं। हालांकि, हमास अब भी इजराइल पर रॉकेट अटैक कर रहा है।

इस बीच पूरे गाजा में यूनाइटेड नेशंस के शेल्टर होम में पानी खत्म हो गया है। बड़े अस्पतालों में मरीजों के इलाज में मुश्किल हो रही है। उन्हें डर है कि अगर जनरेटर्स में फ्यूल खत्म हो गया, तो हजारों मरीज मर सकते हैं।

इजराइल की राजधानी पर रॉकेट अटैक

इजराइल-हमास की जंग के बीच सोमवार को इजराइली संसद नीसेट का सत्र शुरू हुआ। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' की रिपोर्ट के मुताबिक, सत्र शुरू होने के पहले तेल अवीव और यरूशलम पर हमास की तरफ से रॉकेट दागे गए। सिक्योरिटी के लिहाज से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत तमाम सांसदों को कुछ देर के लिए संसद के नीचे बने बंकरों में छिपाया गया।

लेबनान के आतंकी गुट हिजबुल्लाह ने इजराइली आर्मी की चेक पोस्ट पर लगे कैमरे तोड़ना शुरू कर दिया है। हिजबुल्लाह ने सोमवार को कहा कि इजराइल-हमास युद्ध के बाद तनाव बढ़ने की वजह से उसने ऐसा किया है।

हमास के हमले के बाद से लेबनान सीमा पर भी तनाव है। यहां फायरिंग में हिजबुल्लाह के 4 लड़ाकों समेत 7 लोग मारे गए हैं। यही वजह है कि हिजबुल्लाह इजराइल को अपनी एक्टिविटी देखने से रोकना चाहता है। उधर, इजराइल ने कहा है कि लेबनान बॉर्डर पर 2 किलोमीटर दूर तक का इलाका खाली कराया जाएगा। रविवार को हिजबुल्लाह ने इजराइल के एक गांव पर मिसाइल अटैक किया था, इसमें एक शख्स की मौत हो गई थी। इसराइली सेना ने आरोप लगाया है कि हिजबुल्लाह को ईरान आदेश दे रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सोमवार दोपहर फिर इजराइल पहुंच गए। इजराइल पर हमास के हमले के बाद गुरुवार को वे तेल अवीव पहुंचे थे। इसके बाद यहीं से जॉर्डन, सऊदी अरब और इजिप्ट के दौरे पर गए थे। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी इजराइल के दौरे पर जा सकते हैं, हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अंतागढ़ से अनूप नाग निर्दलीय लड़ सकते हैं चुनाव

समर्थकों ने कहा- टिकट काटकर कांग्रेस ने धोखा दिया, सरपंच चुनाव हारने वाले को मौका दिया

कांकेर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांकेर के अंतागढ़ विधानसभा से कांग्रेस से टिकट कटने के बाद मौजूदा विधायक अनूप नाग निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं। इन अटकलों पर अनूप नाग ने अब तक कुछ भी नहीं कहा है। लेकिन कार्यकर्ता और समर्थकों में नाराजगी ने पार्टी की टेंशन बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने टिकट काटकर धोखा दिया और सरपंच चुनाव हारने वाले को मौका दिया।

15 अक्टूबर को कांग्रेस ने अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें अंतागढ़ से मौजूदा विधायक अनूप नाग का टिकट काट कर युवा चेहरे रूप सिंह पोटाई पर दांव खेला। अब अनूप नाग के समर्थकों में खासी नाराजगी है। समर्थकों ने अंतागढ़ में एक बड़ी बैठक की, जिसमें

अनूप को निर्दलीय मैदान में उतारने की बात प्रमुखता से रखी गई।

पखांजूर क्षेत्र में भी एक बड़ी बैठक हुई है, जिसमें कई गांव के प्रमुख शामिल हुए। सभी ने अनूप नाग को निर्दलीय चुनाव लड़वाने की बात एक स्वर में कही। कांग्रेस के पखांजूर क्षेत्र के नेता अनिमेश चक्रवर्ती ने कहा कि अनूप नाग का टिकट काटकर पार्टी ने धोखा किया है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रत्याशी रूपसिंह पोटाई को टिकट दिया गया। वह अपने ही गांव से सरपंच का चुनाव 631 वोट से हार गए थे। जिस व्यक्ति से अपना गांव नहीं संभल रहा है, उसे पार्टी ने विधानसभा का प्रत्याशी बनाया, जो की स्वीकार नहीं है।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में बड़ा फैसला

हेमंत सोरेन पर पीड़क कार्रवाई करने को लेकर रोक, 21 नवंबर को फिर होगी सुनवाई

रांची, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ष 2014 में चुनाव के आचार संहिता उल्लंघन किए जाने के मामले को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। आज हुई सुनवाई में जस्टिस एसके द्विवेदी ने सीएम हेमंत सोरेन पर इस मामले में किसी भी तरह की पीड़क कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। अदालत ने राज्य सरकार को इसी मामले में प्रति शपथपत्र दाखिल करने को कहा है। जबकि प्रार्थी की ओर से आचार संहित उल्लंघन करने को लेकर दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की है। अब इस मामले में 21 नवंबर को अगली सुनवाई की जाएगी। झारखंड हाईकोर्ट में सीएम हेमंत सोरेन की ओर से जो याचिका दर्ज की गई है, उसमें बताया गया है कि साल 2014 में वे अपने पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनाव प्रचार करने गए थे। जहां उन्होंने आचार संहिता का उल्लंघन भी नहीं किया। इसके बाद भी उन पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज कर दिया गया। एक सुनवाई पूर्वी सिंहभूम की निचली अदालत में चल रही है। प्रार्थी ने निचली अदालत में चल रही कार्रवाई और दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने की मांग की है। आचार संहिता उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला आदित्यपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी में हेमंत सोरेन को आईपीसी की धारा 188,506 और 125 रुपये एक्ट (रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट) की धाराओं में आरोपी बनाया गया है।

धड़ल्ले से चल रहा है लाटरी का धंधा

चाय की दुकानों पर भी गुलजार लाटरी का कारोबार, मधुपुर में फैलता गोरखधंधा

देवघर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में लौटरी पर बैन है लेकिन बंगाल से सटे कई ऐसे शहर हैं जहां लौटरी आसानी से उपलब्ध है। देवघर जिले के मधुपुर अनुमंडल में दुर्गा पूजा के आते ही अवैध लौटरी का कारोबार एक बार फिर सक्रिय हो गया है। पूजा के दौरान इस बाजार को बड़ा करने के लिए नए-नए एजेंट को तैयार किये जा रहे हैं।

मधुपुर अनुमंडल में प्रतिबंध लौटरी का सेल करने के लिए माफिया है जो टिकट बेचकर लाखों कमा रहे है। स्थानीय लोग बताते हैं कि प्रशासन इस धंधे को लेकर सजग है कि लेकिन इस पर पूरी तरह लगाम नहीं लग सकता है। अवैध लौटरी के धंधे को लेकर स्थानीय लोगों ने भी आवाज उठाई है। पत्रकारों ने भी ट्वीट किया है लेकिन धंधा अब भी चल रहा है।

प्रशासन ने कई जगहों पर छापेमारी की है, कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया लेकिन अब भी

पुलिस और प्रशासन की पहुंच से कई बड़े माफिया दूर हैं। प्रशासन के आंख पर धूल झोंक कर धडल्ले से अपना काम जारी रखते हैं। बेचारे चौक चौराहे पर बेच रहे दिल लौटरी टिकट के घर में कुछ महीने पहले छापेमारी हुई थी। गिरफ्तार अपराधियों ने इन लोगों ने बेल भी करवा लिया और एक बार फिर इसी धंधे में जुड़ गये हैं।

डॉक्टर विजय कुमार राय कहते हैं इस इलाके में लौटरी की वजह से ना सिर्फ वर्तमान बल्कि भविष्य भी खराब हो रहे हैं।

कई लोग ज्यादा पैसे जीतने की लालच में घर के राशन के पैसों से लौटरी खरीदते हैं फिर घर में झगड़ा होता है जो इस इलाके में आम है। साथ ही कई मासूम बच्चों को भी लौटरी का धंधा करने वाले अपने साथ ले रहे हैं ऐसे में भविष्य भी खतरे में है।

रांची सदर अस्पताल से महिला कूदी

तीसरी मंजिल से लगाई छलांग, रिम्स में इलाजरत, स्त्री रोग विभाग में थी एडमिट

रांची, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची के सदर अस्पताल से एक इलाजरत महिला ने छलांग लगा दी है। महिला सदर अस्पताल के स्त्री रोग विभाग में लंबे समय से इलाज करा रही थी। आज उसका एक ऑपरेशन होने वाला था। उसने आत्महत्या का प्रयास क्यों किया, यह पता नहीं चल सका है। प्राथमिक सूचना के मुताबिक उसने सदर अस्पताल की तीसरी मंजिल से छलांग लगाई।

इस संबंध में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर ए खेतान ने बताया कि मरीज के छलांग लगाने की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधन मौके पर पहुंचा और उसे आनन-फानन में रिम्स भेजा गया। उसकी स्थिति गंभीर है। रिम्स में उसका इलाज चल रहा है। कहा जा रहा है कि पारिवारिक विवाद की वजह से वह तनाव में चल रही थी। पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार महिला रामगढ़ की रहने वाली है। उसका नाम सुनीता देवी बताया गया है। वह नौ अक्टूबर को सदर अस्पताल में भर्ती हुई थी। स्त्री रोग विभाग में इलाज करा रही थी। घटना के बाद उसे तत्काल इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया, जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजा गया।

शाह की सभा में ईश्वर की उपस्थिति के सियासी मायने

भाजपा साजा के आस-पास की सीटों पर ध्रुवीकरण करना चाह रही?

रायपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्या भाजपा बेमेतरा के बीरनपुर में मारे गए भुवनेश्वर साहू की हत्या के मुद्दे को छत्तीसगढ़ में चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में है? कम से कम राजनांदगांव में गृहमंत्री अमित शाह की सभा के मंच पर दिवंगत भुवनेश्वर साहू के पिता, ईश्वर साहू की उपस्थिति के तो यही सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में चुनाव तारीखों की घोषणा के बाद पहली बड़ी सभा सोमवार को राजनांदगांव में हुई। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह और भाजपा के दूसरे प्रत्याशियों के नामांकन की रैली में शामिल होने पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने इस सभा को संबोधित किया। इस साल अप्रैल में पड़ोसी ज़िले बेमेतरा के बीरनपुर में सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए भुवनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है। अमित शाह की सभा में वह भी मंच पर मौजूद थे और

अमित शाह ने खास तौर पर ईश्वर साहू का उल्लेख किया, बीरनपुर की घटना का ज़िक्र किया।

ईश्वर साहू को भाजपा प्रत्याशी बनाये जाने के बाद से ही माना जा रहा था कि साजा विधानसभा और उसके आसपास के इलाके में ईश्वर साहू के बहाने, हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश होगी। लेकिन सोमवार को राजनांदगांव की सभा के बाद ऐसा लग रहा है कि मामला केवल साजा या बेमेतरा ज़िले तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि दुर्ग संभाग और छत्तीसगढ़ के दूसरे मैदानी इलाकों में भी भाजपा, इस हत्या को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर सकती है। तस्वीर का दूसरा पहलू ये है कि उसी बीरनपुर गांव में भुवनेश्वर साहू की हत्या के दो दिन बाद, अल्पसंख्यक समुदाय के दो लोग मारे गए थे। भुवनेश्वर साहू के परिजनों के साथ तो पूरी भाजपा खड़ी रही लेकिन किसी राजनीतिक दल ने अल्पसंख्यक समुदाय के बाप-बेटों के परिजनों से मिलने तक की ज़रुरत नहीं समझी। लोक कल्याणकारी और धर्मनिरपेक्ष राज्य की अवधारणा में भरोसा रखने वाली कांग्रेस पार्टी की सरकार का भी कोई जनप्रतिनिधि इनसे मिलने नहीं पहुंचा। ज़ाहिर है, कांग्रेस पार्टी भी हिंदू वोटों के मामले में कोई समझौता नहीं करना चाहती। यूं भी, भूपेश बघेल की सरकार ने पिछले पांच सालों में भाजपा से उसका एजेंडा छीनने में, अपनी पूरी ताक़त लगाई है।

सोमवार को ही राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री के ख़िलाफ़ कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी गिरीश देवांगन ने पर्चा दाखिल किया। पिछले चुनाव में रमन सिंह के मुकाबले अटल बिहारी बाजपेयी की भतीजी डॉक्टर करुणा शुक्ला को कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर हार का सामना करना पड़ा था।

एरिया कमांडर महेश्वर गिरफ्तार

नक्सली संगठन टीएसपीसी का एरिया कमांडर महेश्वर गिरफ्तार, लेवी वसूली के लिए इलाके में फैला रहा था दहशत

पलामू, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। नक्सली संगठन टीएसपीसी का एरिया कमाण्डर महेश्वर राम उर्फ विक्रम जी उर्फ कुन्दन जी उर्फ शेखर हथियार के साथ पलामू पुलिस की गिरफ्त में आ गया है।उसके पास से मिले एक डायरी और दो मोबाइल फोन को पुलिस खंगाल रही है।

चार माह पहले जेल से निकला

हरिहरगंज के भंवर टोला गांव का रहने वाला महेश्वर चार माह पहले जेल से निकला था। इसके बाद से संगठन को इलाके में मजबूत बनाने में लगा था। हरिहरगंज, पीपरा, छतरपुर इलाके में माइंस, क्रसर, ठेकेदार, ईंट भट्ठा संचालक को डरा धमका कर लेवी वसूली कर रहा था। पुलिस को इसके गतिविधियों की जानकारी मिल रही थी। एसडीपीओ अजय कुमार ने बताया कि रविवार को हरिहरगंज थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास को सूचना मिली थी कि एरिया कमांडर महेश्वर मंगरदाहा के पास लेवी वसूलने आया हुआ है। नक्सली महेश्वर के गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर कारवाई की गई। उसे घेरने लिए पथरा ओपी प्रभारी नितीश कुमार को सशस्त्र बल के साथ भॉवर मोड़ के पास बुलाया गया। यहां से सशस्त्र बल के साथ मंगरदाहा ढोढ़ा के तरफ पुलिस बढ़ी। मंगरदाहा ढोढ़ा के पास पहुंचने पर सुनसान स्थान में एक झोपड़ी दिखाई दिया।

झोपड़ी के पास पुलिस टीम गई तो उसमें से निकलकर एक व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया। पकड़ कर पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान टीएसपीसी एरिया कमाण्डर महेश्वर राम उर्फ विक्रम जी उर्फ कुन्दन जी उर्फ शेखर जी बताया। महेश्वर की तलाशी लेने पर उसके कमर से एक देशी लोडेड कट्टा और पॉकेट से एक गोली मिला है।

चुनाव के मद्देनजर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायगढ़, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायगढ़ में पुलिस की टीम ने वाहन चेकिंग के दौरान तीन कारों से लाखों रुपये बरामद किए। भारी मात्रा में कैश रखने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने पर जूटमिल पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस और फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने 3 अलग-अलग कार से करीब 16 लाख रुपये कैश बरामद किया है। पकड़े गए लोगों द्वारा भारी मात्रा में रुपये रखने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने पर जूटमिल पुलिस ने कार्रवाई की। राज्य में आचार संहिता लागू है। सोमवार को एफएसटी व जूटमिल पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा छातामुड़ा चौक के पास वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान ब्रेजा कार क्रमांक सीजी 13 एएम 9487 में सवार नीरज अग्रवाल पिता कृष्ण अग्रवाल (44) निवासी सत्तीगुड़ी चौक रायगढ़ के पास रखे बैक को चेक किया गया। इस दौरान बैग में 2 लाख 64 हजार 500 रुपये बरामद हुए। वहीं सेंट्रो कार क्रमांक सीजी चार एमटी 8453 में सवार बबलू मलिक पिता हबीब मलिक निवासी गौशाला पैजमुड़ा जिला संबलपुर ओडिशा के पास रखे बैग की जांच की गई तो उसमें चार लाख रुपये बरामद हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी की 3 सभाओं की तैयारी

सीएम योगी और स्मृति इरानी समेत कई स्टार प्रचारक भाजपा के लिए बनाएंगे माहौल

रायपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद 15 सीटों पर सिमटी भाजपा इस बार फिर सत्ता की आस में है। सरकार बनाने के लिए विपक्ष पुरजोर कोशिश कर रहा है। हर बार की तरह इस बार भी छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में स्टार प्रचारकों का जमावड़ा होगा, जो राज्य में बीजेपी की सियासी जमीन को मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक प्रदेश में दो चरणों के चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3 बड़ी सभाओं के आयोजन की तैयारी है। जिसमें मोदी छत्तीसगढ़ को लेकर बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। ये घोषणाएं चुनावी माहौल का रुख बीजेपी की तरफ मोड़ने की बड़ी कोशिश होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रायपुर, रायगढ़ और बस्तर में सभा को संबोधित कर चुके हैं। माना जा रहा है कि सरगुजा और राजनांदगांव इलाके में प्रधानमंत्री की सभा की जाएगी। सियासी जरूरत को भांपते हुए जगहें तय की जाएंगी। छत्तीसगढ़ में पीएम नरेंद्र मोदी की सभा को भाजपा अपने मास्टर स्ट्रोक की तरह पेश करना चाहती है। पिछली सभाओं में आई भीड़ ने भाजपा का कॉन्फिडेंस बढ़ाया है।

स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी होंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, राजनाथ सिंह जैसे नेताओं का छत्तीसगढ़ आने का कार्यक्रम है।

अमित शाह दो दिन के भीतर दूसरी बार छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। 16 अक्टूबर को उन्होंने राजनांदगांव में सभा ली और 19 अक्टूबर को बस्तर आएंगे। 18 अक्टूबर को कवर्धा में विजय शर्मा की नामांकन रैली में असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा शामिल हो सकते हैं। लोरमी में भी असम के सीएम का कार्यक्रम होगा। 19 अक्टूबर को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और 20 अक्टूबर को रविशंकर प्रसाद की सभा होगी। योगी आदित्यनाथ 2 दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे, जिसमें वो 23 और 24 अक्टूबर को सरगुजा संभाग में सभाओं को सम्बोधित करेंगे।

आईडीएफ का लेबनान के हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों पर हमला

गाजा के आसपास लगातार सायरन की आवाजें

यरूशलम, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली वायु सेना (आईएएफ) ने गोलीबारी के जवाब में लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों और सैन्य ढांचों पर हमला किया है। इस बात की जानकारी इजराइली वायु सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। वायु सेना ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'थोड़ी देर पहले आईएएफ ने लेबनान में हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों और सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया है। सोमवार को इजराइली रक्षा बल ने बताया कि लेबनान सीमा पर मौजूद कई सैन्य पोस्ट गोलीबारी की चपेट में आ गया।'

पोस्ट कर गोलीबारी की जानकारी दी

एक्स पर एक पोस्ट जारी करते हुए इजराइली वायु सेना (आईडीएफ) ने बताया कि आईडीएफ टैंक की तरफ गोली दागे गए, जिसके जवाब में इजराइल की तरफ से भी गोलीबारी की गई। गाजा के आसपास सायरन चलाया गया। लगातार 10 दिनों से इजराइल पर हमास के आतंकी हमले कर रहे हैं। एक अन्य पोस्ट पर आईडीएफ ने शुरा काउंसिल के अध्यक्ष ओसामा मजिनि के मौत की जानकारी देते हुए बताया कि हवाई हमले के दौरान मजिनी की मौत हो गई। आईडीएफ के अनुसार मजिनी इजराइल के खिलाफ हमास के आतंकी गतिविधियों को निर्देशित करता था। इजराइल ने सोमवार को लेबनान से सटे क्षेत्रों में रह रहे लोगों से जगह खाली करने को कहा। सभी लोगों को फिलहाल राज्य वित्त पोष्त गेस्ट हाउस में रखा गया है। मीडिया सूत्रों के अनुसार लेबनान से सटे इजराइल क्षेत्र में छह एंटी टैंक गाइडेड मिलाइलें दागी गई, जिसमें एक नागरिक की मौत हो गई। इसके अलावा भी नौ रॉकेट और दागे गए, जिसमें फिलहाल किसी के भी हताहत होने की कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम की मांग करने वाला रूस का प्रस्ताव खारिज

किसका वोट किसे गया

वॉशिंगटन, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में सोमवार रात गाजा में जारी हिंसा पर लाए गए रूस का प्रस्ताव खारिज हो गया। दरअसल रूस के प्रस्ताव में गाजा में आम नागरिकों के खिलाफ हो रही हिंसा की निंदा करते हुए युद्धविराम की मांग की गई थी, लेकिन इसमें हमास या उसके द्वारा इजराइली नागरिकों पर किए गए बर्बर हमले का जिक्र ही नहीं किया गया था। ऐसे में पश्चिमी देशों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। 15 सदस्यों वाली सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पास होने के लिए 9 वोटों की जरूरत थी लेकिन प्रस्ताव के समर्थन में सिर्फ चार देशों ने मतदान किया। वहीं चार देशों ने इसके खिलाफ वोट दिया। रूसी प्रस्ताव के समर्थन में जिन देशों ने वोट किया, उनमें चीन, संयुक्त अरब अमीरात, मोजाम्बिक और गैबोन शामिल हैं। वहीं प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने वाले देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और फ्रांस शामिल हैं। छह अन्य देश मतदान में शामिल ही नहीं हुए। बता दें कि इजराइल और हमास के बीच छिड़ी लड़ाई को लगभग दो हफ्ते का समय बीत चुका है लेकिन अभी तक संयुक्त राष्ट्र की सबसे अहम निकाय सुरक्षा परिषद, जिस पर वैश्विक शांति और सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वह इस हिंसा को रोकने में विफल रही है। बीती सात अक्तूबर को फलस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इजराइली सीमा में घुसकर 1400 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। वहीं इजराइल के जवाबी हमले में अब तक गाजा पट्टी में 2750 के करीब लोगों की जान जा चुकी है। गाजा पर रूसी प्रस्ताव पर मतदान से पहले रूसी राजनयिक वेसिली नेबंजिया ने सदस्य देशों से समर्थन मांगते हुए कहा कि गाजा संकट अभूतपूर्व है और इसमें हताहतों की संख्या हर घंटे बढ़ रही है। रूसी राजनयिक ने इजराइल और गाजा में आम नागरिकों की मौतों की कड़ी निंदा की। वहीं रूसी प्रस्ताव खारिज होने के बाद वेसिली नेबंजिया ने कहा कि एक बार फिर साबित हो गया है कि सुरक्षा परिषद पश्चिमी देशों के स्वार्थों की बंधक है और यह बीते दशक की सबसे गंभीर हिंसा रोकने के लिए एकजुट संदेश देने में विफल रही है।

वहीं अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा कि रूसी प्रस्ताव में हमास का जिक्र ही नहीं है जबकि हमास ने इजराइली नागरिकों, यहूदियों को तबाह करने की नीयत से हमला किया। रूस हमास की निंदा नहीं कर इस आतंकी संगठन के बर्बर कृत्य का बचाव कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमास के हमले की वजह से ही गाजा में यह गंभीर मानवीय संकट पैदा हुआ है। अमेरिकी राजदूत ने गाजा में जारी हिंसा की भी निंदा की लेकिन ये भी कहा कि आतंकी हमले का जवाब देना इजराइल का अधिकार है। ब्रिटेन की राजदूत बारबरा वुडवार्ड ने रूसी प्रस्ताव की निंदा करते हुए कहा कि इजराइल पर हुए उसके इतिहास के सबसे बर्बर हमले को इस प्रस्ताव में नजरअंदाज किया गया है।

पाकिस्तान सेना और आतंकियों के बीच दो अलग-अलग जगह मुठभेड़

दो जवानों की मौत

इस्लामाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सेना और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ में दो जवान और दो आतंकी मारे गए। यह घटना सोमवार को उत्तरी और दक्षिणी वजिरिस्तान जिले में घटी। पहला मुठभेड़ दक्षिणी वजिरिस्तान जिले के असमां मुंजा इलाके में हुआ, जहां सेना ने आतंकियों का सामना किया और एक को मार गिराया। वहीं इस मुठभेड़ में एक अन्य आतंकी घायल हो गया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान जारी करते हुए बताया कि जवाबी गोलीबारी में एक जवान की मौत हो गई। इसके अलावा उत्तरी वजिरिस्तान के मिरान शाह इलाके में हुई गोलीबारी में एक जवान और एक आतंकी की मौत हो गई। अबतक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस क्षेत्र में होने वाले ज्यादातर हमलों के लिए पाकिस्तान कहरीक-ए-तालिबान आतंकी संगठन जिम्मेदार है।

क्या इजराइल में बाइडेन को बंकर में रहना होगा

दौरे से पहले हमास ने तेल अवीव पर रॉकेट दागे, नेतन्याहू को संसद सत्र रोकना पड़ा

तेल अवीव, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। 16 अक्टूबर, तेल अवीव में इजराइली संसद के शीत सत्र का पहला दिन था। इसे शुरू हुए चंद मिनट हुए थे कि अलर्ट सायरन बजने लगे। इस वक्त एक महिला सांसद बोल रहीं थीं। उन्होंने स्पीच बंद की और इसके फौरन बाद सभी सांसद और प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंकरनुमा रूम्स में चले गए। कुछ देर बाद कार्यवाही फिर शुरू हुई।

ऐसे वक्त में 80 साल के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कल, यानी 18 अक्टूबर को इजराइल जा रहे हैं। उनका ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब हमास लगातार इजराइल पर रॉकेट बरसा रहा है। ऐसे में इजराइल में राष्ट्रपति बाइडेन के सामने सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सिक्योरिटी की भी बड़ी चुनौती होगी। ऐसा भी हो सकता है कि उन्हें भी किसी बंकर में पनाह लेनी पड़े।

घंटों की बहस के बाद तेल अवीव जाने का फैसला

बाइडेन ने इजराइल जाने से पहले अपने टॉप इंटेलिजेंस ऑफिशियल्स और एडवाइजर्स से मुलाकात की। इस बात पर घंटों बहस हुई की बाइडेन को इजराइल दौरे के लिए नेतन्याहू का निमंत्रण स्वीकार करना चाहिए कि नहीं।

इसके बाद ही बाइडेन का तेल अवीव जाना तय हुआ। सोमवार रात एक प्रेस ब्रीफिंग में अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा- प्रेसिडेंट बाइडेन न सिर्फ तेल अवीव, बल्कि जॉर्डन भी जाएंगे। यहां वो जॉर्डन, मिस्र और फिलिस्तीन के बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगे।

इजराइल में मौजूद है अमेरिका की सीक्रेट सर्विस

बाइडेन अब तक 10 बार इजराइल गए हैं। वो पहली बार 1973 में अरब-इजराइल जंग से ठीक पहले तेल अवीव गए थे। तब वो सिर्फ एक सांसद थे। वहीं, उनका आखिरी इजराइल दौरा जुलाई 2022 में हुआ था। तब नेतन्याहू प्रधानमंत्री नहीं थे। इस दौरान उन्होंने कहा था- मैं इजराइल में सुरक्षित महसूस करता हूं।

बाइडेन इस साल जंग के बीच यूक्रेन भी गए थे। तब भी उनकी सिक्योरिटी को लेकर सवाल उठे थे। यूक्रेन में तो बाइडेन की सिक्योरिटी एजेंसी सीक्रेट सर्विस को सपोर्ट करने के लिए और अमेरिकी सैनिक भी तैनात नहीं थे। इसलिए उसे सीक्रेट रखा गया था। जॉन किर्बी के मुताबिक इजराइल में ऐसा नहीं हैं।

बाइडेन की सुरक्षा के लिए है जिम्मेदार सीक्रेट सर्विस

अमेरिका के राष्ट्रपति की सिक्योरिटी का पूरा जिम्मा सीक्रेट सर्विस के पास होता है। ये एजेंसी 1865 में बनी थी, हालांकि इसे राष्ट्रपति की सुरक्षा का काम 1901 में सौंपा गया था। इसके लिए लगभग 7000 हजार एजेंट और अफसर सीक्रेट सर्विस में काम करते हैं। इसमें महिलाएं भी हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति दुनिया के सबसे ताकतवर राष्ट्रपति माने जाते हों, लेकिन उनकी सुरक्षा पर फैसले लेने का काम सीक्रेट सर्विस का है। अगर राष्ट्रपति चाहें तो भी उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाता है। अगर अमेरिका के राष्ट्रपति किसी भी देश की यात्रा करने का फैसला करते हैं, तो तय तारीख से लगभग तीन महीने पहले ही सीक्रेट सर्विस अपना काम शुरू कर देती है।

राष्ट्रपति एक तरह से सुरक्षा के कवच में चलते हैं जिसमें मल्टी लेयर सिक्योरिटी है। ये ना सिर्फ़ बहुत मजबूत है, बल्कि बहुत महंगी भी है। दरअसल, अमेरिका ने अपने चार राष्ट्रपतियों की हत्या देखी है। 1865 में अब्राहम लिंकन, 1881 में जेम्स गारफील्ड, 1901 में विलियम मैकिनली, 1963 में जॉन एफ़ केनेडी।

इजराइल में बाइडेन के लिए राजनीतिक चुनौती

इजराइली फौज हमास के खिलाफ जमीनी कार्रवाई की तैयारी पूरी कर चुकी है और उसे सरकार से हरी झंडी का इंतजार है। इजराइल चाहता है कि अमेरिका हमास के खिलाफ ऑपरेशन में उसकी राजनीतिक और आर्थिक तौर पर मदद करे।

हो ची मिन्ह में महात्मा गांधी की प्रतिमा का उद्घाटन

जयशंकर ने कहा- वह राजनीतिक प्रेरणा हैं

हनोई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वियतनाम के हो ची मिन्ह में महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण में शामिल हुए। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण को महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने इस दौरान गांधी जी के योगदान का वर्णन भी किया।

जयशंकर ने किया गांधी जी की प्रतिमा का उद्घाटन

वियतनाम के हो ची मिन्ह के तानो दान पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर के साथ वाइस चेयरमैन डुओंग अन्ह डुक भी मौजूद थे। जयशंकर ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पर कहा, 'वाइस चेयरमैन डुओंग अन्ह डुक के साथ उद्घाटन में भाग लेने का सौभाग्य मिला। हो ची मिन्ह सिटी में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण बहुत महत्वपूर्ण है। यह स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और गरिमा को रेखांकित करता है और यही दोनों देशों को एक साथ लाता है।' जयशंकर ने आगे कहा, 'महात्मा गांधी दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक हैं।

सत्य, अहिंसा और स्वतंत्रता में उनके योगदान को संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता दी गई है। उनके जन्मदिन दो अक्तूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में घोषित किया गया है।'

महात्मा गांधी के योगदान को याद करते हुए जयशंकर ने कहा कि वह (गांधी जी) न केवल राजनीतिक प्रेरणा के रूप में बल्कि कूटनीति रे प्रेरक के रूप में भी काम करते हैं। उन्होंने बताया साल 1958 में अपनी भारत यात्रा के दौरान वियतनाम के पूर्व राष्ट्रपति हो ची मिन्ह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि हम सभी क्रांतिकारी हो सकते हैं, लेकिन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हम सभी महात्मा गांधी के शिष्य हैं।

दुनिया के मुस्लिमों को कोई रोक नहीं सकता

इस्राइल को ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की चेतावनी

तेहरान, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में इजराइल और हमास के हिंसक संघर्ष के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस्राइल को चेतावनी दी है। उन्होंने बदले की कार्रवाई का संकेत देते हुए कहा, दुनिया भर के मुसलमानों और प्रतिरोधक ताकतों को कोई नहीं रोक पाएगा। खामेनेई ने कहा कि अगर इजराइल ने गाजा में अपने अपराध जारी रखे तो प्रतिरोधक ताकतें भी जवाब देंगी। उन्होंने कहा, गाजा पर बमबारी तुरंत बंद होनी चाहिए।

ईरान की सरकारी टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने मंगलवार को कहा कि अगर फलस्तीनियों के खिलाफ जायोनी शासन के अपराध जारी रहे तो कोई भी मुसलमानों और प्रतिरोध बलों का सामना नहीं कर सकता। गाजा में फलस्तीनियों के खिलाफ अपराधों के लिए जायोनी शासन के अधिकारियों पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि ईरान, पश्चिमी एशिया (मध्य पूर्व) के आसपास अपने गठबंधन वाले सशस्त्र समूहों को प्रतिरोध की धुरी का हिस्सा बताता है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से, ईरान के मौलवी शासक फलस्तीनी मुद्दे के समर्थन में मुखर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तेहरान हमास को समर्थन देता है। खबरों में दावा किया गया है कि ईरान खुलेआम गाजा को नियंत्रित करने वाले इस्लामी समूह का वित्त पोषण करता है। इसके साथ ही ईरान हथियार भी देता है। पश्चिम एशिया के जानकारों का मानना है कि इजराइल के खिलाफ ईरान का उग्र व्यवहार कोई रहस्य नहीं है।

गाजा से निकलने का इकलौता रास्ता भी बंद

कैसा है राफा बॉर्डर, इसी से गाजा में फंसे विदेशियों को निकाला जा सकता है

तेल अवीव, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल ने हमास से जारी जंग में किसी तरह के युद्ध विराम से इनकार कर दिया है। दरअसल, यूएन और कुछ दूसरे देश सीजफायर की मांग कर रहे हैं, ताकि गाजा पट्टी तक मानवीय मदद पहुंचाई जा सके। इसके अलावा गाजा में फंसे विदेशी नागरिकों को भी निकालकर इजिप्ट पहुंचाने का प्लान था।

इजिप्ट-गाजा बॉर्डर पर इस वक्त राहत सामग्री वाले कई ट्रक फंसे हैं। इजराइली सेना यहां बमबारी कर रही है। इसके चलते राहत सामग्री गाजा तक नहीं पहुंच पा रही है।

गाजा पट्टी तक आने और जाने का सिर्फ एक रास्ता है। इसे राफा क्रॉसिंग कहा जाता है। इस पर इजराइल का कंट्रोल नहीं है। यह मंगलवार से बंद है, क्योंकि यहां इजराइली एयरफोर्स हमले कर रही है।

शनिवार को एक अमेरिकी अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया था कि गाजा में फंसे अमेरिकी नागरिकों को राफा क्रॉसिंग के रास्ते निकालने के लिए इजराइल तैयार हो गया है। बाद में इजराइल ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया।

राफा क्रॉसिंग का इतिहास

1 अक्टूबर 1906 को ओटोमन शासकों और ब्रिटिश सरकार के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत फिलिस्तीन और इजिप्ट के बीच एक सीमा रेखा तय करने पर सहमति बनी थी। यह बॉर्डर ताबा इलाके से राफा शहर तक थी। इजिप्ट में उस वक्त ओटोमन साम्राज्य था, जबकि फिलिस्तीन ब्रिटिश शासन के अधीन था।

1979 में इजिप्ट और इजराइल का शांति समझौता

1979 में इजिप्ट और इजराइल के बीच 1906 के समझौते को बहाल करने पर सहमित बनी। इसके तहत इजिप्ट को सिनाई प्रायद्वीप (सिनाई का इलाका) पर अधिकार प्राप्त हो गया। इजराइल को गाजा पर कब्जा मिल गया। समझौते के बाद इजराइली सेना ने सिनाई छोड़ना शुरू कर दिया।

इजराइली सेना के सिनाई से निकलने के बाद राफा क्रॉसिंग को इंटरनेशनल बॉर्डर का दर्जा मिल गया। फिलहाल, गाजा और इजिप्ट के बीच जो राफा बॉर्डर है, वो पूरी तरह 1982 में शुरू हुआ। इसके लिए कैम्प डेविड समझौता हुआ था। हालांकि, फिलिस्तीनी कई साल तक इजराइल के कब्जे वाली सीमा को लेकर असमंजस में थे।

1994 का गाजा-जेरिको एग्रीमेंट

फिलिस्तीन में पहले विद्रोह (अरबी भाषा में इसे इंतिफादा कहा जाता है) के बाद 1994 में गाजा-जेरिको एग्रीमेंट हुआ। इसके फिलिस्तीन को स्वायत्ता देने के लिए एक नया सिस्टम बना और इसके तहत ही यह तय हुआ कि राफा बॉर्डर का इस्तेमाल इजराइल और फिलिस्तीन दोनों कर सकेंगे। फिलिस्तीन की सत्ता पर काबिज पीए (फिलिस्तीन अथॉरिटी) को सुरक्षा और जांच से जुड़े कुछ अधिकार मिल गए। हालांकि, सच्चाई ये है बॉर्डर क्रॉसिंग से जुड़ी सिक्योरिटी का ज्यादातर अधिकार इजराइल के पास ही रहा।

इतना ही नहीं, इजराइल के पास यह अधिकार भी था कि वो किसी को राफा बॉर्डर पार करने की मंजूरी दे या न दे। बाद में गाजा-जेरिको एग्रीमेंट का यह हिस्सा अमान्य घोषित कर दिया गया और इसकी जगह ओस्लो-2 एग्रीमेंट हुआ।

इस समझौते के एक साल बाद तब के इजराइली प्रधानमंत्री यित्जाक रेबिन की तेल अवीव में हत्या कर दी गई। रेबिन की हत्या एक कट्टरपंथी यहूदी ने की थी, जो इस समझौते के खिलाफ था।

सितंबर 2000 में एरियल शेरॉन अल अक्सा मस्जिद गए

साल 2000 में इजराइली नेता एरियल शेरॉन यरूशलम की अल अक्सा मस्जिद पहुंचे। ये मुस्लिमों की तीसरी सबसे बड़ी मस्जिद है। जिसके बाद उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने आरोप लगाया कि दस्तावेज में अमेरिका की तरफ से इमरान खान को पद से हटने के लिए धमकी दी गई थी। विशेष अदालत के जज अब्दुल हसनत जुलकरनैन ने मंगलवार को साइफर केस की सुनवाई शुरू की। सुनवाई के दौरान बैरिस्टर सलमान सफदर और खालिद युसूफ चौधरी भी वहां मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरेशी की पत्नी और बेटी 71 वर्षीय इमरान खान के वकील के तौर पर मौजूद थी।

गुप्त दस्तावेज सार्वजनिक करने के मामले में इमरान खान को थोड़े दिन की राहत

अगले हफ्ते होगी सुनवाई

इस्लामाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को सिफर मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के अभियोग को अगले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दिया है। यह मामला एक गुप्त दस्तावेज को सार्वजनिक (साइफर मामला) करने से संबंधित है, जिसका उपयोग इमरान खान ने पिछले साल अप्रैल में सत्ता से बाहर करने के लिए अपने विरोधियों की आलोचना करने के लिए किया था। हालांकि, दस्तावेज उनके पास से गायब हो गया था, नौ अक्तूबर को कोर्ट के आदेश के अनुसार दोनों पीटीआई नेताओं को मंगलवार को दोषी ठहराए जाने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन अदालत ने सुनवाई को अगले हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया। सुनवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए वकील शेर अफजल मरवत ने कहा कि इमरान खन और महमूद कुरेशी को अगली सुनवाई के दौरान दोषी ठहराया जाएगा।

हमास के साथ इजराइल के खिलाफ जंग में शामिल हो सकता था हिज्बुल्ला

यरुशलम, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल पर हमास की ओर से किए गए हमले को 11 दिन हो चुके हैं। इस बीच लेबनान के ईरान समर्थित संगठन हिज्बुल्ला ने भी इजराइल पर कुछ हमले किए हैं, जिसके जवाब में इजराइली सेना ने उसके कई ठिकानों पर बमबारी की है। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिज्बुल्ला पहले हमास के साथ ही इजराइल पर हमला बोलने वाला था। हालांकि, अमेरिका की ओर से उठाए गए कुछ कदमों की वजह से हिज्बुल्ला इजराइल के खिलाफ युद्ध छेड़ने से पीछे हट गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के ठीक बाद अमेरिका की ओर से भूमध्य सागर में दो कैरियर स्ट्राइक उतार दिए गए थे। इनमें विमानवाहक पोत, फाइटर जेट्स और कई युद्धपोत भी मौजूद थे। इसके चलते लेबनान में तैयारी के बावजूद हिज्बुल्ला ने इजराइल पर हमला नहीं बोला, जिससे इजराइल एक समय पर दो तरफा युद्ध की संभावना से बच गया।

निकी हेली बोली- मुस्लिम देश फिलिस्तीनियों को क्यों नहीं अपनाते

वो सिर्फ अमेरिका-इजराइल पर दोष डालते हैं, ये चाहें तो सब ठीक कर सकते हैं

येरुशलम, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी कर रही कैंडिडेट निकी हेली ने इस्लामिक देशों की आलोचना की है। निकी हेली ने पूछा है कि आखिर गाजा छोड़ रहे फिलिस्तीनियों को मुस्लिम देश पनाह क्यों नहीं दे रहे हैं। भारतीय मूल की निकी हेली ने सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में कहा- हमें यकीनन फिलिस्तीनी नागरिकों की चिंता करनी चाहिए, खासकर उनकी जो निर्दोश हैं, लेकिन इस सब के बीच अरब देश कहां हैं। उन्होंने कहा- कतर, लेबनान, जॉर्डन, मिस्र क्या कर रहे हैं। वो फिलिस्तीनियों के लिए अपने दरवाजे क्यों नहीं खोल रहे। निक्की हेली ने इसका जिम्मेदार हमास को ठहराया। उन्होंने कहा कि अरब देश भी हमास से छुटकारा पाना चाहते हैं। जब वही हमास को स्वीकार नहीं कर रहे तो इजराइल क्यों करेगा। निक्की हेली ने कहा कि मुस्लिम देश अमेरिका और इजराइल को जिम्मेदार ठहराना चाहते हैं। हेली ने कहा कि हमें इनकी बातों में नहीं आना चाहिए। ये देश चाहें तो सब ठीक कर सकते हैं। इनकी इतनी क्षमता है कि ये हमास को जाकर कहें कि वो हमले करना बंद करे और लोगों को जाने दे। कतर फिर भी हमास की लीडरशिप के साथ काम करेगा। ईरान फिर भी हमास की फंडिंग करेगा और सारे अरब देश चुप रहेंगे। हमास गाजा में मरते हुए बच्चों की तस्वीरें दिखाकर सहानुभूति हासिल करेगा। वो फिलिस्तीनियों को ढाल बनाएंगे। हमें नहीं भूलना चाहिए की हमास ने इजराइल में क्या किया है। जान बचाने के लिए भागती लड़कियों को न भूलें। पालने में मारे गए बच्चों को न भूलें। सड़कों पर घसीटी गई औरतों को न भूलें।

इजराइल अब जो भी एक्शन लेगा, उस पर अरब देश इजारइल को कोसेंगे। मैनें यूएन में काम करते हुए ये चीजें फेस की हैं। हेली ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर आरोप लगाया कि उनके शासन में हुए ईरान परमाणु समझौते की वजह से गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह को ताकत मिली।

बीजेपी प्रत्याशियों की दूसरी सूची इसी सप्ताह में ! 80 से ज्यादा सीटों पर मंथन

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा की दूसरी सूची को लेकर आज दिल्ली में कोर ग्रुप में मंथन होगा. यह मंथन दो चरणों में होगा. पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के बंगले पर राजस्थान के सभी बड़े नेता चर्चा करेंगे. उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में कोर ग्रुप में चर्चा होगी.

राजस्थान में भाजपा प्रत्याशियों की दूसरी सूची इसी सप्ताह में आ सकती है. दूसरी सूची को लेकर मंगलवार को दिल्ली में महामंथन का दौर है. दो चरणों मे होने वाले इस मंथन से पहले प्रदेश के सभी बड़े नेता केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के बंगले पर 12 बजे बैठक करेंगे. इस बैठक में वन बाई वन सभी नेता 80 से ज्यादा सीटों पर चर्चा करेंगे. इसके बाद सभी कोर ग्रुप के सदस्य दोपहर 2 बजे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक कर दूसरी सूची पर आम सहमति बनाएंगे, ताकि उसके बाद जब भी पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो, तब सीटों को लेकर कोई विवाद नहीं हो.

दिल्ली पहुंचे नेता : बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में होने वाली कोर ग्रुप की बैठक में भाग लेने के लिए ज्यादातर नेता दिल्ली पहुंच गए हैं. इस बैठक में प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रल्हाद जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, सह चुनाव प्रभारी नितिन पटेल, कुलदीप विश्नोई, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और कैलाश चौधरी शामिल होंगे.

इस सप्ताह में आ सकती है दूसरी सूची : पांच राज्यों के चुनाव की तारीखों के एलान के कुछ ही समय बाद बीजेपी ने अपनी पहली 41 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी थी. अब बीजेपी दूसरी सूची इसी सप्ताह में जारी कर सकती है. इसको लेकर लगातार बैठकों का दौर चल रहा है. जयपुर में एक के बाद एक तीन बैठक करने के बाद अब दिल्ली में सूची को अंतिम रूप देने की तैयारी है. कोर ग्रुप के सभी सदस्य दिल्ली पहुंच गए हैं. मंगलवार को 12 बजे पहले केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के बंगले पर आम राय बनाई जाएगी.

उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे कोर ग्रुप की बैठक होगी. इस कोर ग्रुप की बैठक में 80 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर चर्चा होगी. इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा. पार्टी सूत्रों की मानें तो अगले दो-तीन दिन में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी. यानी बीजेपी इसी सप्ताह में प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर सकती है.

विरोध के बीच बढ़ी माथापच्ची :बीजेपी प्रत्याशियों की पहली सूची जारी होने के बाद मचे बवाल ने पार्टी की माथापच्ची को बढ़ा दिया है. पहली सूची को लेकर मचे बवाल को देखते हुए बीजेपी दूसरी सूची में सभी की आम राय बनाने की कोशिश कर रही है. पार्टी आकलन करने में जुटी हुई है कि दूसरी सूची जारी होने के साथ अगर पहली सूची की तर्ज पर बगावत होती है तो उसे किस तरह शांत किया जाएगा और उस बगावत से कहां-कहां नुकसान हो सकता है. बताया यह भी जा रहा है कि कोर ग्रुप में दूसरी सूची के साथ पहली सूची में उठ रहे बवाल का भी फीडबैक तैयार होगा, ताकि जब केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो तो उसकी पूरी जानकारी दी जा सके.

हेमाराम चौधरी का चुनाव लड़ने से इनकार

समर्थक भी जिद्द पर अड़े, राजी करने के लिए हुई बड़ी सभा

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी ने इस बार चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है. जबकि उनके समर्थक जिद्द पर अड़े हैं कि हेमाराम चुनाव जरूर लड़ें. हेमाराम चौधरी को राजी करने के लिए बाड़मेर के गुड़ामालानी विधानसभा में बड़ी सभा आयोजित की गई. हेमाराम चौधरी का चुनाव लड़ने से इनकारबाड़मेर. वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी ने इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है. चौधरी चाहते हैं कि इस बार किसी और को मौका मिले, लेकिन उनके समर्थक चाहते हैं कि हेमाराम चौधरी ही चुनाव लड़ें. ऐसे में गुड़ामालानी में उनके समर्थकों ने एक बड़ी सभा आयोजित की. सभा के दौरान वक्ताओं ने हेमाराम चौधरी से चुनाव लड़ने को लेकर सहमति का प्रयास किया, जबकि हेमाराम चौधरी भी अपनी बात पर अड़े हुए हैं. हेमाराम और उनके समर्थकों के बीच अभी इस बात को लेकर गतिरोध बना हुआ है.

6 बार विधायक बना, इसके लिए जनता का ऋणी हूं : सभा को संबोधित करते हुए हेमाराम चौधरी ने कहा कि आज जिस मुकाम पर हूं, वह सिर्फ गुड़ामालानी की जनता की वजह से हूं. चौधरी ने कहा कि मुझे इस बात का पूरा एहसास है और इस बात को भूल नहीं सकता हूं. आप लोगों ने मुझे यहां से 6 बार विधायक के रूप में चुना है. आपने कोई कमी नहीं रखी, इसके लिए आप लोगों का ऋणी हूं और आप लोगों का ऋण मैं न चुका पाया और न चुका पाऊंगा. हेमाराम चौधरी ने कहा कि आप लोगों ने आज चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक रखी है, जबकि मैं तो आप लोगों के बुलावे पर जनता के दरबार में आया हूं. आने का मतलब यह नहीं हुआ कि मैं कोई चुनाव लड़ने के इरादे से यहां उपस्थित हुआ हूं. चौधरी ने कहा कि आप लोग चाहते हैं कि मैं चुनाव लाडूं, मैं आपकी भावनाओं की कद्र करता हूं.

विधानसभा चुनाव लड़ने की 1980 से हुई शुरुआत : चौधरी ने कहा कि चुनाव लड़ने की शुरुआत 1980 से हुई. उसे समय भी मैं गुड़ामालानी से चुनाव नहीं लड़ना चाहता था, यह बात सबको पता है. टिकट घोषित होने के बाद जयपुर गया चुनाव लड़ने से इनकार करने के लिए, लेकिन पार्टी का आदेश था कि अब टिकट बदल नहीं सकता और दूसरे को देंगे नहीं. चुनाव आपको ही लड़ना पड़ेगा और चुनाव लड़ा. समर्थकों के बीच हेमारामनहीं की टिकट की मांग : चौधरी ने कहा कि इस बार मैंने चुनाव लड़ने को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को मना कर दिया है. टिकट देने वालों को मना कर दिया है और टिकट के लिए देवदारी की प्रक्रिया में भी हिस्सा नहीं लिया. टिकट भी नहीं मांगा और न ही कोई टिकट के लिए आवेदन किया. चौधरी ने कहा कि चुनाव खूब लड़ लिए, कोई कमी नहीं रखी.

मोहब्बत और प्रेम का रिश्ता बना रहे : चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आप लोगों को छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा. आप लोगों के बीच ही रहूंगा. मंत्री के नाते पहले तो जयपुर जाना पड़ता था और पूरे राजस्थान को देखना पड़ता था. कितना काम का मेरे ऊपर बोझ था और अगर मैं उन सारे काम के बोझ से मुक्त हो जाऊंगा तो फिर तो आप लोगों के बीच में ही रहना है. फ्री हो जाऊंगा, फिर क्या करना है. चौधरी ने कहा कि आप लोगों से जो मोहब्बत और प्रेम का रिश्ता है, उसे बनाए रखना चाहता हूं.तनाव से मुक्ति चाहता हूं : चौधरी ने कहा कि जो लोग 24 घंटे मेरे साथ रहते हैं, उन लोगों को भी आज यहां लेकर आया हूं ताकि वह लोग भी आपको बता सकें मेरी स्थिति क्या है. चौधरी ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि मेरी काया (शरीर). इस पद पर रहते हुए आराम की जिंदगी जी रहा हूं या टेंशन में हूं, तनाव में हूं, इसीलिए मैं कह रहा हूं कि कि मैं तनाव से मुक्ति चाहता हूं. मंत्री हेमाराम चौधरीसब तरह का अनुभव है : हेमाराम चौधरी ने कहा कि अभी कुछ लोग कह रहे थे कि आप चुनाव जीत जाओगे.

हमारी सरकार बनी, तो जांच में ऐसी कई इंद्रधनुषी रंग की डायरियां सामने आएंगी-गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लाल डायरी पर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर पलटवार किया है.

गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस अध्यक्ष पर किया पलटवारजोधपुर. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रदेश में चर्चा में आई लाल डायरी को लेकर आज बारां में दिए गए बयान पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद जब जांच होगी, तो इस कांग्रेस सरकार के घोटाले की इंद्रधनुषी रंग की डायरियां सामने आएगी.

खड़गे के बयान पर पलटवार करते हुए जोधपुर एयरपोर्ट पर

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अगवानी करने आए शेखावत ने कहा कि हर डायरी में घपले-घोटाले का हिसाब लिखा होगा. शेखावत ने कहा कि यह अच्छी बात है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह स्वीकार कर लिया कि लाल डायरी है. जबकि मुख्यमंत्री यह स्वीकार नहीं कर रहे थे. शेखावत ने कहा कि अगर उस डायरी में कांग्रेस सरकार के वापस आने की बात लिखी है, तो जब सरकार के एक मंत्री डायरी को लेकर विधानसभा में आए और महिलाओं के पक्ष में आवाज उठाने की कोशिश की, तो कांग्रेस के नेताओं ने उनके साथ मारपीट कर व डायरी क्यों छीनी?

शेखावत ने कहा कि खड़गे जी को यह बात भी स्पष्ट करनी चाहिए कि जो उन्होंने कहा है कि डायरी में कांग्रेस सरकार बनने की बात लिखी है. यह पंक्ति निष्काषित मंत्री द्वारा डायरी के दो पन्ने उजागर करने के बाद लिखी गई या पहले से लिखा था. अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद पढ़ा है, तो वह बताएं किस पन्ने पर लिखा है. अन्यथा जिसने उनको यह बताया है, वह इस बात का खुलासा करे. क्योंकि राजस्थान की जनता जानती है कि प्रदेश सरकार के मंत्रियों में विधायकों ने किस कदर लूट मचा रखी थी. इसका जवाब आने वाले चुनाव में दिया जायेगा.

कांग्रेस के चुनावी अभियान पर भाजपा का तंज

राठौड़ बोले-ईआरसीपी हमारी योजना, हम ही पूरा करेंगे

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईआरसीपी को लेकर बारां से शुरू हुए कांग्रेस के अभियान पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने तंज कसा. राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ईआरसीपी का झुनझुना पकड़कर चुनाव जीतना चाहती है, ये इनका अभियान सिर्फ दिखावा है,हमारी योजना हम पूरा करेंगे. कांग्रेस के चुनावी अभियान पर भाजपा का तंजजयपुर. कांग्रेस ने चुनावी माहौल में पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना यानी ईआरसीपी के मुद्दे के जरिये बीजेपी को घेरने के लिए जन जागरण अभियान शुरू किया है.

कांग्रेस इस अभियान पर बीजेपी ने हमला बोला. नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस ईआरसीपी के मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रही है. चुनावी साल में कांग्रेस ईआरसीपी

का झुनझुना पकड़कर चुनाव जीतना चाहती है. ये इनका अभियान सिर्फ दिखावा है. हमारी योजना हम पूरा करेंगे.

झुनझुना पकड़ा कर चुनाव जीतना चाहती हैः नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस अपने चुनाव अभियान का श्री गणेश कर रही है. इसमें उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपस्थित रहे. साथ में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान विधानसभा के स्पीकर सीपी जोशी भी उपस्थित रहे.

कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची 20 अक्टूबर को आ सकती है

बस्सी, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के लिए भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुकी है। अब उम्मीदवारों के साथ ही हर किसी को कांग्रेस की सूची का इंतजार है। जानिए कब आ रही कांग्रेस की लिस्ट-

भाजपा की ओर से गत दिनों जारी हुई प्रत्याशियों की सूची में बस्सी का टिकट तो घोषित हो गया है, लेकिन अब कांग्रेस की पहली सूची दौसा जिले के सिकराय विधानसभा में 20 अक्टूबर को होने वाली प्रियंका गांधी की सभा के बाद भी घोषित हो सकती है।

इधर, बस्सी में भाजपा प्रत्याशी ने चुनावी तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन कांग्रेस का टिकट फाइनल नहीं होने से यहां असमंजस बना हुआ है।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार भाजपा की दूसरी सूची एक दो दिन में ही घोषित हो सकती है। जबकि कांग्रेस दौसा जिले के सिकराय विधानसभा में प्रियंका गांधी की सभा के बाद ही टिकट वितरण की सूची जारी करेगी। प्रदेश कांग्रेस पार्टी प्रियंका गांधी की सभा की तैयारियों में जुट गई है।

टिकटों के लिए नेताओं की भागदौड़ जारी

जयपुर ग्रामीण के बस्सी, चाकसू एवं जमवारामगढ़ विधानसभा सीटों पर टिकटों के लिए भागदौड़ जारी है। नेता टिकटों के लिए दिल्ली तक दौड़ लगा रहे है। हालांकि कांग्रेस में कई दावेदारों का टिकट पक्का माना जा रहा है लेकिन लिस्ट आने के बाद ही तस्वीर साफ हो पाएगी।

पार्टी स्तर पर चल रही तैयारी

जयपुर ग्रामीण के बस्सी, चाकसू एवं जमवारामगढ़ विधानसभा सीटों पर एक टिकट के अलावा अन्य सभी पांचों टिकटों का इंतजार है, लेकिन बस्सी में भाजपा का टिकट फाइनल होने के बाद इन तीनों ही विधानसभाओं में भाजपा व कांग्रेस पार्टी स्तर पर चुनावी तैयारी कर रही है, क्योंकि आचार संहिता लगने के बाद चुनाव के मात्र 45 दिन ही बचे थे। ऐसे में एक-एक दिन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि टिकट जिसको मिलेगा वह मिलता रहेगा पार्टी अपने स्तर पर तैयारी में जुट गई है।

चुनावी समर के बीच जनता के साथ बैठ गए विधायक सड़क पर

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनावी समर के बीच ग्रेटर नगर निगम के मालवीय नगर जोन क्षेत्र में टूटी सड़क ठीक नहीं करने से नाराज विधायक कालीचरण सराफ जनता को लेकर धरने पर बैठ गए। लोगों ने नगर निगम के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला बरकत नगर क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों की टूटी सड़कों से जुड़ा है, इन्हें ठीक नहीं करने से नाराज लोग एकत्र होकर आज सड़क पर उतर आए है। स्थानीय विधायक कालीचरण सराफ भी मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। इस दौरान नगर निगम ग्रेटर के कई भाजपा पार्षद भी धरने में शामिल हुए। विधायक सराफ ने बताया कि क्षेत्र की कई कॉलोनियों में सडके टूटी पडी है, इसे लेकर नगर निगम आयुक्त को चार बार अवगत करा चुके, हर बार एक-दो दिन का आश्वासन दिया जा रहा था, लेकिन सड़के आज तक ठीक नहीं की गई, इससे लोगों में भारी आक्रोश है। जब तक सड़कें ठीक करने का लिखित में आश्वासन नहीं मिलेगा या सड़क निर्माण शुरू नहीं होगा , तब तक धरना जारी रहेगा। उधर स्थानीय लोगों का कहना है सड़कें टूटी होने से कॉलोनिवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रादेशिक सेना में मेजर बनना चाहते हैं सचिन पायलट

प्रमोशन के लिए दी लिखित परीक्षा

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने प्रादेशिक सेना में मेजर के पद पर प्रमोशन लेने के लिए लिखित परीक्षा दी. इस दौरान वे सेना में अपने साथियों के साथ भी नजर आए.

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के बाद सचिन पायलट प्रदेश में किस भूमिका में होंगे, यह आने वाला समय बताएगा. इस बीच पायलट टेरिटोरियल आर्मी (प्रादेशिक सेना) में एक के बाद एक प्रमोशन पाने के लिए प्रयास करते जा रहे हैं. पायलट ने टेरिटोरियल आर्मी में कैप्टन से मेजर बनने के लिए पार्ट-बी परीक्षा दी है.

दरअसल सचिन पायलट राजनीति के मैदान के साथ ही 124 सिख रेजीमेंट टेरिटोरियल आर्मी में कैप्टन पद पर भी हैं, जिन्होंने आज प्रमोशन के लिए नई दिल्ली में कंट्रोनमेंट हेड क्वार्टर में लिखित परीक्षा दी. यह

परीक्षा पास करने के बाद सचिन पायलट भारतीय टेरिटोरियल आर्मी में कैप्टन से प्रमोट होकर मेजर बन जाएंगे. परीक्षा के बाद वे अपने साथी आर्मी अधिकारियों के साथ नजर आए. पिता के नक्शे कदम पायलटः सचिन पायलट के पिता भारतीय वायु सेना में पायलट थे. उन्होंने 1972 में पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में बहादुरी का परिचय दिया था और यही कारण था कि राजेश्वर प्रसाद विधूड़ी को इंदिरा गांधी ने भरतपुर से कांग्रेस का लोकसभा का टिकट तो दिया ही, उन्हें भारतीय वायुसेना में पायलट होने के चलते नया नाम राजेश पायलट दिया. अब सचिन पायलट भी पिता के नक्शे कदम पर चल रहे हैं, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी में एक राजनेता के तौर पर तो अपनी छाप छोड़ी ही है. इसके साथ ही साल 2012 में प्रादेशिक सेना ज्वाइन की थी और उसमें पायलट केंद्र सरकार में मंत्री भी थे. साल 2021 में सचिन पायलट सिख रेजीमेंट में कैप्टन रैंक पर प्रमोट हुए थे और बीते दो दिनों से वे मेजर पद पर प्रमोशन पाने के लिए लिखित परीक्षा दे रहे हैं. परीक्षा के परिणाम में पास होते ही सचिन पायलट कैप्टन से मेजर बन जाएंगे.

पढ़ेंः कांग्रेस के 'पायलट' : एक चमकता सितारा जो खुद की 'रोशनी' के लिए लड़ता रहा, क्या अब परिणाम से बदलेगा पोजिशन ?युद्ध के समय टेरिटोरियल आर्मी देती है भारतीय सेना को सपोर्टः टेरिटोरियल आर्मी युद्ध के समय भारतीय सेवा को सपोर्ट सिस्टम उपलब्ध करवाने वाली सबसे महत्वपूर्ण यूनिट मानी जाती है. सचिन पायलट टेरिटोरियल आर्मी के इन्फेंट्री का हिस्सा हैं, जो युद्ध के दौरान भारतीय सेना को बैकअप सपोर्ट प्रदान करती है. यह बैकअप सपोर्ट जितना महत्वपूर्ण होता है, उतनी ही ज्यादा मजबूती से दुश्मनों का मुकाबला करती है. साल 1962 और 1965 के युद्धों के दौरान भी टेरिटोरियल आर्मी के जवानों और अधिकारियों ने सेना का साथ दिया था.

29 लाख के नकली नोट के साथ युवक गिरफ्तार

रुपये डबल करने का झांसा देकर लोगों को बनाता था शिकार

हनुमानगढ़, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में लोगों को नोट दोगुने करने का झांसा देकर असली की जगह नकली नोट देकर ठगने वाली गैंग का सदस्य है आरोपी सुखा सिंह। बीकानेर पुलिस के इनपुट पर हनुमानगढ़ में कार्रवाई हुई। हनुमानगढ़ जिले की टाउन थाना पुलिस ने 29 लाख के नकली नोटों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। नकली नोटों के साथ पकड़ा गया सुखा सिंह एक जाली करेंसी चलाने वाली गैंग का सदस्य हैं। यह गैंग लोगों को नोट दोगुने करने का झांसा देकर असली की जगह नकली नोट देकर ठगने काम करती हैं। आरोपी के पास से 29 लाख से ज्यादा चिल्ड्रन बैंक लिखे नकली नोट, सफेद कागज की पांच गाड़ियां, स्टेशनरी, एक साइड छपे 25 नोट सहित असली 4200 रुपये बरामद हुए हैं। आरोपी ने गैंग में शामिल अन्य कई सदस्यों नाम भी लिए है, जिन्हें नामजद किया गया है। इस कार्रवाई में खास बात यह रही कि पूरी कार्रवाई बीकानेर पुलिस के इनपुट पर हुई है। लोकल स्तर पर नकली नोटों को इधर-उधर करने का बड़ी गैंग काम कर रही थी लेकिन पुलिस अनजान थी। टाउन सीआई ने बताया कि बीकानेर पुलिस ने जिला पुलिस कप्तान डॉक्टर राजीव पचार को नकली नोट गिरोह के इनपुट दिए थे, जिसके बाद एसपी के निर्देशन में टाउन थाना स्तर पर टीम गठित की गई। इनपुट के आधार पर एक मकान की घेराबंदी कर गैंग के एक सदस्य को पकड़ा गया। जिसने अपने कई साथियों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। टाउन सीआई वेदपाल श्योराण ने बताया कि पकड़े गए गिरोह के सदस्य सूखा सिंह (27) पुत्र मलकीत सिंह निवासी पन्नीवाली पीएस टिब्बी के पास से एक बैग,29 लाख 70 हजार 2 सौ रुपये के नकली नोट, स्टेशनरी, एक साइड से छपे हुए 25 नोट और 4200 रुपये असली नोट बरामद हुए हैं।

पुलिस की फायरिंग में डोडा तस्कर की मौत, एक अन्य तस्कर हुआ फरार

पाली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाली में बीती रात को डोडा तस्करों का पीछा कर रही पुलिस पर फायरिंग की गई। हालांकि जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें एक तस्कर की मौत हो गई। बाकी एक तस्कर फरार हो गया।

विधानसभा चुनाव की तारीख तय होने के साथ ही आचार संहिता लगने के बाद से पाली जिले की पुलिस अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में बीती रात को डोडा तस्करों का पीछा कर रही पुलिस की डीएसटी टीम पर इन तस्करों द्वारा फायरिंग की गई। तस्करों द्वारा पुलिस पर फायरिंग के बाद पुलिस की टीम ने भी जवाबी फायरिंग की। इस जवाबी फायरिंग में एक तस्कर की मौत हो गई। जबकि दूसरा तस्कर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

वारदात के बाद राजसमंद और पाली पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद इन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया, साथ ही मृतक के शव को नाडोल के अस्पताल में रखवाया।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस जिस वाहन का पीछा कर रही थी, उस वाहन में डोडा-पोस्त की तस्करी की जा रही थी। जिसके बाद राजसमंद जिले की डीएसटी टीम ने इन डोडा पोस्त तस्करों का पीछा किया और पीछा करते हुए खिंवाड़ा थाना क्षेत्र में स्थित खीमज माता मंदिर तक पहुंच गई। जहां पुलिस और आरोपियों के बीच में फायरिंग शुरू हो गई।

डूंगरपुर में 30 फीट गहरे कुएं में गिरा पैंथर

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

डूंगरपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर से बड़ी ख़बर। शिकार की तलाश में 30 फीट गहरे कुएं में पैंथर गिरा गया। कुएं में मुंडेर नहीं थी, जिस वजह से पैंथर लड़खड़ा गया।

डूंगरपुर से बड़ी ख़बर। वन नाका जौलाना के माज़िया गांव के डेयरी महुदी में एक पैंथर तड़के करीब तीस फिट गहरे कुएं में गिर गया। सुबह आस-पास के लोगों ने जब कुएं से पैंथर की आवाज सुनी तो कुएं में झांक कर देखा। कुएं अंदर पैंथर को देखकर तुरंत वन विभाग को सूचना दी। इस घटना की जानकारी मिलने पर सेंकड़ों लोगों की भीड़ एकत्र हो गई है। घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम और अरथूना पुलिस मय जोलाना जाप्ता पहुंचे।

बांसवाड़ा से रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंची।। बताया जा रहा है कि बिल्ली के शिकार के चलते कुएं में पैंथर गिर गया। जिसके बाद वह कुछ चोटिल भी हो गया है।

पेपर लीक मामले में ईडी की टीम ने 3 जिलों में 10 ठिकानों पर की छापेमारी

जयपुर, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर छापेमारी की है। मंगलवार 17 अक्टूबर की सुबह 4 बजे ईडी की अलग अलग टीमों ने राजस्थान के तीन जिलों जयपुर, नागौर और भीलवाड़ा के 10 ठिकानों पर सर्च की कार्रवाई शुरू की। ईडी राजस्थान और दिल्ली मुख्यालय के करीब 150 अधिकारी जांच में जुटे हुए हैं। सुरक्षा के लिहाज से स्थानीय पुलिस की बजाय ईडी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों को साथ ले रखा है।

अब तक ईडी की कार्रवाई पेपर लीक माफियाओं के घरों तक थी लेकिन अब कोचिंग सेंटर मालिकों के साथ उन अभ्यर्थियों के घरों तक ईडी पहुंच गई है जिन्होंने पेपर खरीदे थे। माफियाओं ने हर अभ्यर्थी को 8 से 10 लाख रुपए में पेपर बेचा था। करीब 50 अभ्यर्थियों को पुलिस गिरफ्तार भी कर चुकी है। हालांकि सभी अभ्यर्थी जमानत पर छूट गए हैं। मंगलवार को ईडी ने कलाम कोचिंग के दफ्तर में सर्च की कार्रवाई की। साथ ही कोचिंग सेंटर के एक पार्टनर के घर पर दबिश दी। बताया जा रहा है यह पार्टनर खुद थर्ड ग्रेड टीचर है।

नागौर जिले के चकढाणी गांव निवासी यजवेन्द्र जांगिड़ के घर ईडी के अफसरों ने अलसुबह दबिश दी। बताया जा रहा है कि यजवेन्द्र पत्नी के नाम से कलाम कोचिंग का पार्टनर है। पिछले दिनों यजवेन्द्र जांगिड़ ने नागौर जिले के खजवाना गांव में 70 बीघा जमीन खरीदी थी।

हरियाली और पानी से समृद्ध हो रहे हैं तेलंगाना के गांव : कविता

जगतियाल, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के. कविता ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा की गई पहल के परिणामस्वरूप राज्य के गांव हरियाली और भरपूर पानी से समृद्ध हो रहे हैं। मंगलवार शाम को जगतियाल शहर के विवेकानंद मिनी स्टेडियम में आयोजित बथुकम्मा समारोह में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि महिलाएं पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर बथुकम्मा उत्सव मना रही हैं और उन्होंने बच्चों को त्योहार और परंपरा के बारे में समझाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इससे पहले दोपहर में, उन्होंने बीआरएस जगतियाल शहर के अध्यक्ष गट्टू सतीश के घर में बथुकम्मा तैयार किया। उनके शहर आगमन पर स्थानीय विधायक डॉ. संजय कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष दावा वसंत और अन्य ने एमएलसी का स्वागत किया।

भाजपा द्वारा राजा सिंह का निलंबन रद्द करने की संभावना नहीं!

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भले ही भाजपा का राज्य नेतृत्व गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह का पार्टी से निलंबन रद्द कराने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, लेकिन सूत्रों से संकेत मिलता है कि कथित तौर पर बाहरी दबाव के कारण पार्टी आलाकमान निकट भविष्य में उनके निलंबन को रद्द करने की संभावना नहीं है। विधायक को पिछले साल अगस्त में एक विशेष धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में पार्टी आलाकमान ने निलंबित कर दिया था।

पार्टी सूत्रों ने कहा कि अगर पार्टी नेतृत्व ने राजा सिंह का निलंबन रद्द कर दिया, तो पैगंबर मोहम्मद पर उनकी कथित विवादास्पद टिप्पणियों के बाद पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा और भाजपा दिल्ली मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल का भी निलंबन रद्द करने की मांग की जाएगी। विरोध और निंदा शुरू हो गई। सूत्रों ने कहा कि चूंकि पार्टी राजा सिंह का निलंबन रद्द नहीं कर सकी, इसलिए वह गोशामहल से पूर्व मंत्री दिवंगत मुकेश गौड़ के बेटे विक्रम गौड़ को मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। हालांकि राजा सिंह ने विश्वास जताया है कि पार्टी उनका निलंबन रद्द कर देगी और उन्हें गोशामहल से फिर से उम्मीदवार बनाएगी। पार्टी सूत्रों ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने विक्रम गौड़ को गोशामहल टिकट आवंटित करने का मन बना लिया है।

सूत्रों ने कहा कि राजा सिंह को भी पता है कि निकट भविष्य में उनका निलंबन रद्द नहीं किया जाएगा। ऐसी अटकलें भी हैं कि राजा सिंह पार्टी छोड़ने और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होने की योजना बना रहे हैं, जिसका बाद में उन्होंने खंडन किया और स्पष्ट किया कि उनका पार्टी छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। अगर पार्टी मेरा निलंबन रद्द नहीं करती है, तो मैं कुछ समय के लिए राजनीति से ब्रेक ले सकता हूं और हिंदू राष्ट्र के कल्याण के लिए काम कर सकता हूं, लेकिन मैं कभी भी बीजेपी छोड़कर किसी अन्य पार्टी में नहीं जाऊंगा।

टीएस में किया गया बेजोड़ विकास व कल्याणकारी कार्य : केटीआर

राजन्ना-सिरसिला, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान राज्य में बेजोड़ अप्रत्याशित विकास और कल्याणकारी गतिविधियां शुरू की गईं। इसी तरह का विकास सिरसिला में भी किया गया है। पिछले सात दशकों में पहली बार, सभी जल निकायों में गर्मियों के मध्य में भी पर्याप्त पानी उपलब्ध था।

उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से सिंचाई और पीने के पानी की समस्याएं हल हो गईं, उन्होंने बताया कि ऊपरी मनेयर, जो गर्मियों के दौरान सूख जाता था, अब अप्रैल में भी लबालब हो जाता है और सूखाग्रस्त सिरसिला की पानी की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। कालेश्वरम परियोजना का निर्माण से गोदावरी का पानी कुदावेल्ली वागु में भरकर अपर मनेयर लाया जा रहा है। परिणामस्वरूप, जिले में भूजल स्तर 6.5 मीटर तक बढ़ गया था और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के लिए एक विषय बन गया है। यह सब मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के कारण ही संभव हो पाया है।

मंगलवार को सिरसिला में प्रजा आशीर्वाद सभा में बात करते हुए रामा राव ने कहा कि बीआरएस सरकार एक कामकाजी सरकार है और बुनकरों में से एक है। मुख्यमंत्री ने सिरसिला, जो पहले बुनकरों की आत्महत्याओं के लिए जाना जाता था, को एक समृद्ध स्थान बनाया और बुनकरों को रोजगार देकर आत्महत्याओं पर रोक लगाई। विभिन्न विकासात्मक कार्यों को मंजूरी देने के अलावा, मुख्यमंत्री ने शासन को जनता के दरवाजे तक ले जाते हुए सिरसिला को जिला बनाया। पहले जूनियर और डिग्री कॉलेजों की मंजूरी के लिए स्थानीय लोग आंदोलन करते थे. हालाँकि, तेलंगाना के गठन के बाद स्थिति बदल गई। सिरसिला में एक मेडिकल कॉलेज, जेएनटीयू इंजीनियरिंग कॉलेज, एक कृषि पॉलिटेक्निक कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए गए।

राज्य में पहला किंडरगार्टन से पोस्ट-ग्रेजुएशन संस्थान गंभीरओपेट मंडल में स्थापित किया गया था, मंत्री ने बताया कि राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। इस अवसर पर, सिरसिला में रामा राव को अपना समर्थन देते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने वाले विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को प्रस्ताव की प्रतियां सौंपीं।

नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर रिकबगंज में पधारे जाट सेवा संघ तेलंगाना अध्यक्ष भगवानसिंह, उपाध्यक्ष तुलजाराम सिंह, कल्चरल सेक्रेटरी सूरज सिंह का शॉल से स्वागत करते हुए श्री महादेव देवासी समाज सेवा ट्रस्ट शमशाबाद अध्यक्ष केवलराम देवासी लुणी।

बेंगलूर में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 67.5 किलोग्राम भार वर्ग के तहत स्वर्ण पदक हासिल करने वाली विनीता जैन को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करती हुईं डब्ल्यूपीसी अध्यक्ष रेखा इंटुरी और डब्ल्यूपीसी सचिव मोनिस पुलेलु।

तेलंगाना राज्य सहकारी शहरी बैंक और क्रेडिट सोसायटी फेडरेशन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग को सहकारी प्रबंधन संस्थान, राजेंद्रनगर के निदेशक डॉ.आर.गणेशन ने सहकारिता के विकास में उनके योगदान के लिए बधाई दी। इस अवसर पर श्रीमती नीलू पांडे, संकाय सदस्य डॉ. एसएलएनटी श्रीनिवास, वरिष्ठ संकाय सदस्य, आईसीएम उपस्थित थे।

हैदराबाद आगमन पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश कुमार जाजू, समाजसेवी नरेंद्र कुमार गोयल, पवन बंसल एवं अन्य।

पुलिस ग्राउंड में श्रीमद्भागवत कथा 10 दिसंबर से, सभा ने लिया निर्णय

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी द्वारा संस्थापित एवं संचालित दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के तत्वावधान में 10 से 16 दिसम्बर तक गोशामहल पुलिस ग्राउंड में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। यह कथा संस्थान के गौ संरक्षण व संवर्धन प्रकल्प 'कामधेनु' को समर्पित है। संस्थान के दिल्ली स्थित मुख्यालय से पधारे स्वामी आदित्यानंद के नेतृत्व में आज हुई एक विशेष सभा में सभी पदाधिकारियों व आशुतोष महाराज जी के भक्तों की उपस्थिति में उक्त निर्णय लिया गया। स्वामी आदित्यानंद ने बताया कि इस कथा में माँ भगवती की लीलाओं व प्रसंगों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा व उनमें छिपे गूढ़ आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक रहस्यों को भी उजागर किया जाएगा।

बंजाराहिल्स स्थित ताजकृष्णा में आयोजित फैशन यात्रा प्रदर्शनी में भाग लेती हुईं कामिनी सर्राफ, राधिका, स्नेहा, लैला खान व अन्य।

मंगलघाट मंडल में कार्यकर्ता समावेश आयोजित

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के मंगलघाट मंडल में विस्तृत कार्यकर्ता समावेश का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोवा के सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष गोवासदानंद शेट तनावड़े ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस अवसर पर जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, पूर्व विधायक इंद्रसेना रेड्डी, गोलकुंडा भाजपा अध्यक्ष पांडु यादव, पार्षद श्रीमती शशिकला श्रीमती डॉ. सुरेखा ओमप्रकाश व कृष्णा आदि उपस्थित रहे।

पोलिस अधीक्षक सिंधु शर्मा ने अंतर राज्य चेक पोस्ट का निरीक्षण किया

मदनूर, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अचार सहित लागू होने के बाद मदनूर मंडल सल्बतपुर गांव के समीप तेलंगाना महाराष्ट्र सीमा पर कुछ दिन पहीले चुनाव अधिकारी के आदेशानुसार वाहनों की तलाशी जारी है। यहां अवैध तस्करी पर पाबंदी लगाने के लिय चेक पोस्ट का निर्माण किया गया है। मंगलवार के दिन कमारेड्डी जिला पोलिस अधीक्षक सिंधु शर्मा ने इस चेक पोस्ट का निरीक्षण करने के बाद पुलिसकर्मियों को बताया कि हर एक वाहन की तलाशी लें। अगर किसी पर शंका हो तो तुरंत प्रमुख आधिकारियों को जानकारी दें। मंगलवार के दिन वाहनों की लेते समय एक कार में 1 लाख पच्चास हजार, एक बुलोरो में एक लाख कुल मिलाकर 2 लाख पच्चास हजार रुपए प्राप्त हुए। इस समय बांसवाड़ा डी एस पी रेड्डी, बिचकुंदा सी आय कृष्णा, मदनूर एस आय कृष्णा रेड्डी स्थानिक आर टी ओ अधिकारी सुभाष के साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

व्यक्ति ने पत्नी की हत्या कर जीवन समाप्त किया

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागोले में सोमवार रात एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और बाद में आत्महत्या कर ली। पी राजू, (45) जो एक ड्राइवर के रूप में काम करता था और अपनी पत्नी, टी संतोषा और अपने दो बच्चों के साथ नागोले के साईराम नगर कॉलोनी में रहता था। इस जोड़े की शादी को 17 साल हो गए थे। सोमवार की रात, राजू और उसकी पत्नी के बीच किसी पारिवारिक मुद्दे पर झगड़ा हुआ, जिसके दौरान उस व्यक्ति ने चाकू से संतोषा का गला काट दिया।

इसके बाद उसने उसके सिर पर लकड़ी से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। नागोले इंस्पेक्टर सी वेंकटेश्वरलू ने कहा कि इसके बाद वह व्यक्ति सरूरनगर स्थित अपने रिश्तेदारों के घर गया और एक अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

तीन-दिवसीय डांडिया धमाल 20 से

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना कोत्तापेट शाखा द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष्य में तीन-दिवसीय डांडिया धमाल कार्यक्रम का आयोजन अक्टूबर 20-22 को किया जा रहा है। चैतन्यपुरी, कोत्यापेट स्थित भाग्यश्री फंक्शन ऑल में किए जा रहे इस रंगारंग कार्यक्रम के आकर्षक आयोजन के लिए दिनांक अक्टूबर 16 को कार्यकारिणी बैठक हुई। शाखा अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल ने सभी आयोजनकर्ताओं से अपील की है कि वे तन-मन-धन से इस कार्यक्रम को सफल एवं आने वाले अतिथियों के लिए यादगार बनाने की भरपूर कोशिश करें। सभा में उपस्थित केंद्रीय समिति सदस्य अशोक जिंदल, उपाध्यक्ष अरुण गोयल, मंत्री राजगोपाल अग्रवाल, सह-मंत्री ललित कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य दीपक बसल ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए संपूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है ।

हैदराबाद की छात्रा की संयुक्त राज्य अमेरिका में मौत

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दो दिन पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के कंसास में एक सड़क दुर्घटना में हैदराबाद की एक महिला की मौत हो गई। नारायणगुडा की रहने वाली प्रतीक्षा कुंवर (22) कंसास के विचिटा स्टेट यूनिवर्सिटी से एमबीए कर रही थी। वहां की स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, दुर्घटना रविवार शाम करीब 7 बजे झील के ठीक दक्षिण-पूर्व में 21वीं स्ट्रीट नॉर्थ और 391वीं स्ट्रीट वेस्ट पर हुई, जब पूर्व की ओर जाने वाली निसान सेंट्रा स्टॉप साइन पर रुकने में विफल रही और उत्तर की ओर जाने वाली चेवी ताहो से टकरा गई।

सीरवी समाज एलबी नगर का नवरात्रि महोत्सव जारी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एल.बी.नगर स्थित सीरवी समाज वेल्फेयर एसोशिएशन हैदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में सोमवार 23 अक्टुबर तक समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन समाज के मंदिर प्लॉट बंडलागुड़ा मे आयोजित किया जा रहा है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष जगदीशप्रसाद काग ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य मे नवरात्रि महोत्सव व डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रतिदिन पुजा-अर्चना एवं रात्रि 8.15 बजे से 10 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम रहेगा। सचिव प्रकाश सेपटा ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव में पूजा-अर्चना, डांडिया कार्यक्रम मे सपरिवार भाग लेकर, दर्शन एवं कार्यक्रम का लाभ लें।

नल्लापोचम्मा अम्मावरी मंदिर में नवरात्रि समारोह जारी

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनापल्ली बापूजीनगर में श्री देवी नल्लापोचम्मा अम्मावरी मंदिर में दशहरा शरणनवरात्रि समारोह भव्य रूप से चल रहा है। भक्त हर दिन देवी का विशेष श्रृंगार कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। आज मुख्य अतिथि के रूप में मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप द्वारा मां अन्नपूर्णा देवी का श्रृंगार एवं पूजन किया गया। बाद में अन्नदान कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मंदिर समिति के तत्वाधान में भक्ति भाव से नवरात्र मनाया जा रहा है और हर दिन अन्न दान का कार्यक्रम होता है। कार्यक्रम में अजित कल्याण, प्रेम मुदिराज, रामाराव, जहांगीर गौड़, श्रीकांत, मोनी, भावना एवं अन्य ने भाग लिया।

माता की चौकी आयोजित की गई

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मोतीनगर जनप्रिया मेट्रोपोलिस गेटवे कैम्युनिटी में जय माता दी परिवार जनप्रिया द्वारा भव्य माता की चौकी आयोजित की गई जिसमे भाग्यनगर के सुप्रसिद्ध भजन गायक पंकज झा पार्टी ने सुंदर भजन प्रस्तुत कर समस्त माता रानी के भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया। यहां पर माता रानी का माताओं बहनों द्वारा हर रोज अलग अलग श्रृंगार किया जाता है।

आज माता का शाकंभरी माता के रूप में श्रृंगार किया गया और रात 8 बजे से मध्य रात्रि तक माता रानी के भजन में लोग झूमे और नाचे। यह जानकारी सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर जयपाल सिंह नयाल ने दी।

इसामिया बाजार स्थित नारायण सेवा संस्थान में आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर में उपस्थित मुख्य अतिथि विजय सुराणा, अभय चौधरी, अलका चौधरी, राहुल जैन, को सम्मानित करते हुए रिद्धीश जागीरदार, पारस दोशी एवं अन्य।

अग्र महिला मंच का नवरात्रि गरबा डांडिया धमाल 19 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच के पदाधिकारियों की बैठक में सभी पदाधिकारियों की सहमति से 19 अक्टूबर, गुरुवार को सायं 6 से 9.30 आबिडस स्थित केमिस्ट भवन में डांडिया उत्सव मनाये जाने का निर्णय लिया गया। मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि महिलाओं द्वारा विविध स्वादिष्ट व्यंजनों व परिधानों की स्टाल्स लगाई जाएगी। मंत्राणी अंजू गोयल ने बताया कि इसके अंतर्गत अनेक प्रतियोगिताएं होंगी, जैसे सर्वश्रेष्ठ युगल जोड़ी, सर्वश्रेष्ठ परिधान, डांस एवम् बच्चों के लिए भी आकर्षक,मनोरंजक गेम्स रहेंगे साथ ही अर्ली बर्ड लक्की ड्रा में अनेकों उपहारों से विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा डांडिया उत्सव के मुख्य अतिथि गोपाल बल्दवा, श्रीमती मंजू बल्दवा शोभायमान रहेंगे। साथ ही राजकुमार सरायवाला, श्रीमती सतवंती सरायवाला की भी उपस्थिति रहेगी। इस अवसर पर दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सीमा पंसारी, मंजू केजरीवाल, प्रभावती अग्रवाल, सीमा गर्ग, मधु गोयल, सरला जिंदल, संगीता देवड़ा, अमिता बगेडिया, सपना अग्रवाल, मीना कुछल, सरला अग्रवाल ने उपस्थित रहकर अपने विचार व्यक्त किए।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

क्या विराट कोहली के कारण ओलंपिक में खेला जाएगा क्रिकेट ? क्या बोले आईओसी मेंबर

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। विराट कोहली इस वक्त वनडे वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे हैं। वह काफी अच्छे फॉर्म में भी हैं। विराट कोहली को लेकर आईओसी के एक मेंबर ने बड़ा बयान दिया है।

विराट कोहली की लोकप्रियता अक्सर दुनिया भर के क्रिकेट फैंस को उनके पीछे और यहां तक कि आईसीसी टूर्नामेंटों के दौरान भारतीय टीम को भी आकर्षित करती है और यह उनकी विशाल फैन फॉलोइंग है जिसने क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एलए स्थानीय आयोजन समिति (एलएएलओजी) के अध्यक्ष निकोलो कैंप्रियानी ने अनुभवी बल्लेबाज की लोकप्रियता को प्रमुख कारणों में से एक के रूप में बताया, जिसके कारण क्रिकेट को चार अन्य खेलों स्क्वैश, बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, लैक्रोस और फ्लैग फुटबॉल के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में जगह मिली।

क्या बोले आईओसी मेंबर

आईओसी के मेंबर कैमप्रियानी ने मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की बैठक के दौरान कहा कि युवाओं खेलों को बनाए रखने के लिए हम सभी एक मजबूत डिजिटल उपस्थिति के महत्वपूर्ण महत्व को समझते हैं। और क्रिकेट ऐसा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान कर रहा है। मेरे हिसाब से यह मेरा दोस्त विराट कोहली है, जो 340 मिलियन फॉलोवर्स के साथ सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलोवर्स वाला एथलीट है, जो लेबरॉन जेम्स, टॉम ब्रैडी और टाइगर वुड्स के कुल फॉलोवर्स से भी अधिक है।

विराट कोहली भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के आयकन हैं। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले एथलीटों में से एक हैं और उनकी फैन फॉलोइंग में अभी भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। दाएं हाथ के बल्लेबाज के फेसबुक पर 51 मिलियन से अधिक, ट्विटर पर 'एक्स' पर 58.3 मिलियन और इंस्टाग्राम पर 260 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। इन तीन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैन फॉलोइंग के मामले में कोई भी अन्य भारतीय एथलीट विराट कोहली के करीब नहीं है।

क्रिकेट के लिए बड़ा दिन

ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल की वापसी के बाद इसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की एक बड़ी जीत मानी जा रही है। इससे क्रिकेट को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स बनाने में उन्हें काफी मदद मिलेगी। इससे पहले कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में महिला क्रिकेट के इवेंट को आयोजित किया गया था। वहीं लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक गेम्स में पुरुष और महिला दोनों के क्रिकेट इवेंट के मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें अभी 6-6 टीमों को शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिन्हें रैंकिंग के आधार पर क्वालीफिकेशन मिलेगा। इसके अलावा ओलंपिक के मैचों का आयोजन टी20 फॉर्मेट में किया जाएगा।

आर्थर की टिप्पणी पर आईसीसी चेयरमैन बार्कले ने कहा
सभी आलोचनाओं की समीक्षा करेंगे बेहतर करने की कोशिश करेंगे

खेल डेस्क, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पाकिस्तान टीम के डायरेक्टर मिकी आर्थर की 'बाइलेटरल सीरीज' वाली आलोचना की समीक्षा करेगा। आईसीसी चेयरमैन ग्रेग बार्कले इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के सेशन में भाग लेने मुंबई पहुंचे थे, जहां उन्होंने 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में टी-20 क्रिकेट को शामिल करने के लिए वोट किया था।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, बार्कले ने आर्थर के आलोचना को ज्यादा तवज्जो नहीं दी और कहा ऐसा हार बार होता है।

बार्कले ने आगे कहा, हर टूर्नामेंट में अलग-अलग तरह की आलोचनाएं होती हैं, इन सब को हम देखेंगे और समीक्षा करेंगे, बेहतर करने की कोशिश करेंगे।

ऐसा लग रहा था मानो यह बीसीसीआई इवेंट हो- आर्थर

बता दें, 14 अक्टूबर को ऑर्थर ने भारत से मिली हार के बाद कहा था, 'आज रात ऐसा नहीं लग रहा था कि यह कोई आईसीसी इवेंट है, यह बाइलेटरल सीरीज जैसा लग रहा था, ऐसा लग रहा था मानो यह बीसीसीआई इवेंट हो।'

पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऑर्थर ने कहा, 'मैं फाइनल में भारत से भिड़ने का इंतजार कर रहा हूं।

मैंने स्टेडियम में 'दिल दिल पाकिस्तान' ज्यादा नहीं सुना। यह भी भूमिका निभाता है, लेकिन इसे बहाने के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।'

भारत ने पाकिस्तान को हराया

वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लीग स्टेज के सबसे बड़े मुकाबले को भारत ने अपने नाम किया।

टीम इंडिया ने शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला सही साबित हुआ। टीम ने पाकिस्तान को 191 रन पर ही समेट दिया

192 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने तेज शुरुआत दिलाई। रोहित ने महज 63 गेंद पर 86 रन की पारी खेली और मैच में भारत को पूरी तरह से हावी कर दिया।

सब मना रहे थे छुट्टी, लेकिन टीम के गुरु थे वर्किंग
गुप चुप तरीके से पहुंचे स्टेडियम, फिर खास शख्स से की मुलाकात

पुणे, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय टीम की अगली भिड़ंत 19 अक्टूबर को बांग्लादेश क्रिकेट टीम के साथ है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला पुणे स्थित महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग से एक दिन की छुट्टी ली। पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने के बाद ब्लू टीम अपने अगले मुकाबले के लिए 15 अक्टूबर को पुणे पहुंची। जिसके बाद उन्होंने 16 अक्टूबर को अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया और कमरे में ही पूरी तरह से आराम किया।

आगामी मुकाबले से पूर्व जहां भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों और स्टाफ ने आराम किया। वहीं एक ऐसा शख्स भी रहा जो छुट्टी के दिन भी अपने काम में व्यस्त रहा। वह कोई और नहीं टीम के मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ हैं। जब सभी खिलाड़ी आराम कर रहे थे तो वह महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम की पिच को अच्छी तरह से भांप रहे थे। यही नहीं उन्होंने इस दौरान ग्राउंड स्टाफ और क्यूरेटर के साथ खास बातचीत भी की।

बता दें जारी टूर्नामेंट का अबतक एक भी मुकाबला पुणे में नहीं खेला गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच खेला जाने वाला मैच इस मैदान का पहला मैच होगा। मैच से पूर्व द्रविड़ पिच का मिजाज समझने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे।

वर्ल्ड कप में विजय रथ पर सवार है टीम इंडिया

वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद शानदार चल रहा है। जारी टूर्नामेंट में ब्लू टीम ने अबतक कुल तीन मैच खेले हैं। इस बीच उन्हें प्रत्येक मुकाबले में जीत मिली है। रोहित एंड कपंनी अपने उम्दा प्रदर्शन के बदौलत अंकतालिका में पहले स्थान पर स्थित है।

बाबर आजम को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए
अब पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने दी नेक सलाह

खेल डेस्क, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी विश्व कप 2023 में टीम इंडिया के खिलाफ मिली हार के बाद पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम को कप्तानी छोड़ने की सलाह मिलने लगी है। अब पूर्व कप्तान ने ही इसको लेकर सवाल उठा दिए हैं।

पाकिस्तानी टीम इस वक्त कुछ बुरे दौर से गुजर रही है। भले ही विश्व कप में टीम ने दो जीत के साथ आगाज किया हो, लेकिन उसके बाद टीम इंडिया से मिली चार विकेट से हार के बाद टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हार के बाद पाकिस्तानी टीम के कप्तान बाबर आजम की कप्तानी पर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान में इसको लेकर तरह तरह की बातें हो रहीं हैं। भारत के खिलाफ हुए मुकाबले में एक भी बार ऐसा नहीं लगा कि पाकिस्तान इस मैच को कहीं से जीत भी सकता है। इस बीच अब बाबर आजम को फिर से एक बार

कप्तानी छोड़ने की सलाह मिली है। ये राय किसी और ने नहीं, बल्कि पाकिस्तानी के ही एक पूर्व कप्तान ने दी है।

शोएब मलिक को बोले, कप्तानी छोड़ दें बाबर आजम तो हो जाएगा बेहतर प्रदर्शन

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 में 14 अक्टूबर को भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने एक बार फिर कप्तान बाबर आजम को कप्तानी छोड़ने और टीम के लिए एक खिलाड़ी के रूप में खेलने की सलाह दी है। एक निजी टीवी शो के दौरान शोएब मलिक मलिक ने कहा कि बाबर के लिए मेरी एक ईमानदार राय है, जिसे मैंने पहले भी कहा है कि बाबर को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए। शोएब मलिक ने साफ किया कि कि वह बाबर के लिए ऐसी राय रखते हैं, इसलिए नहीं कि पाकिस्तान भारत से हार गया और न ही इसलिए कि टीम बड़े अंतर से हार गई, बल्कि उनका मानना है कि बाबर आजम कप्तानी के बिना बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

शोएब मलिक ने किया है बाबर आजम पर काफी होमवर्क

चैनल से बात करते हुए शोएब मलिक ने कहा कि मैंने कुछ होमवर्क किया है जिसके आधार पर बाबर आजम एक क्रिकेटर के रूप में अपने और टीम के लिए अद्भुत प्रदर्शन कर सकते हैं। शोएब मलिक ने कहा कि एक कप्तान के रूप में बाबर आजम अलग हटकर नहीं सोचते और किसी भी क्रिकेटर को अपने नेतृत्व को अपने बल्लेबाजी कौशल के साथ नहीं मिलाना चाहिए, क्योंकि ये दोनों अलग चीजें हैं।

वह लंबे समय तक कप्तान रहे हैं। सुधार हो रहा है। इसके अलावा शोएब मलिक ने कहा कि अगर हमारी टीम का कोई भी मैच योजना के मुताबिक चलता है, तो खिलाड़ी आक्रमण करते हैं, लेकिन अगर कुछ योजना से इधर उधर होता है, तो वे हमला नहीं करते हैं। मलिक के अनुसार बाबर आजम को पूरी टीम के साथ एक मीटिंग करनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है, अभी कई मैच बाकी हैं।

ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पर नीता अंबानी ने जताई खुशी, बताया ऐतिहासिक फैसला

मुंबई, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई में चल रही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की बैठक में साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक गेम्स में क्रिकेट को भी शामिल कर लिया गया। इस पर ओलंपिक समिति की सदस्य नीता अंबानी ने अपनी खुशी को व्यक्त किया है।

थॉमस बाच और नीता अंबानी

मुंबई में चल रही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की बैठक में 16 अक्टूबर को साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने का ऐतिहासिक फैसला लिया गया। इस पर IOC की सदस्य नीता अंबानी ने अपनी खुशी को जताया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि आईओसी के सदस्यो ने लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक गेम्स के लिए क्रिकेट को शामिल करने पर अपनी सहमति जताई।

ओलंपिक मूवमेंट को मिलेगी काफी मदद

आईओसी सदस्य नीता अंबानी ने अपने बयान में क्रिकेट को शामिल किए जाने के बाद कहा कि इससे ओलंपिक मूवमेंट को विश्व के और भी देशों में लेकर जाने में काफी मदद मिलेगी। एक आईओसी सदस्य और भारतीय होने के साथ मुझे इस फैसले पर सबसे ज्यादा खुशी हो रही है। मुझे खुशी है कि आईओसी के सदस्यों ने क्रिकेट को शामिल किए जाने के लिए इसके पक्ष में मतदान किया। नीता अंबानी ने आगे कहा कि वैश्विक स्तर पर क्रिकेट सबसे अधिक पसंद किए जाने खेलों में से एक होने के साथ दूसरा सबसे ज्यादा देखा जाने वाला खेल है। 1.4 अरब भारतीयों के लिए क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, यह एक धर्म है! मुझे खुशी है कि यह ऐतिहासिक फैसला हमारे देश में लिया गया और इसे मुंबई में हो रही 141वें आईओसी सत्र में पारित किया गया। ओलंपिक में क्रिकेट ते आने से इसे वैश्विक तौर पर और अधिक लोकप्रियता भी मिलेगी।

क्रिकेट के अलावा 4 अन्य खेलों को भी किया गया शामिल

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक गेम्स में क्रिकेट के अलावा 4 और खेलों को शामिल किया गया है। इन खेलों में बेसबॉल-सॉफ्टबॉल, स्क्वैश, फ्लैग फुटबॉल और लैक्रोस हैं। क्रिकेट ओलंपिक में टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा जिसमें महिला और पुरुष दोनों के ही इवेंट आयोजित किए जायेंगे।

स्क्वैश को ओलंपिक में मिली जगह
सौरव घोषाल भविष्य पर फिर से करेंगे विचार

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज घोषाल ने एशियाई खेलों के छह सत्र में देश का प्रतिनिधित्व किया है और पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के एकल स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। घोषाल अभी 37 साल के हैं और 2028 ओलंपिक के समय तक वह 42 साल के हो जाएंगे।

भारत के सबसे दिग्गज स्क्वैश खिलाड़ियों में शामिल सौरव घोषाल 40 बरस की उम्र के बाद शायद ही खेल को जारी रखते लेकिन 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक कार्यक्रम में इस खेल को जगह मिलने के बाद वह भविष्य के लिए अपनी योजना को फिर से तैयार करेंगे। घोषाल अभी 37 साल के हैं और 2028 ओलंपिक के समय तक वह 42 साल के हो जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय

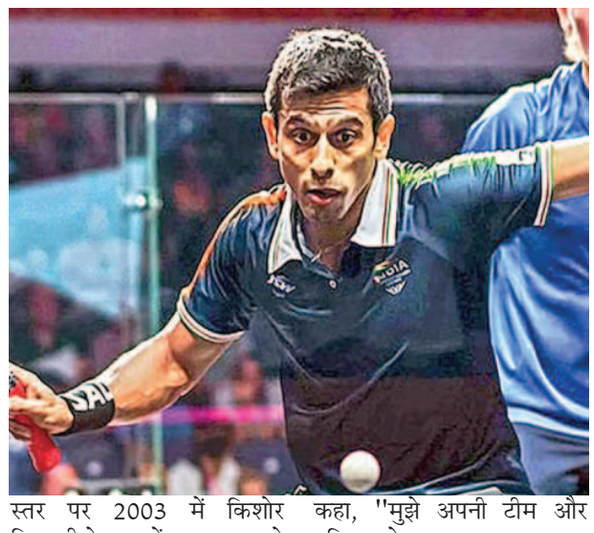

स्तर पर 2003 में किशोर खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाने वाले घोषाल ज्यादातर समय तक अपने खेल के शीर्ष पर रहने में सफल रहे हैं।

घोषाल ने 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक को लेकर कहा, "मुझे अपनी टीम और परिवार के साथ इस बात पर विचार करना होगा कि क्या मैं तब तक खेलना जारी रखकर भारत के लिए पदक जीतने की स्थिति में रहूंगा। अगर ऐसा हुआ तो यह मेरे कॅरिअर का सबसे यादगार पल होगा।"

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज घोषाल ने एशियाई खेलों के छह सत्र में देश का प्रतिनिधित्व किया है और पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के एकल स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। घोषाल अभी 37 साल के हैं और 2028 ओलंपिक के समय तक वह 42 साल के हो जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2003 में किशोर खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाने वाले घोषाल ज्यादातर समय तक अपने खेल के शीर्ष पर रहने में सफल रहे हैं। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज घोषाल ने एशियाई खेलों के छह सत्र में देश का प्रतिनिधित्व किया है और पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों के एकल स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे।

भारत में स्पिन गेंदबाजों का दबदबा, एडम जम्पा ने श्रीलंका के खिलाफ किया ये बड़ा कारनामा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा ने श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट झटके। जम्पा की शानदार गेंदबाजी के कारण श्रीलंकाई टीम 209 रन पर ही ऑलआउट हो गई।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 का 14वां मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच खेला जा रहा है। इस मुकाबलो में भी स्पिन गेंदबाज का ही दबदबा रहा। एक बार फिर से स्पिन गेंदबाजों ने अपना लोहा मनवाया। इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया और उनकी टीम 43.3 ओवर में महज 209 रन पर सिमट गई। श्रीलंका को इतने कम टोटल पर रोकने में ऑस्ट्रेलियाई स्पिन गेंदबाज एडम जम्पा का अहम योगदान रहा। जम्पा के कारण ही अच्छे शुरुआत के बाद भी श्रीलंकाई टीम एक बड़ा स्कोर नहीं खड़ा कर सकी।

जम्पा का कमाल

एडम जम्पा ने इस मुकाबले में 47 रन देकर चार अहम विकेट झटके। श्रीलंका के सलामी बल्लेबाजों कुसल परेरा (78) और पथुम निसंका (61) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच 130 गेंद में 125 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने दमदार शरूआत की लेकिन इस

साझेदारी के टूटने के बाद उसकी पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। एक समय ऐसा लग रहा था कि श्रीलंकाई टीम बड़ी आसानी से 300 से ज्यादा का स्कोर बना लेगी, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। श्रीलंकाई पारी को समेटने में कप्तान कमिंस का भी योगदान रहा। इन दोनों खिलाड़ियों को कमिंस ने पवेलियन की राह दिखाई। कमिंस की गेंद पर डेविड वॉर्नर ने शानदार कैच लपककर निशंका की पारी को खत्म किया जिसके बाद उन्होंने परेरा को बोल्ड कर श्रीलंका को 157 के स्कोर पर दूसरा झटका दिया।

जम्पा ने बनाया रिकॉर्ड

इस मैच में श्रीलंका एक समय पर सिर्फ एक विकेट खोकर 157 रन बनाकर खेल रही थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने सिर्फ 52 रनों के भीतर अपने 9 विकेट गंवा दिए। इस दौरान एडम जम्पा ने 4 विकेट हॉल लिया। यह उनके वनडे करियर का 10वां 4 विकेट हॉल है। उनके अलावा सिर्फ शेन वॉर्न ही दस 4 विकेट हॉल के आंकड़े को पार करने वाले ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर हैं। वह ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के दूसरे स्पिनर बने हैं। एडम जम्पा ने इस मैच में कुसल मेंडिस (9 रन), सदीरा समरविक्रमा (2 रन), चमिका करूणारत्ने (2 रन) और महीश तीक्षणा (0 रन) को आउट किया।

नॉर्वे को हराकर स्पेन ने बनाई यूरो 2024 के लिए जगह, गावी ने किया गोल

खेल डेस्क, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेन और स्कॉटलैंड ने यूरो 2024 के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं और यह हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में गोल की शुरुआत स्पेन की टीम ने की।

गावी के एकमात्र गोल की मदद से स्पेन ने यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालिफायर के मुकाबले में नॉर्वे को 1-0 से हरा दिया। पूरे मैच में स्पेनिश टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। स्पेन और स्कॉटलैंड ने यूरो 2024 के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर

पाईं और यह हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ में गोल की शुरुआत स्पेन की टीम ने की। गावी ने 49वें मिनट में बॉक्स के अंदर से गोल करके टीम का मैच में खाता खोल दिया।

इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं और मैच स्पेन ने जीत लिया। तीन बार की यूरोपियन विजेता स्पेनिश टीम 2012 के बाद इस ट्रॉफी को जीतने की कोशिश करेगी। स्कॉटलैंड ने लगातार दूसरी बार यूरो के लिए क्वालिफाई किया। वहीं, अन्य मुकाबलों में तुर्की की टीम लातविया को 4-0 से हराकर आगे बढ़ने में सफल रही, जबकि क्रोएशिया को ग्रुप-डी में लगातार दूसरी बार हार मिली।

चार कुख्यात गांजा तस्कर और ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार

1000 किलोग्राम गांजा बरामद, दो वाहन बरामद

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बोलारम पुलिस, हैदराबाद के साथ टीएसएनएबी के अधिकारियों ने चेकपोस्ट, बोलरम पर वाहन चेकिंग के दौरान भारी मात्रा में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सकाराम राठौड़, अहमद खान, दिगंबर रामू पवार और अजय रामअवतार चौरसिया उर्फ अर्जुन शामिल हैं। इनके कब्जे से 1000 किलोग्राम गांजा, 1 डीसीएम वैन, 1 कार और 4 सेल फोन जब्त किए गए, जिनकी कीमत 3.5 करोड़ रुपये है। पुलिस अधीक्षक (पश्चिम), टीएस एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीएसएनएबी),डी.सुनीता रेड्डी ने बताया कि आरोपी सकाराम राठौड़ विजयनगर थांडा, वल्लेपुर (वी), औराद (टीक्यू), बीदर, कर्नाटक का मूल निवासी है। उसने 5वीं कक्षा तक पढ़ाई की और साल 2002 में वह हैदराबाद आकर छह साल तक पानीपुरी गाड़ी पर काम किया। वर्ष 2010 में उन्होंने गैलेक्सी थिएटर, शैकपेट, हैदराबाद के पास अपना पानीपुरी व्यवसाय शुरू किया और इसे दो साल तक चलाया। चूँकि उनकी आय अपर्याप्त थी, इसलिए वह अपने गाँव वापस गया और अपने पिता के साथ जनवाड़ा, बीदर में चीनी कारखाने में श्रमिक ठेकेदारी के काम में शामिल हो गया। बाद में उसने ओडिशा के मलकानगिरी से बीदर और मुंबई के इलाकों में गांजा खरीदना और परिवहन करना शुरू कर दिया। आरोपी सकाराम राठौड़ जब बीदर के जनवाड़ा में चीनी फैक्ट्री में श्रमिक ठेकेदारी का काम कर रहा था, तब उसने देखा कि कई श्रमिक गांजा पीने के आदी थे और बीदर, महाराष्ट्र और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में गांजे की भारी मांग थी। उनके कुछ परिचित इन मजदूरों को गांजा की आपूर्ति और बिक्री में लिप्त थे। वे आंध्र और ओडिशा से गांजा खरीदकर बीदर लाते थे और स्थानीय तस्करों को सप्लाई करते थे और मोटी रकम कमाते थे। चूँकि उसे वांछित आय नहीं मिल रही थी, इसलिए उसने गांजा खरीदकर बीदर और महाराष्ट्र में सप्लाई करने का फैसला किया और अपने दोस्तों काशीराम, लक्ष्मण और रवि के साथ जुड़ गया और आंध्र प्रदेश और मलकानगिरी के एजेंसी क्षेत्रों से गांजा खरीदकर बीदर और महाराष्ट्र में तस्करों को गांजा सप्लाई करना शुरू कर दिया। उसने ठाणे, महाराष्ट्र के अजय रामावतार चौरसिया उर्फ अर्जुन से भी संपर्क विकसित किया और उसे गांजा की आपूर्ति की। तब से जब भी वह आंध्र और ओडिशा से गांजा खरीद रहा है तो वह अजय रामअवतार चौरसिया उर्फ अर्जुन को भी सप्लाई कर रहा है। इस क्रम में वह उपरोक्त मामलों में गिरफ्तार होकर जेल गया। जेल से रिहा होने के बाद, उसने खुद ही गांजा खरीदने का फैसला किया और अपने चचेरे भाई जयदेव चौहान (जो फरार है) से गांजा खरीदने में उसकी मदद करने को कहा। जिसके लिए वह राजी हो गया। बाद में उसने एपी से ओडिशा, बीदर और मुंबई तक गांजा परिवहन करने के लिए जयदेव चौहान की सहायता से एक डीसीएम वैन नंबर टीएस 12 यूबी 4985 खरीदी और इसमें उसकी सहायता के लिए आरोपी अहमद खान को ड्राइवर और दिगंबर रामू पवार को क्लीनर के रूप में नियुक्त किया। इसी बीच अजय रामावतार चौरसिया उर्फ अर्जुन ने उसे भारी मात्रा में गांजा मंगवाया। उसने उसे आश्वासन दिया कि वह ठाणे में उसके लिए गांजा की आपूर्ति की व्यवस्था करेगा। उन्होंने काशीराम के माध्यम से ओडिशा के मलकानगिरी में गांजा के आपूर्तिकर्ता सन्यासी राव से संपर्क किया और भारी मात्रा में गांजा की आपूर्ति करने को कहा और गांजा के लिए 8 लाख रुपये की अग्रिम राशि का भुगतान किया। उसने पुलिस चेकिंग से बचने के लिए क्रेटों के नीचे छिपाकर गांजा ले जाने के इरादे से हुम्नाबाद से (100) खाली क्रेट भी खरीदे। लगभग चार दिन पहले सकाराम राठौड़ के निर्देशानुसार आरोपी व्यक्ति अहमद खान और दिगंबर रामू पवार डीसीएम वैन में बक्से रखकर मलकानगिरी गए और डीसीएम वैन में (1000) किलोग्राम गांजा लोड किया और ऑटो नगर, राजमंड्री लौट आए जहां आरोपी सकाराम राठौड़ अपनी मारुति स्विफ्ट कार संख्या एमएच 14 सीसी 4763 के साथ उनके साथ शामिल हो गया और डीसीएम वैन से अपनी कार में (80) किलोग्राम गांजा से भरे (4) बैग लोड किए और पुलिस चेकिंग से बचने के लिए डीसीएम वैन को एस्कॉर्ट करना शुरू कर दिया। इस बीच उन्होंने आरोपी अजय रामअवतार चौरसिया उर्फ अर्जुन को सिकंदराबाद के पास शहर के बाहरी इलाके में उनके साथ शामिल होने के लिए सूचित किया। आज जब आरोपी व्यक्ति कार और डीसीएम वैन में गांजा लेकर जा रहे थे, इसी बीच टीएसएनएबी की टीम ने बोलारम पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों को गिरफतार कर लिया।

चुनाव आचार संहिता का पालन करने के लिए शहर भर में जांच : रोनाल्ड रोज

जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने चुनाव अधिकारियों को चुनाव आचार संहिता के बाद शहर-व्यापी निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को जीएचएमसी मुख्यालय में बैंक, आरबीआई, आयकर, सतर्कता, आरटीए और एनसीबी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस मौके पर हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, हैदराबाद जिले में नकदी और शराब की आवाजाही को रोकने के लिए सीमाओं पर पार्सल, कूरियर, ट्रेन चेकिंग और निगरानी कार्यक्रम बड़े पैमाने पर चलाए जाने चाहिए। . उन्होंने कहा कि सभी शराब की दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि जिले में आबकारी विभाग द्वारा हॉट स्पॉट चिन्हित कर विशेष उपाय किये जायें। उन्होंने कहा कि सभी गोदामों की जांच कराई जाए और सीसी कैमरे लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि 18 एकीकृत जांच चौकियों के माध्यम से जांच करायी जाये। उन्होंने कहा कि पिछले छह माह में आरबीआई और पोस्ट ऑफिस के माध्यम से बड़ी मात्रा में नकद लेनदेन का विवरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यूपीआई (गूगल पे, फोन पे, पेटीएम) के माध्यम से एक खाते से कई खातों में पैसे ट्रांसफर का विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 10 लाख से अधिक के नकद लेनदेन पर आयकर विभाग कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि 10 लाख से अधिक के नकद लेनदेन और बड़ी मात्रा में धन हस्तांतरण का विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नकदी के स्रोतों की पहचान की जानी चाहिए और बैंकों के माध्यम से जानकारी प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एटीएम में पैसे डालने वाले वाहनों पर निगरानी और कैमरे लगाए जाने चाहिए ।उन्होंने कहा कि अवैध रूप से परिवहन किये गये नकदी को जब्त कर इसकी सूचना जिला शिकायत कोषांग को उपलब्ध करायी जाये। आयकर अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध नकदी लेनदेन की पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अवैध धन पर निगरानी रखी जाये। आरटीए अधिकारियों ने कहा कि 18 चेक पोस्टों पर उनके स्टाफ की नियुक्ति की जाए। एनसीबी विभाग के प्रमुख अंबर पटे ने कहा कि घाटकेसर से परिवहन की जाने वाली दवाओं पर व्यापक जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सिगरेट और गांजा सप्लाई करने वाले स्थानों पर निगरानी रखी जाए। खुफिया अधिकारियों ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों और गोदाम क्षेत्रों में निरीक्षण किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अवैध रूप से ले जाए जा रहे सोने और चांदी पर निगरानी रखें और ई-वेबिल और एफएमसीजी के माध्यम से थोक बाजारों में निरीक्षण करें। जिला शिकायत प्रकोष्ठ द्वारा जब्त की गई नकदी के लिए संबंधित वाहनों का रिकार्ड दर्ज किया जाना चाहिए और समय और वाहन नंबर शामिल किया जाना चाहिए। बैठक में डिप्टी डीईओ अनुदीप दुरीशेट्टी, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, अतिरिक्त सीपी विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त कलेक्टर मधुसूदन, अतिरिक्त आयुक्त चुनाव शकरैया, नोडल अधिकारी, बैंक, आयकर, ईडी, आरटीए विभागों के अधिकारी और अन्य ने भाग लिया।

टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी को हिरासत में लिया गया, छोडा

बीआरएस प्रमुख को चुनौती देकर बिना अनुमति कर रहे थे सभा

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी को मंगलवार को यहां गनपार्क के पास एहतियातन हिरासत में ले लिया गया, जब वह अधिकारियों से पूर्व अनुमति लिए बिना पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंच गए। रेवंत रेड्डी ने हाल ही में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को गन पार्क में शहीद स्मारक पर आने और शपथ लेने की चुनौती दी थी कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को पैसे और शराब की पेशकश जैसे प्रलोभन के बिना वोट मांगेगी।

चूंकि रेवंत रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों से अनुमति नहीं ली थी और चूंकि आदर्श आचार संहिता लागू है, इसलिए उन्हें संभावित कानून और व्यवस्था के मुद्दों का हवाला देते हुए निवारक हिरासत में ले लिया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें (रेवंत) एहतियातन हिरासत में ले लिया गया और बाद में गांधी भवन भेज दिया गया। अपने राज्य इकाई प्रमुख के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारा लगाया, "पुलिस जुल्म बंद करो", क्योंकि पुलिस ने रेवंत रेड्डी को एहतियातन हिरासत में ले लिया।

पीसीसी अध्यक्ष ने बीआरएस के आरोपों के मद्देनजर सीएम केसीआर को "चुनौती" दी कि कांग्रेस तेलंगाना में मतदाताओं को लुभाने के लिए कर्नाटक से पैसा खर्च करेगी। बाद में, गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए, रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए धन-बल और शराब के वितरण पर निर्भर है।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हरीश राव, तारक रामाराव, कल्वाकुंतला चंद्रशेखर राव (सीएम केसीआर) कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं कि पड़ोसी राज्यों से पैसा आ रहा है। उन्होंने सार्वजनिक बैठकों में बार-बार कहा कि कांग्रेस पैसा और शराब बांटकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के लोगों के लिए यह स्पष्ट है कि बीआरएस और भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान हुजूराबाद और मुनुगोडे उपचुनावों को धन बल से जीतने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि मुनुगोडे विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान 20 दिनों में निर्वाचन क्षेत्र में शराब की दुकानों में 300 करोड़ रुपये की शराब बेची गई, जबकि सामान्य बिक्री 60 करोड़ रुपये प्रति माह है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने मुनुगोडे उपचुनाव के दौरान न तो पैसे बांटे और न ही शराब बांटी क्योंकि पार्टी ऐसे अनैतिक तरीके अपनाकर उपचुनाव नहीं जीतना चाहती। उन्होंने आरोप लगाया, अब यह उजागर हो गया है कि केसीआर पैसे और शराब बांटकर (विधानसभा) चुनाव जीतना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा उन्हें तेलंगाना शहीद स्मारक पर इस आधार पर हिरासत में लेने को वह अस्वीकार करते हैं कि पुलिस और चुनाव रिटर्निंग अधिकारी की पूर्व अनुमति ली जानी चाहिए।

शहरी वनों पर दूसरे विश्व मंच को संबोधित करेंगी जीएचएमसी मेयर

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, जिन्हें शहरी वनों पर दूसरे विश्व मंच में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है, से जीएचएमसी द्वारा की गई पहलों विशेष रूप से हैदराबाद में प्रशंसित 'तेलंगानाकु हरिता हरम' पर ध्यान केंद्रित करते हुए, को साझा करने की उम्मीद है। घटनाओं पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा कि हमारे शहर की पहल, हरिता हरम में हमारे मुख्यमंत्री का दृष्टिकोण, स्वस्थ, समावेशी और निवासी शहरी स्थान बनाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मैं अपने प्रयासों को और बढ़ाने के लिए अपने अनुभवों को साझा करने और वैश्विक समकक्षों से सीखने के लिए उत्सुक हूं। संयुक्त राज्य अमेरिका में वाशिंगटन डी.सी. में होने वाला शिखर सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन और आर्बर डे फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया जाता है। मेयर सम्मेलन में भारत से एकमात्र प्रतिनिधि हैं जिसका उद्देश्य शहरी वानिकी के महत्व पर जोर देना है।

आसिफाबाद में 99 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने सोमवार रात कागजनगर में तेलंगाना ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों से 99 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की। कागजनगर पुलिस ने कहा कि नकदी तब जब्त कर ली गई जब रात करीब नौ बजे हुई आकस्मिक वाहन जांच के दौरान कर्मचारी प्रासंगिक दस्तावेज दिखाने में विफल रहे और शिपमेंट का विवरण ऑनलाइन अपलोड नहीं किया। चेक के समय कर्मचारी नकदी को कागजनगर से रेबेना में स्थानांतरित कर रहे थे। आगे की कार्रवाई के लिए नकदी को उड़न दस्ता टीम को सौंप दिया गया।

सीएम केसीआर ने बतुकम्मा साड़ियां जलाने वाले नेताओं की आलोचना की

कहा, बुनकरों के आंसू पोंछने के उद्देश्य से शुरू हुई थी बतुकम्मा साड़ी वितरण योजना

राजन्ना सिरसिला, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने उन नेताओं की आलोचना की जो बतुकम्मा साड़ी जला रहे हैं और कहा कि बतुकम्मा साड़ी वितरण योजना बुनकरों के आंसू पोंछने के उद्देश्य से तैयार की गई थी। मंगलवार को यहां सिरसिल्ला में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकरों और हथकरघा श्रमिकों को आर्थिक रूप से प्रोत्साहित करने और रमज़ान और क्रिसमस व बथुकम्मा जैसे त्योहारों के लिए मुफ्त कपड़े उपलब्ध कराने के लिए बीआरएस सरकार द्वारा 300 करोड़ रुपये की लागत से बथुकम्मा साड़ी योजना शुरू की गई थी, लेकिन, कुछ उपद्रवी लोग उन साड़ियों को ले जा रहे हैं और उन्हें जला रहे हैं, सरकार पर खराब गुणवत्ता वाली साड़ियों की आपूर्ति करने का आरोप लगा रहे हैं। केसीआर ने पूछा कि अगर साड़ियों की जरूरत नहीं है, तो आप उन्हें नहीं लेते हैं। आपको साड़ियां लेने और उन्हें जलाने के लिए किसने कहा है।

मुख्यमंत्री ने लोगों से यह भी कहा कि वे कांग्रेस पार्टी को वोट न दें क्योंकि इससे धरणी पोर्टल खत्म हो जाएगा और किसान के अंगूठे के निशान के बिना ग्राम राजस्व अधिकारी के स्तर से भूमि रिकॉर्ड में हस्तक्षेप की पुरानी प्रणाली वापस आ जाएगी। सिद्दीपेट सार्वजनिक बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त मंत्री टी. हरीश राव के नेतृत्व में सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र का अभूतपूर्व विकास किया गया और इसे ऐसे विकसित किया गया जैसे कि विकास के लिए और कुछ नहीं है।

उन्होंने सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र के साथ जुड़ाव को भी याद किया जिसने उन्हें राजनीतिक जन्म दिया और लोगों से एक लाख से अधिक वोटों के पिछले रिकॉर्ड को पार करके हरीश राव को फिर से विधायक के रूप में चुनने के लिए कहा।

कडप्पा हवाई अड्डे को 224 करोड़ रुपये से विकसित किया जाएगा

कडप्पा, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण ने कडप्पा हवाई अड्डे पर 224.05 करोड़ रुपये की लागत से नए घरेलू टर्मिनल के निर्माण और अन्य कार्यों के लिए निविदाएं बुलाई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले तीन महीनों में टेंडर प्रक्रिया और मार्च 2026 तक काम पूरा करने की योजना तैयार है। नाइट लैंडिंग सुविधा का काम पहले ही पूरा हो चुका है और हवाई अड्डे को सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है। नए घरेलू टर्मिनल भवन परिसर का निर्माण 12,900 वर्ग मीटर में किया जाएगा। और तिरूपति, विजयवाड़ा और राजामहेंद्रवरम हवाई अड्डों की तर्ज पर कडप्पा हवाई अड्डे पर तीन एयरोब्रिज बनाए जाएंगे। नाइटलैंडिंग के लिए मार्ग प्रशस्त करने के लिए 2.5 किमी रनवे, रनवे लाइटिंग, एप्रोच लाइटिंग, पार्किंग बे लाइटिंग, सुरक्षा, परिधि प्रकाश व्यवस्था और परिधि सड़क पर काम पूरा किया गया।

'जगनमोहन रेड्डी ने तटीय क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित किया'

एलुरु, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एपीसीआर मीडिया अकादमी के अध्यक्ष कोमिनेनी श्रीनिवास राव ने मंगलवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने तटीय क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया संगठन और राजनीतिक दल झूठ फैला रहे हैं कि राज्य उद्योगों को आकर्षित करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अमरावती को अपने लोगों के लिए एक रियल एस्टेट कंपनी के रूप में बदल दिया, जबकि मुख्यमंत्री जगन अब अपने अच्छे कार्यालयों का उपयोग कर रहे हैं और नए उद्योग स्थापित करके आंध्र प्रदेश का विकास कर रहे हैं।

चंद्रबाबू की गिरफ्तारी पर उन्होंने महसूस किया कि टीडीपी अध्यक्ष अपने परिवार के सदस्यों और वकीलों के कारण पिछले 38 दिनों से जेल में बंद हैं, जो जमानत के लिए आवेदन करने के बजाय मामले को रद्द करने की कोशिश कर रहे थे। दूसरे दिन तक, चंद्रबाबू तेज धूप में दौरा कर रहे थे, यह कहते हुए कि वह गुलाबी रंग में थे और अब जेल में रहते हुए खराब स्वास्थ्य की शिकायत करना किसी की समझ से परे है।

शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाना चाहिए : जिला कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 17 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र चुनाव के तहत सी व्हिसल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मंगलवार को अपर समाहर्ता दीपक तिवारी के साथ जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय भवन परिसर में बनाये गये नियंत्रण कक्ष एवं मीडिया सेंटर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव नियम लागू होने के कारण अधिकारी अपने सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन कुशलतापूर्वक करें।संपर्क कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सी व्हिसल ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को तुरंत मैदानी स्तर पर उड़नदस्ता टीमों को भेजा जाए और त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों को रजिस्टर में दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि 3 नवंबर को अधिसूचना जारी होगी, 10 को नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि, 13 को नामांकन की जांच, 15 को नामांकन वापसी, 30 को मतदान, 3 को मतगणना होगी। दिसंबर और चुनाव नियम 5 दिसंबर तक प्रभावी रहेंगे। इस मामले में कंट्रोल रूम से फील्ड में उड़नदस्ता अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई।इस कार्यक्रम में कंट्रोल रूम प्रभारी गौतम, रामू, संबंधित अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

!! श्री संत ज्ञानेश्वर भजन मंडळ महाराजगंज
हनुमान मंदीर भाग्यनगर हैदराबाद !!
!! जय भवानी वीर शिवाजी जय महाराष्ट्र !!
श्री संत ज्ञानेश्वर भजन मंडळ हनुमान मंदीर महाराजगंज ईनकी सान्निध्य मे हर वर्षे की तरह श्री नवरात्र महोत्सव मे मा भगवती ओर हरी भजन व कीर्तन का आयोजित किया है यह नवरात्र महोत्सव पीछले 50 साल से यह परंपरा चालू रखी है हमारे सभी वारकरी मराठा बन्धु एवम सभी समाज के भाई ईस महोस्तव मे भाग लेते है हम सभ ईनका आभार व्यक्त करते है... रामकृष्णहरी
!! कार्य स्थळ !!
दि. 15/10/23 रविवार श्री राहुल राजेंदरजी कलवाडीकर किशनगंज
दि. 16/10/23 सोमवार श्री रमेशजी एकंबेकर रीसालाअब्दुल्ला ऊसमानगंज
दि. 17/10/23 मंगलवार श्री शामसुंदर ईगळे गोवलीगुडा चमन भाग्यनगर
दि. 18/10/23/ बुधवार श्री किशनराव जी ईंचुरे किशनगंज भाग्यनगर
दि. 19/10/23 गुरूवार श्री सुरेशजी काशेमपुर निंबोलीअड्डा काचीगुडा
दि. 20/10/23 शुक्रवार श्री सुरेशजी रोंन्डे कालीखबर बस डीपो हैदराबाद
आधीक जानकारी.. ज्ञानेश्वर चांदीवाले 9441789090
शामसुंदर ईगळे 9989646871
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
बिशेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
सीरवी समाज नवयुवक मंडल
मनीकोण्डा के तत्वावधान में
एक शाम माताजी के नाम भव्य जागरण
एवं गरबा-डांडिया नवरात्रि महोत्सव
: कार्यक्रम : गरबा-डांडिया- 15.10.2023 से 23.10.2023 तक
------: मुख्यअतिथि :------ रात्रि 7.30 बजे से 11 बजे तक
जागरण : शुक्रवार 20 अक्टुबर 2023
रात्रि 9.15 बजे से
: भजन गायकार :
भंवरलाल सीरवी मिलन सीरवी एंड पार्टी
: शुभस्थल :
श्री बिरपा मलाना टेम्पल, लेको हिल्स के पास, मनीकोण्डा
श्री रणजीत रेड्डी (एम.पी.)
श्री प्रकाश गौड़ (एम.एल.ए)
निवेदन: समाज बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव मे सपरिवार पधारकर माँ जगदम्बा के दर्शन, भजनों, प्रसाद व कार्यक्रम का लाभ लेवे
: आयोजनकर्ता :
मनीकोण्डा, नारसिंगी, दरगा, टोलीचौकी, शेखपेट, नानकरामगुड़ा, फिल्मनगर
9618072271, 9440605531, 9866085793, 9390034506
: शुभकामनाओं सहित :
सोहनलालजी हाम्बड़ सचिव अ.भा.सीरवी महासभा भवानी ट्रेडर्स मनीकोण्डा
बाबुलालजी भायल अध्यक्ष सीरवी समाज मनीकोण्डा माताजी ज्वैलर्स मनीकोण्डा
राजारामजी राठौड़ समाज सेवी राजश्री ज्वैलर्स मनीकोण्डा
स्वरुपजी चौधरी समाज सेवी चौधरी ट्रेडर्स पुपालागुड़ा मनीकोण्डा
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.